नई दिल्ली | शुक्रवार , 10 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :94 | मूल्य 3.00 रुपए | पृष्ठ 12

दैनिक

# विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली संस्करण

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल चैंपियंस लीगः क्वार्टर फाइनल ...
@ विचार जिसने युद्ध की ज्वाला देखी नहीं...
@ व्यापार पांच सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार ...

# असम में सबसे ज्यादा 85.38% वोटिंग, पुडुचेरी में 90% मतदान, केरलम में 49 साल में दूसरी बार रिकॉर्ड वोटिंग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए शाम 6 बजे तक वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38% मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है।

केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 89.81% मतदान हुआ।

पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे

असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है।

पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे। केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला।

असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

**असम, केरल और पुदुचेरी में मतदान का आंकड़ा**

असम, केरल और पुदुचेरी विधानसभा चुनाव में शाम छह बजे वोटिंग खत्म होने तक जहां असम-पुदुचेरी में 2021 से ज्यादा मतदान दर्ज हुआ, वहीं केरल भी पिछले चुनाव से ज्यादा मतदान दर्ज किया गया । तीन राज्यों के कुल 5.31 करोड़ मतदाता जोर-शोर से नई सरकार का फैसला करने के लिए सुबह से मतदान केंद्रों के बाहर जुटे रहे। इसके साथ ही 1,899 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। मतदातों को वोट डालने के लिए चुनाव आयोग ने कुल 63,060 मतदान केंद्र बनाए गए थे ।

**केरल की 140 सीटों के लिए 883 उम्मीदवार मैदान में**

केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 883 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। इन उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला राज्य के 2.71 करोड़ मतदाता ने कर दिया है। इनमें 1.39 करोड़ महिला मतदाता तो 1.32 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। सुचारू रूप से मतदान के लिए 30,471 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य में 75.75% वोटिंग हुई थी। राज्य की कुट्टियाडी विधानसभा सीट पर 2021 में सबसे ज्यादा मतदान हुआ था। यहां के 83.83% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। वहीं, तिरुवनंतपुरम विधानसभा सीट पर सबसे कम मतदान हुआ था। यहां सिर्फ 62.99% लोगों ने वोट डाला था। पेज नं -2

## असम में कांग्रेस प्रत्याशी ने ईवीएम तोड़ी, भाजपा- कांग्रेस समर्थक भिड़े

असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए। सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि श्रीभूमि जिले के पथारकंडी से कांग्रेस उम्मीदवार कार्तिक सेना सिन्हा रंगमती बूथ में घुस गए और पीठासीन अधिकारी से बहस करने लगे। उनका दावा था कि फर्जी वोटर्स ने असली लोगों के वोट डाले हैं।

जब पीठासीन अधिकारी ने इस आरोप का खंडन किया, तो उन्होंने ईवीएम तोड़ दी। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा समर्थकों ने आपस में हाथापाई शुरू कर दी। इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए करीमगंज सिविल अस्पताल भेजा गया है। श्रीभूमि की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लीना डोले मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया।सिन्हा का सीधा मुकाबला असम के मंत्री और भाजपा उम्मीदवार कृष्णेंदु पॉल से है।

पुडुचेरी में मतदान केंद्र पर रोबोट ने मतदाताओं का फूलों से स्वागत किया

विधानसभा चुनाव 2026

### कहां सबसे ज्यादा-सबसे कम मतदान

| | असम | केरल | पुदुचेरी |
|---|---|---|---|
| सबसे ज्यादा | श्रीजंगराम 94.33% | कुन्नाथुनाड 81.99% | ओउसुडु 92.04% |
| सबसे कम | न्यू गुवाहाटी 71.27% | काड्डुथुरुथी 66.81% | कराईकल दक्षिण 80.94% |

## 'अमेरिका ने अपने कारणों से पाकिस्तान को माध्यम बनाया' : इजरायली राजदूत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अज़ार ने कहा है कि अमेरिका ने अपने कारणों से पाकिस्तान को मध्यस्थ (फैसिलिटेटर) के तौर पर चुना है और इजरायल को वॉशिंगटन के इस फैसले पर भरोसा है, बशर्ते 15 सूत्रीय योजना को लागू किया जाए।

आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में अजार ने कहा, 'हमने पाकिस्तान को सीधे युद्ध में शामिल होते नहीं देखा, लेकिन उनकी भूमिका सकारात्मक नहीं रही है। अमेरिका ने अपने कारणों से उन्हें मध्यस्थ बनाया है। हमें भरोसा है कि अमेरिका 15 बिंदुओं की योजना को लागू करेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस ने ईरान के साथ अस्थायी युद्धविराम के लिए पाकिस्तान को माध्यम बनाया है। इसके तहत इस्लामाबाद ने अमेरिका की ओर से तैयार 15 बिंदुओं की योजना तेहरान तक पहुंचाई और ईरान के जवाब भी अमेरिका तक पहुंचाए।

अजार ने कहा कि 'अस्तित्वगत खतरों ', खासकर ईरान के सैन्य परमाणु कार्यक्रम को कमजोर करने के बाद अब इजरायल को उम्मीद है । पेज नं -2

# थम गया एक और युद्ध? लेबनान से सीधे बातचीत को तैयार इजरायल

## नेतन्याहू का बड़ा ऐलान

एजेंसी ■ लेबनान

ईरान-इजरायल तनाव के बीच लेबनान को लेकर एक बड़ा कूटनीतिक कदम सामने आया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के साथ जल्द से जल्द सीधे बातचीत शुरू करने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब सीजफायर की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है।

नेतन्याहू ने कहा है कि उन्होंने कैबिनेट को निर्देश दिया है कि लेबनान के साथ सीधे बातचीत जल्द शुरू की जाए। उनके दफ्तर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि लेबनान की तरफ से बार-बार बातचीत की मांग की जा रही थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य हिज्बुल्लाह को हथियारों से मुक्त करना और दोनों देशों के बीच शांति संबंध स्थापित करना होगा। इजरायल ने लेबनान के प्रधानमंत्री द्वारा बेरूत को सैन्य गतिविधियों से मुक्त करने की बात का भी स्वागत किया है। हालांकि, ईरान का कहना है कि किसी भी सीजफायर समझौते में लेबनान को शामिल किया जाना चाहिए, लेकिन अमेरिका और इजरायल का मानना है कि लेबनान इस समझौते का हिस्सा नहीं था।

**सीजफायर के बीच बढ़ा तनाव**

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच दो हफ्ते का सीजफायर लागू है, लेकिन लेबनान में जारी हमलों के कारण यह समझौता कमजोर पड़ता दिख रहा है। इजरायल ने हाल के दिनों में लेबनान में अपने सैन्य अभियान को तेज किया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।ऐसे में यह बातचीत शुरू करने का फैसला स्थिति को संभालने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर लेबनान मुद्दे को हल नहीं किया गया, तो सीजफायर ज्यादा समय तक टिक नहीं पाएगा।

**ट्रंप ने हमले कम करने को कहा**

इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भी इजरायल को लेबनान में हमले कम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने फोन पर नेतन्याहू से बात कर कहा कि ईरान के साथ चल रही बातचीत को सफल बनाने के लिए लेबनान में हमलों को कम करना जरूरी है।

## मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा इससे हिंदू धर्म को नुकसान : सुप्रीम कोर्ट

### केंद्र ने कहा- धार्मिक मामलों में अदालतों का दखल ठीक नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदु धर्म के लिए ठीक नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे श्रृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा।

उधर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं, जब धर्म से जुड़े विवाद संवेदनशील होते हैं। वहां अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं हैं। पेज नं -2

# आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साड़ी वितरण तय मापदंड और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत

संवाददाता ■ रायपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिका को साड़ी वितरण तय मापदंड और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत हुआ है, लेकिन जहां भी गड़बड़ी मिली है, वहां सुधार किया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर साड़ियां बदली जाएंगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को दी गई साड़ियों की लंबाई और गुणवत्ता को लेकर सामने आई शिकायतों पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने एक्शन लिया है। विभाग के मुताबिक, केंद्र सरकार के प्रावधान के तहत हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को साल में दो साड़ी यूनिफॉर्म दी जाती है। इसके लिए प्रति साड़ी 500 रुपए तय हैं। इसी आधार पर राज्य में करीब 1.94 लाख साड़ियों की आपूर्ति का आदेश छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़ी एजेंसी को दिया गया था। साड़ियों के रंग, डिजाइन और लंबाई का मापदंड राज्य स्तर पर तय किया गया था। इसके अनुसार साड़ी की लंबाई 5.50 मीटर और ब्लाउज पीस सहित कुल लंबाई 6.30 मीटर निर्धारित है।

महिला एवं बाल विकास विभाग को साड़ी की आपूर्ति से पहले छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़ी एजेंसी के सैंपल की जांच तकनीकी एजेंसी राइट्स लिमिटेड, मुंबई से कराई गई थी, जिसमें गुणवत्ता सही पाई गई।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिका को साड़ी वितरित की गई हालांकि वितरण के बाद दुर्ग, धमतरी, रायगढ़ और कबीरधाम जिलों से कुछ शिकायतें सामने आईं। इनमें साड़ी छोटी होने, धागा निकलने और रंग छोड़ने की बात कही गई। विभाग ने तुरंत जांच समिति बनाकर इन मामलों की पड़ताल कराई। जांच में कुछ मामलों में लंबाई कम और बुनाई में खामियां सामने आईं।विभाग का कहना है कि कॉटन साड़ी होने के कारण पहली धुलाई में रंग छोड़ने की स्थिति कुछ जगहों पर दिखी, लेकिन बाद में रंग सामान्य रहा। पेज नं -2

तय मानक के अनुरूप नहीं होने पर बदली जाएंगी साड़ियां

## हुमायूं कबीर की भाजपा से 1000 करोड़ की डील ?

### वायरल वीडियो में पीएमओ का जिक्र, कहा- डिप्टी सीएम बनूंगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले आम जनता उन्नयन पार्टी के चेयरमैन हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो से विवाद खड़ा हो गया है। इसमें वे बीजेपी नेताओं के साथ 1000 करोड़ की डील पर चर्चा कर रहे हैं।

19 मिनट के वीडियो में हुमायूं कबीर कह रहे हैं कि वे ममता बनर्जी को किसी भी कीमत पर सत्ता से हटाना चाहते हैं। अगर उनकी 60-70 सीटें आ गईं तो वे डिप्टी सीएम भी बन सकते हैं।

टीएमसी के कुणाल घोष ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस वीडियो का जिक्र कर कहा कि हुमायूं सुवेंदु अधिकारी, प्रधानमंत्री कार्यालय , मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा के करीबी हैं।

घोष ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय चुप क्यों है। उसे इस मामले की जांच करनी चाहिए। बीजेपी ने हुमायूं के जरिए मतुआ, हिंदुओं और मुसलमानों को बेवकूफ बनाने के लिए 'B टीम' और 'C टीम' बनाई है।बंगाल चुनाव में हुमायूं की पार्टी विधानसभा की 294 सीटों में से 118 पर चुनाव लड़ रही है। उनका गठबंधन असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के साथ है। राज्य में 23 और 29 अप्रैल को दो फेज में वोटिंग होगी। नतीजे 4 मई को आएंगे।

**हुमायूं कबीर ने मीडिया को बताया, 'ये आरोप पूरी तरह फेक हैं।**

ये वीडियो AI से बनाया गया है। जिन लोगों ने इन्हें जारी किया है मैं उनके खिलाफ कोर्ट जाऊंगा। अभी मैं चुनाव प्रचार में व्यस्त हूं। समय मिलते ही केस करूंगा। हुमायूं कबीर ने कहा कि मैं सीएम हिमंता बिस्व सरमा, मोहन यादव से कभी नहीं मिला, न ही बात हुई। पेज नं -2

# भाजपा सरकार में 'सबका साथ, सबका विकास' और जिन्होंने बंगाल को लूटा 'उनका हिसाब' होगा : पीएम मोदी

**बीरभूम ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के बीरभूम में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए बीरभूम की धरती को ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और प्रेरणा से भरी बताया।

उन्होंने कहा, 'गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे, जहां हर कोई भय से मुक्त हो। टीएमसी के महाजंगलराज ने इसके बिल्कुल उल्टा कर दिया। ये मां, माटी और मानुष की बात करते थे, लेकिन मां आज रो रही है। माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत, डरा-सहमा हुआ है। टीएमसी के महाजंगलराज का साक्षी बीरभूम है। बोगतुई में जो कुछ हुआ था, वह केवल एक घटना नहीं, बल्कि मानवता के माथे पर कलंक था। निर्दोष महिलाओं और बच्चों को जिंदा जला दिया गया। यह महाजंगलराज नहीं तो क्या है? यह घटना टीएमसी सिंडिकेट के गुंडाराज का बहुत खतरनाक सबूत है। माटी आपकी, हक आपका, लेकिन इस पर कब्जे के लिए गैंगवार चल रही है। बालू, पत्थर और कोयला की जो लूट चल रही है, यह टीएमसी के बड़े-बड़े नेताओं और उनके आलाकमान के आशीर्वाद से हो रहा है। बंगाल की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा बहुत ही खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है।

प्रधानमंत्री ने घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा, 'टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी डॉक्यूमेंट दिलवा रहा है। पड़ोस से घुसपैठिए अंदर आते हैं। पंचायत और अन्य सरकारी दफ्तर में डरा-धमकाकर गलत काम कराए जा रहे हैं। फर्जी डॉक्यूमेंट बनाने का काला खेल बंगाल की और देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है। बंगाल में भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठियों के मददगार लोगों के खिलाफ एक विशेष जांच बैठाई जाएगी। यह मेरी गारंटी है। घुसपैठियों के हर मददगार को, चाहे वह कितना भी ताकतवर क्यों न हो, उनकी पहचान की जाएगी। घुसपैठियों को भी खदेड़ा जाएगा और उनके जो आका हैं, उन्हें जेल में भरा जाएगा। सरकारी योजना हो, मजदूरी का काम हो, घुसपैठिए कम पैसे में यह काम यहां के लोगों से छीन लेते हैं। यहां के लोकल लोगों को काम की तलाशी में कहीं और पलायन करना पड़ता है। अब यह नहीं चलेगा। रामपुरहाट की क्या स्थिति है, यह आप सभी प्रत्यक्ष देख रहे हो। मालदा में पिछले दिनों क्या हुआ, यह भी पूरे देश ने देखा, जहां अधिकारियों तक को बंधक बना लिया गया। इस भय से बंगाल के लोगों को मुक्ति दिलानी जरूरी है। मां, माटी और मानुष में से मां की स्थिति तो और भी खराब है।

# मध्य प्रदेश के 68 महाविद्यालय में शुरू होगा एआई कोर्स

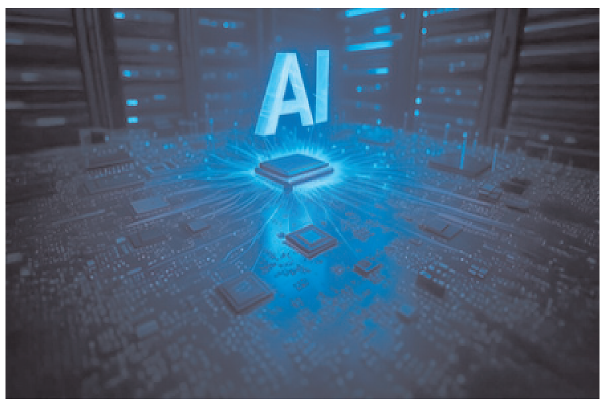


**भोपाल।** मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिए प्रयास जारी है और इसी क्रम में प्रदेश के 68 शासकीय महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एआई एवं फिनटेक विथ एआई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं।

आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में परंपरागत पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिये उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

प्रदेश के 68 शासकीय महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एआई एवं फिनटेक विथ एआई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जा रहे हैं। इनमें 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस तथा 13 स्वायत्त महाविद्यालय शामिल हैं। यह कोर्स आईआईटी दिल्ली के सहयोग से संचालित किया जाएगा। विद्यार्थियों को इसकी सुविधा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मिलना शुरू होगी।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने को लेकर तैयारी पूर्ण कर ली गई है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस वर्ष 2000 विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं फिनटेक विथ आई के ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम चरण में यह लक्ष्य 1000 विद्यार्थियों का था, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है।

उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने बताया है।

# टीएमसी सरकार ने सिर्फ वोटों की फसल काटने का काम किया', शिवराज सिंह चौहान ने बंगाल में किसानों से किया सीधा संवाद

**कोलकाता।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को पश्चिम बंगाल दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और जमीनी हालात का जायजा लिया।

दौरे के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने सिंगूर में उस विवादित जमीन का भी निरीक्षण किया, जहां कभी टाटा मोटर्स का नैनो प्लांट प्रस्तावित था। उन्होंने यहां आलू के खेतों का निरीक्षण कर किसानों से बातचीत की और उनकी चुनौतियों व समस्याओं को समझा। वहीं, शिवराज सिंह चौहान ने कोलकाता में आयोजित स्वर्णकार समाज की सोशल कॉन्फ्रेंस में भी शिरकत की। इस दौरार सिंगूर में उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सिंगूर की जमीन पर न खेती हो रही है और न ही कोई उद्योग स्थापित हुआ है। यह भूमि अब सीधे-सीधे राज्य सरकार की विफलता का प्रतीक बन चुकी है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सिंगूर का नाम सुनते ही टाटा फैक्ट्री आंदोलन याद आता है, जिसके सहारे ममता बनर्जी सत्ता तक पहुंचीं, लेकिन आज सिंगूर की हालत देखकर मैं हैरान रह गया। न वहां फैक्ट्री बनी, न जमीन खेती के लायक छोड़ी गई। जमीन के नीचे सीमेंट-कंक्रीट भरा पड़ा है और उसे हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि दस साल बीत गए, लेकिन किसान आज भी वहीं खड़ा है। न खेती कर पा रहा है, न कोई उद्योग लगा। किसानों की आंखों में आंसू हैं, वो कह रहे हैं, हम तो कहीं के नहीं रहे। यह स्थिति ममता सरकार की नाकामी का जीता-जागता प्रमाण है। सिंगूर आज ममता बनर्जी की विफलता का स्मारक बन चुका है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फैक्ट्री लगने नहीं दी गई और खेती भी नहीं होने दी गई। किसान को बीच मंझधार में छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि यह किसानों के साथ विश्वासघात है।

केवल सत्ता पाने के लिए किसानों की भावनाओं से खिलवाड़ किया गया और बाद में उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ममता दीदी को जनता या किसानों से कोई प्रेम नहीं है, उन्हें केवल कुर्सी से प्यार है। अगर जरा भी संवेदना होती तो सिंगूर को एक मॉडल बनाकर दिखातीं, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब आलू के दाम गिरते हैं तो केंद्र सरकार के पास पीएसएस, मार्केट इंटरवेंशन स्कीम और भावांतर भुगतान जैसी योजनाएं हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने आज तक इन योजनाओं के तहत कोई प्रस्ताव ही नहीं भेजा।

# यूपी पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, इधर से उधर किए गए 12 आईपीएस अधिकारी

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश पुलिस महकमे में एक बार फिर संगठनात्मक बदलाव किया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय की मीडिया सेल ने गुरुवार को 12 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए।

ये तबादले मुख्य रूप से अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और सहायक पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) स्तर के अधिकारियों के हैं, जिन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। डीजीपी कार्यालय के अनुसार, इन तबादलों का उद्देश्य पुलिस प्रशासन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाना और विभिन्न जनपदों और पुलिस कमिश्नरेट में बेहतर समन्वय स्थापित करना है। अधिकांश अधिकारी 2019 से 2022 बैच के हैं।

प्रमुख तबादलों में सागर जैन (आईपीएस 2019) को अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), सहारनपुर से पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज भेजा गया है। मनोज कुमार रावत (आईपीएस 2020) अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी), जनपद गोंडा से अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी), जनपद संभल पदस्थापित किए गए हैं। आयुष विक्रम सिंह (आईपीएस 2020) को अपर पुलिस अधीक्षक (नगर), जनपद मेरठ से अपर पुलिस अधीक्षक (नगर), जनपद बहराइच का प्रभार सौंपा गया है।

विनायक गोपाल भोसले (आईपीएस 2022) सहायक पुलिस अधीक्षक, जनपद सीतापुर से अपर पुलिस अधीक्षक (नगर), जनपद मेरठ भेजे गए हैं। अंतरिक्ष जैन (आईपीएस 2022) को सहायक पुलिस अधीक्षक, जनपद मेरठ से अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), जनपद बुलंदशहर का पद मिला है। ट्विंकल जैन (आईपीएस 2022) सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर से अपर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ पहुंचाई गई हैं।

लिपि नागयाच (आईपीएस 2022) को सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद से अपर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी में स्थानांतरित किया गया है। राजकुमार मीणा (आईपीएस 2022) को सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज से अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल), जनपद मीरजापुर भेजे गए हैं। ऋषभ रुनवाल (आईपीएस 2022) को सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ से अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल), जनपद सोनभद्र का पद सौंपा गया है।

# कतर में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, एलएनजी सप्लाई पर करेंगे अहम बातचीत

**नई दिल्ली।** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी गुरुवार को अपनी दो दिवसीय यात्रा पर दोहा पहुंचे। हवाई अड्डे पर भारत के कतर स्थित राजदूत विपुल और कतर एनर्जी के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का यह दौरा पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच हुआ है। मंत्री पुरी यहां ईरान संघर्ष के कारण प्रभावित हुई लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की सप्लाई को लेकर अहम बातचीत करेंगे। वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव के बावजूद भारत घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है।

कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने पिछले महीने लंबी अवधि के एलएनजी सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट्स पर 'फोर्स मेजर' लागू कर दिया था, जिससे इटली, बेल्जियम, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों को जाने वाली सप्लाई प्रभावित हुई थी। हालांकि, भारत का नाम इस सूची में नहीं था, लेकिन कतर से एलएनजी खरीदने वाले प्रमुख देशों में भारत भी शामिल है।

कतर एनर्जी के सीईओ साद अल-काबी के अनुसार, फरवरी के अंत में संघर्ष शुरू होने के बाद से कतर पर ईरान के हमलों के कारण ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। इससे देश की करीब 17 प्रतिशत एलएनजी निर्यात क्षमता प्रभावित हुई है।

हमलों में कतर के 14 एलएनजी प्लांट्स में से 2 और 2 गैस-टू-लिक्विड (जीटीएल) सुविधाओं में से एक को नुकसान पहुंचा है, जिससे करीब 12.8 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन ठप हो गया है। उन्होंने कहा कि इसकी मरम्मत में तीन से पांच साल का समय लग सकता है।

इस संकट से कतर को हर साल करीब 20 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान है और इससे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

खासकर यूरोप और एशिया के देशों में।

इससे पहले मार्च में प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी से बात की थी और ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों की कड़ी निंदा की थी। दोनों नेताओं ने होर्मुज स्?ट्रेट में सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया था।

इस बीच, भारतीय कंपनियां एलएनजी की आपूर्ति के लिए अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों की ओर रुख कर रही हैं, जिसका उपयोग मुख्य रूप से औद्योगिक क्षेत्र में होता है।

भारत ने 2025 में करीब 25.5 मिलियन टन एलएनजी आयात किया था और सरकार का लक्ष्य 2030 तक देश के कुल ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत तक बढ़ाने का है।

## शेष पेज - 01

### असम के इतिहास में सबसे ज्यादा 85.38% वोटिंग...

2021 के विधानसभा चुनाव में असम में 82.02% मतदान हुआ था।

नए सिरे से हुए परिसीमन और एसआईआर के बाद हो रहे इस चुनाव में मतदान का नया रिकॉर्ड बन गया है। 2021 में सबसे ज्यादा मतदान जलेश्वर विधानसभा सीट पर हुआ था। वहीं, सबसे कम वोटिंग गुवाहाटी पूर्व सीट पर हुई थी। जलेश्वर सीट पर 93.65% वोटिंग हुई थी। वहीं, गुवाहाटी पूर्व सीट पर 71.4% लोगों ने वोट डाला था।

पुदुचेरी की 30 सीटों पर 294 उम्मीदवार

30 विधानसभा सीटों वाली पुदुचेरी में कुल 294 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। यहां के 9.50 लाख मतदाता इन उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला कर दिया है। पुदुचेरी में पुरुषों के मुकाबले महिला मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। यहां 4.46 लाख पुरुष मतदाता हैं। पुदुचेरी में महिला मतदाताओं की संख्या 5.03 है। सुचारू मतदान के लिए इस केंद्र शासित प्रदेश में 1,099 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

2021 के चुनाव की बात करें तो यहां 83.28% वोटिंग हुई थी। यानम विधानसभा सीट पर सबसे ज्यादा 92.31% मतदात हुआ था। वहीं, राजभवन विधानसभा सीट पर सबसे कम 73.93% वोटिंग हुई थी।

### अमेरिका ने अपने कारणों से पाकिस्तान को माध्यम बनाया : इजरायली राजदूत...

कि ईरानी शासन अमेरिका के साथ व्यापक शांति योजना पर सहयोग करेगा।

उन्होंने कहा, 'हम संतुष्ट हैं कि हमारा सैन्य अभियान पूरा हो चुका है और अब कूटनीति को मौका दिया जा रहा है। अगर ईरान इस 15 सूत्रीय योजना पर सहयोग करता है, तो न केवल उसे राहत मिलेगी बल्कि पूरे क्षेत्र को फायदा होगा।

इजरायली राजदूत ने चेतावनी भी दी कि यदि ईरान युद्धविराम का सम्मान नहीं करता या फिर टालमटोल करता है, तो इजरायल अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

अजार ने दावा किया कि इजरायल ने ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को काफी हद तक खत्म कर दिया है और उसके कार्यक्रम को वर्षों पीछे धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि समृद्ध यूरेनियम को सुरक्षित रूप से हटाने और संवर्धन गतिविधियों को रोकने तक स्थिति की निगरानी जारी रहेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के अंदरूनी हालात कमजोर पड़ते दिख रहे हैं और सत्ता तंत्र में दरारें नजर आ रही हैं। अजार के अनुसार, 'शासन और सुरक्षा बलों के बीच तालमेल की कमी है और यह अस्थिरता की ओर इशारा करता है।

### मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा इससे हिंदू धर्म को नुकसान : सुप्रीम कोर्ट ...

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों में लगातार तीसरे दिन सुनवाई की। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

**सुप्रीम कोर्ट के 3 तर्क**

मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोड़कर), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे शृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा।

आर्टिकल 17 (छुआछूत खत्म करना) बहुत ताकतवर प्रावधान है। यह सिर्फ कानून के तहत अपराध नहीं है, बल्कि संविधान इसे अपराध घोषित करता है। यह कानूनी ही नहीं, संवैधानिक स्तर पर भी गंभीर मामला है।

अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है, तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यह कहना सही नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर असर नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता। यह हर केस के हिसाब से तय होगा।

**केंद्र सरकार के 4 तर्क**

अगर कोई मंदिर सिर्फ अपने समुदाय के लोगों के लिए रखना चाहता है, तो उन्हें सरकार या आम जनता से फंड (पैसा/दान) नहीं लेना चाहिए। अगर आप दूसरों को बाहर रखते हैं, तो उनसे मदद भी नहीं ले सकते।

अगर सिर्फ आर्टिकल 26(ड्ड) के आधार पर देखें, तो मंदिर में प्रवेश से जुड़ा कानून गलत हो सकता है।

धार्मिक संस्था को यह अधिकार है कि कौन मंदिर में आएगा, यह वह खुद तय करे। अगर प्रवेश या पूजा धार्मिक नियमों से तय होता है, तो यह धर्म का हिस्सा है। जबरन एंट्री कराने वाला कानून इस अधिकार का उल्लंघन है।

केरल में पुर्तगालियों ने सीरियन ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों को कैथोलिक बनाने की कोशिश की। आयरलैंड में ब्रिटिश शासन के दौरान कैथोलिकों के साथ भेदभाव होता था। ऐसे धार्मिक विवाद संवेदनशील होते हैं, इसलिए अदालतें आमतौर पर हस्तक्षेप नहीं करतीं।

अगर मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जा रहा है और कोई मांसाहारी भोजन चाहता है, तो वह किसी संप्रदाय से यह नहीं कह सकता कि यह उसका अधिकार है और उसे वही परोसा जाए।

### आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साड़ी वितरण तय मापदंड और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत...

महिला एवं बाल विकास विभाग ने अब सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे साड़ियों की दोबारा जांच करें और जहां मापदंड से कमी मिले, उसकी जानकारी भेजें।

साथ ही खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को भी साफ निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी साड़ियों को बदलकर मानक के अनुसार नई साड़ियां उपलब्ध कराई जाएं।

विभाग ने यह भी बताया कि जारी कार्यादेश में ही एजेंसी को गुणवत्ता बनाए रखने और शिकायत मिलने पर सामग्री बदलने की शर्त लिखी गई थी।विभाग का कहना है कि किसी भी हितग्राही को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा और सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिका को साड़ी मानक के अनुरूप साड़ियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

### हुमायूं कबीर की भाजपा से ?1000 करोड़ की डील...

वीडियो में हुमायूं कबीर दावा करते हैं कि उनकी बातचीत बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी से हुई है। उन्हें दिल्ली ले जाकर केंद्रीय नेतृत्व से मिलाने की बात कही गई थी। हुमायूं प्रधानमंत्री कार्यालय और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से संपर्क का भी जिक्र करते हैं। वे असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिसवा सरमा के साथ बातचीत का संकेत भी देते हैं। वीडियो में हुमायूं कबीर बीजेपी के साथ 1000 करोड़ रुपए की डील का जिक्र करते दिखाई दे रहे हैं। साथ ही कुछ सीनियर नेताओं के साथ बातचीत के दावे भी सामने आए हैं। वायरल वीडियो में यह भी दावा किया गया है कि अगर वह इस रणनीति में सफल होते हैं तो उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

ये पता नहीं चला है कि ये वायरल वीडियो कहा शूट किया गया था। दैनिक भास्कर इसकी पुष्टि नहीं करता।

बाबरी मस्जिद की नींव रख चर्चा में आए थे कबीरहुमायूं ने 6 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखी थी। इसमें 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी थी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

# विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाएं-स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव

## प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाए

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाना सुनिश्चित करें। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज ग्राउंड, रायपुर में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालयों के प्राचार्यों की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन आज स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उन्होंने सभी प्राचार्यों से अपेक्षा की गई कि वे डॉ. भीमराव अंबेडकर के समान समता, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के मूल्यों को आत्मसात करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दें तथा राज्य के शिक्षा स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, दीप मंत्र एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। साथ ही कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी के उल्लेख से करते हुए उनके संघर्षों एवं नागरिकों को समान अधिकार दिलाने में दिए गए योगदान को स्मरण किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्यभर के लगभग 751 विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाना रहा। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए लक्ष्य निर्धारण, NEET एवं JEE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की भागीदारी एवं सफलता बढ़ाने की रणनीति, पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया, अंग्रेजी भाषा दक्षता में सुधार, पीटीए बैठकों की समीक्षा तथा पालक-अधिकारियों की भूमिका जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में सह-शैक्षणिक गतिविधियों की उपलब्धियां, स्मार्ट क्लास एवं पुस्तकालयों के प्रभावी उपयोग, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा नवाचार आधारित गतिविधियों पर भी विचार- विमर्श किया गया। बैठक में सेजस के विजन मिशन को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसमें 4.22 लाख से अधिक अध्ययनरत विद्यार्थियों, स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय उपयोग, शिक्षकों की भर्ती, मॉनिटरिंग एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों की जानकारी साझा की गई।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सभी प्राचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालयों का प्रदर्शन बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने शिक्षकों के मिलनसार व्यवहार, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से मधुर संबंध तथा शिक्षण में ईमानदारी पर विशेष बल दिया।

# मनरेगा में छत्तीसगढ़ की बड़ी छलांग

# मनरेगा क्रियान्वयन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल

## ई-केवायसी, जियो-टैगिंग और क्यूआर कोड से पारदर्शिता को मिली नई गति

**रायपुर।** महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ राज्य देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य ने विभिन्न प्रमुख मानकों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। 97 सक्रिय श्रमिकों का ई-केवायसी पूर्ण 1 अप्रैल 2026 की स्थिति में राज्य ने पूर्ण कर लिया है । जिससे भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित हुई है। जिसके तहत प्रदेश के 58.16 लाख श्रमिकों का ई-केवायसी तथा 11.32 लाख निर्मित परिसंपत्तियों का जियो टैगिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिससे कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग संभव हुई है।

11,668 ग्राम पंचायतों में जीआईएस आधारित योजना

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से 11,668 ग्राम पंचायतों में 2,86,975 कार्यों की जीआईएस आधारित कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप वैज्ञानिक योजना निर्माण सुनिश्चित हुआ है। इसके साथ ही मनरेगा कार्यस्थलों पर फेस ऑथेंटिकेशन आधारित एनएमएमएस प्रणाली के उपयोग से उपस्थिति की निगरानी अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है। क्यूआर कोड से आमजन को सीधी जानकारी

ग्राम पंचायतों में लगाए गए क्यूआर कोड के माध्यम से नागरिक, कार्यों की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। एक सितंबर से अब तक लगभग 5 लाख से अधिक स्कैन दर्ज किए गए हैं। जिससे कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है।

# सर,फेल हो गई तो शादी नहीं होगी

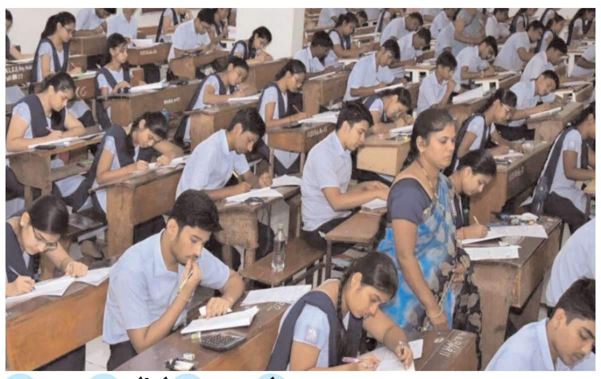

## छात्र-छात्राओं ने पास करने लगाई मार्मिक गुहार

**रायपुर।** 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियां जांच रहे शिक्षकों को इस बार छात्रों की ओर से लिखी गई अजीबोगरीब गुहार, प्रार्थनाएं और प्रस्ताव पढ़ने को मिले हैं। जिन्हें देखकर शिक्षक भी हैरान रह गए। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के कुल 2,66,173 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा हो चुका है। इस बार कॉपियों में छात्रों द्वारा अनोखी मिन्नते की गई हैं। जब छात्र-छात्राएं पास होने के लिए अजीबों गरीब तरीके अपनाते है।एक छात्रा अपने उत्तरपुस्तिका में यहां तक लिख दिया कि 'सर मेरी शादी होने वाली है, फेल हो गई तो शादी नहीं होगी, कृपया मुझे पास कर दीजिए'।

वही एक छात्र ने लिखा सर घर की स्थिति ठीक नहीं है मुझे कृपया पास कर दीजिए। एक ने लिखा हनुमानजी के अगर भक्त है तो पास करिए। इस सत्र में 10वीं में 3 लाख 23 हजार 687 छात्र-छात्राएं और 12वीं में 2 लाख 46 हजार 862 छात्र-छात्राएं रजिस्टर्ड हुए थे।

**ऐसे लिखी गई कुछ मार्मिक बातें..**

नीट की तैयारी कर रहा था, 12वीं के पेपर की तैयारी नहीं कर सका, इसलिए पास कर दें

माता कैंसर पीड़ित है, दिन रात उनका ध्यान रखना पड़ता है, कैंसर पीड़ित मम्मी का दिल रखने के लिए पास कर दें।

मेरी शादी तय हो चुकी है, गरीब बेटी की शादी न टूटे इसलिए 33 अंक देकर कन्या को आशीर्वाद देने की कृपा करें। हनुमान चालीसा लिखकर ॐ हनुमानजी के अगर भक्त है तो पास करिए नहीं तो हनुमानजी के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। परीक्षा में लड़कों से ज्यादा लड़कियां हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की परीक्षा में सबसे लड़कियां है।

# अमित बघेल को जमानत मिली

**रायपुर।** जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष अमित बघेल के लिए गुरूवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने एक अहम सुनवाई के बाद अमित बघेल को उनके खिलाफ दर्ज सभी 14 एफआईआर मामलों में 3 महीने के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। दरअसल, बघेल लंबे समय से न्यायिक हिरासत में थे और उनके समर्थक लगातार उनकी रिहाई की मांग कर रहे थे।

**रायपुर जिले की सीमा में नो एंट्री!**

बता दें कि कोर्ट ने राहत तो दी है, लेकिन कुछ कड़ी शर्तें भी साथ जोड़ दी हैं। मिली जानकारी के अनुसार, अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान अमित बघेल रायपुर जिले की भौगोलिक सीमा के भीतर नहीं रह सकेंगे। गौरतलब है कि कोर्ट ने उन्हें केवल निचली अदालत में पेशी की तारीखों पर ही जिले में प्रवेश की अनुमति दी है। अमित बघेल की ओर से अधिवक्ता हर्षवर्धन परगनिहा ने प्रभावी पैरवी की, जबकि राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण दास ने पक्ष रखा।

रात के वक्त मंदिर में बजा लाउडस्पीकर: मामले में जिला प्रशासन ने हाई कोर्ट में पेश की रिपोर्ट, कहा- तेज नहीं थी आवाज..!

दरअसल, अमित बघेल पर समाज विशेष के खिलाफ भड़काऊ बयान देने और शांति भंग करने के गंभीर आरोप लगे थे। बता दें कि बघेल के खिलाफ छत्तीसगढ़ समेत 7 राज्यों की पुलिस ने केस दर्ज किए थे।

# बिलासपुर स्टेशन के पास पकड़ा गया नोटों से भरा बैग

**बिलासपुर।** न्यायधानी में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बेलगहना पुलिस चौकी और एसीसीयू (एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट) की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति के दो सूटकेस और एक पिट्ठू बैग में रखी हुए 17 लाख 90 हजार रुपये नकद बरामद किए है जिसे पुलिस ने संदिग्ध मानते हुए जब्त कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को बेलगहना पुलिस और एसीसीयू बिलासपुर की टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन के पास दो सूटकेस और एक बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और पवन बजाज (उम्र 35 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने पर इसे संदिग्ध मानते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 106 के तहत जब्त कर लिया।

फिलहाल पुलिस आरोपी पवन बजाज से इस रकम के स्त्रोत के बारे में पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह रकम किस उद्देश्य से लाई जा रही थी और इसका किसी आपराधिक गतिविधि से संबंध है या नहीं?

# डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह को राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान

## 91 प्रतिशत पीएलएफ के साथ डीएसपीएम संयंत्र ने रचा कीर्तिमान

**रायपुर** । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह (डीएसपीएम) कोरबा पूर्व ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के लिए ऊर्जा सचिव एवं पॉवर जनरेशन एवं डिस्टब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने जनरेशन कंपनी के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को बधाई दी है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने बताया कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा जारी रिपोर्ट में हमारे संयंत्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जिसमें डीएसपीएम कोरबा पूर्व ने सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। यह हमारे कुशल प्रबंधन एवं संयंत्रों के नियमित रख-रखाव का परिणाम है कि निर्धारित मापदण्डों से कई ज्यादा हमारे संयंत्र ने परफॉर्म कर राष्ट्रीय स्तर पर यह कीर्तिमान हासिल किया है। डीएसपीएम के दोनों क्षमता के विद्युत इकाईयों ने 2025-26 में 91 प्रतिशत पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) अर्जित किया है। डीएसपीएम ने सीईए (केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण) एवं सीएसईआरसी (छत्तीसगढ़ स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन) के निर्धारित लक्ष्य 85 प्रतिशत से भी अधिक 91 प्रतिशत पीएलएफ प्राप्त कर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी का गौरव बताया है।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी ने एक और उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के वार्षिक मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन का समग्र प्रदर्शन भी अच्छा रहा है जिसमें 33 संस्थाओं में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी तीसरा स्थान हासिल कर टॉप तीन की श्रेणी में शुमार है। एसके कटियार ने पॉवर जनरेशन कंपनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इस उपलब्धि से छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को देश के ऊर्जा उत्पादन पटल पर और अधिक सशक्त पहचान मिली है।

# फिक्की फ्लो ने रायपुर में 22वें चैप्टर का किया शुभारंभ

**रायपुर।** भारत के शीर्ष व्यापारिक संगठन 'फिक्की' की महिला विंग, फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में अपने 22वें चैप्टर की शुरुआत की घोषणा की।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत भर में महिला उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को सशक्त बनाने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के समावेशी आर्थिक विकास में योगदान देने की फ्लो की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

नई दिल्ली में अपने मुख्यालय और 21 मौजूदा चैप्टर्स के साथ, फ्लो पिछले चार दशकों से महिला उद्यमिता, नेतृत्व और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। 15,000 से अधिक सदस्यों के नेटवर्क वाला यह संगठन अब रायपुर चैप्टर के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रगतिशील और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

मध्य भारत के एक प्रमुख औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्र के रूप में रायपुर महिला-नेतृत्व वाले विकास की अपार संभावनाएं रखता है। शहर का मजबूत बुनियादी ढांचा और बढ़ता व्यापारिक इकोसिस्टम महिला उद्यमियों के इनोवेशन और और अपनी छाप छोड़ने के संकल्प को दर्शाता है।

इस लॉन्च इवेंट में कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की

मीनल चौबे, महापौर, रायपुर

डॉ. संगीता रेड्डी, संयुक्त प्रबंध निदेशक, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड शिरकत की

कार्यक्रम में फ्लो की पूर्व अध्यक्षों, प्रेसीडियम के सदस्यों, गवर्निंग बॉडी के सदस्यों और क्षेत्र की प्रमुख महिला उद्यमियों एवं प्रोफेशनल्स ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज

फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा गर्ग ने कहा कि रायपुर में फिक्की फ्लो का विस्तार पूरे भारत में महिलाओं को सशक्त बनाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फ्लो महिलाओं को वे संसाधन, परामर्श (मेंटरशिप) और नेटवर्क प्रदान करने के लिए समर्पित है जिनकी उन्हें एक सफल उद्यमी और प्रोफेशनल के रूप में आवश्यकता है।

# आदि गुरु शंकराचार्य का प्राकट्य उत्सव समारोह 26 अप्रैल को

**रायपुर।** छग. सनातन दशनाम गोस्वामी समाज रायपुर द्वारा प्रांतीय स्तर पर प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज के स्वाभिमान एवं गौरव के प्रतीक भगवान आदि गुरु शंकराचार्य का प्राकट्य उत्सव समारोह रविवार 26 अप्रैल 2026 को शहीद स्मारक भवन रायपुर में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। आध्यात्मिक ऊर्जा के द्वारा सांस्कृतिक चेतना जागृत कर सनातन धर्मावलम्बियों में आत्म सम्मान, गौरव,आस्था, एवं एकता स्थापित

कर सनातन धर्म की रक्षा एवं पुनर्स्थापना करने वाले भगवान शंकर के अंशावतार भगवत्पाद आद्य शंकराचार्य भगवान के प्राकट्य महोत्सव में प्रति वर्ष अनुसार समाज के समस्त प्रबुद्धजन, माताओं, बहनों, युवाओं, बच्चों तथा प्रदेश/समस्त जिला कार्यकारणी के पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता, गरिमापूर्ण उपस्थिति एवं सहयोग अपेक्षित है ।

मोहनपुरी गोस्वामी प्रान्त अध्यक्ष ,वीरेंद्र पुरी गोस्वामी पूर्व प्रान्तध्यक्ष श्सुधीर बन गोस्वामी प्रदेश कोषाध्यक्ष योगेंद्र पुरी गोस्वामी मुंगेली संस्थापक सदस्य संजयगिरी,मुंगेली प्रदेश महासचिव, संस्थापक एवं संरक्षक सदस्य, कुबेर प्रकाश गिरी प्रभाकर बन गोस्वामी,जिला अध्यक्ष गण वेदपुरी गोस्वामी जिलाध्यक्ष रायपुर आनंद गिरि महासमुंद दिनेश पूरी गोस्वामी बिलासपु दीपक बन,दुर्ग-भिला नीलम बन, धमतरी विजय पूरी,धमतरी संतोष पूरी बेमेतरा भूपेंद्र गोस्वामी,जांजगीर-चांपा योगेंद्र पुरी, रमेशपुरी, सुरेंद्र गिरी अश्वनी बन, देवेंद्र भारती, मयंक गिरी, देवेंद्र गिरी,सोहन पुरी आदि ने अपील की है।

# साध्वी मां योग योगेश्वरी का रायपुर एयरपोर्ट में हुआ आत्मीय स्वागत

**रायपुर** । "विश्व का कल्याण हो" का उद्देश्य लेकर देश के विभिन्न राज्यों में जा रही अनंतश्री विभूषित 1008 परम पूज्या महामंडलेश्वर "श्री माँ योग योगेश्वरी यती के प्रथम छत्तीसगढ प्रवास के दौरान रायपुर आगमन पर सनातनियों ने एयरपोर्ट पर जय श्री राम के गगनचुंबी जयघोष कर पुष्पवर्षा से माई का आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया ।

वहां से डा. ओमप्रकाश देवांगन के निवास में भक्तों ने माई का दिव्य दर्शन कर आशीर्वाद लिये तत्पश्चात योग और गौसेवा आयोग द्वारा आयोजित सुरभी कार्यालय भवन में मुख्य अतिथि माई ने गौमाता का पूजा अर्चना किया, मंचीय कार्यक्रम में विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्री लक्ष्मी राजवाडे, प्रांत संघ चालक टोपलाल वर्मा, पश्चिम भारत संपर्क प्रमुख विजय देवांगन, योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा,योग आयोग के अध्यक्ष बिशेसर पटेल, संन्निर्माण भवन आयोग के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, कार्यक्रम संयोजक राजीव लोचन श्रीवास्तव , भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डा. ओमप्रकाश देवांगन सहित सैकडो सनातन विचार वाले भाई बहने उपस्थित थे मां योग योगेश्वरी मां "विश्व का कल्याण हो" पर अपने विचार रखे सभी सनातनियों के एकता पर जोर दिए , स्मरण हो कि तपस्वीनी साध्वी मां योग योगेश्वरी सनातन परंपरा की एक तेजस्विनी साधिका, दिव्य हीलर और आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं, इन्होंने अपने जीवन के प्रारंभ से ही माँ काली को अपनी आराध्य मानकर साधना की और माँ काली की प्रेरणा से भगवान शिव की उपासना में स्वयं को समर्पित किया, माँ योगेश्वरी जी ने लगातार 12 वर्षों तक अखंड धूना जलाकर महामृत्युंजय मंत्र की हवनात्मक साधना की, वर्षों तक मौन व्रत रखा, और गंगा-यमुना के पावन तटों पर गहन तपस्या की, हिमालय की दिव्य ऊर्जा को आत्मसात करते हुए उन्होने केदारनाथ, बद्रीनाथ और लेह से आगे दक्षिण दिशा में स्थित न्योमा-हानले जैसे अत्यंत कठिन और उच्च आध्यात्मिक क्षेत्रों में रहकर साधना की।

# फार्मेसी शिक्षा और शोध से बदलेगी स्वास्थ्य व्यवस्था- स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

**रायपुर।** राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के अवसर पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित फार्मा अन्वेषण 2026 कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी द्वारा फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम की थीम के बीच समन्वय रही, जिसमें फार्मेसी शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग के बेहतर तालमेल पर विशेष चर्चा की गई।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि फार्मेसी क्षेत्र स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है और आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में इसकी भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के साथ-साथ फार्मेसी शिक्षा और रिसर्च को भी प्रोत्साहित कर रही है।

उन्होंने युवाओं और शोधार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से ही हम बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित कर सकते हैं।

# पाकिस्तान में बारिश ने मचाई तबाही, खैबर पख्तूनख्वा में तीन की मौत, 14 घायल

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर, मोहमंद और नौशेरा जिलों में बारिश से जुड़े हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को दी।

प्रमुख दैनिक 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि पेशावर के मट्टानी इलाके में छत गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। मियां गुजर और इस्लामाबाद कोरुना इलाकों में लोग बारिश के पानी में फंसे हुए थे।

फैजी ने बताया कि नौशेरा के रहीमाबाद इलाके में छत गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। इनमें दो बच्चे और एक महिला शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए पब्बी अस्पताल ले जाया गया।

मोहमंद जिले में बारिश से जुड़े हादसों में दो लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। शहीद बांदा इलाके में एक लड़की की मौत हो गई, जब उसके घर का कमरा गिर गया। इसी तरह एक्काघुंड के करारी इलाके में भी ऐसा ही हादसा हुआ, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। बैजई इलाके के सरा खावा में एक आदमी की मौत हो गई, जब उसका कमरा भारी बारिश की वजह से गिर गया।

बुधवार को मोहमंद जिले के पिंडियाली तहसील के दवेजाई दावत कोर इलाके में छत गिरने से चार लोग घायल हो गए।

मोहमंद जिले में इस बार रिकॉर्ड बारिश हुई है और काफी नुकसान हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, 2026 में यहां 151 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 2013 के 134 मिलीमीटर के पुराने रिकॉर्ड से ज्यादा है। लगातार बारिश से निचले इलाके पानी में डूब गए और छोटे नाले भी उफान पर आ गए।

कई लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए। सैकड़ों घर और दीवारें टूट गईं या खराब हो गईं। कई इलाकों की सड़कें भी बह गईं।

## लक्ष्य हासिल करने के लिए दोगुनी करनी होगी नवीकरणीय ऊर्जा की रफ्तार

**नई दिल्ली ।** आईआईटी मद्रास की रिसर्च में वैश्विक ऊर्जा को लेकर एक गंभीर व यथार्थवादी स्टडी सामने आई है। इस अध्ययन के अनुसार, अगर वर्तमान गति से ही काम चलता रहा तो नवीकरणीय ऊर्जा वर्ष 2050 तक भी जीवाश्म ईंधनों (कोयला, तेल और गैस) को पीछे नहीं छोड़ पाएगी। हालांकि, शोधकर्ताओं का मानना है कि बहुत तेज और आक्रामक प्रयासों की स्थिति में यह लक्ष्य 2040 के दशक के अंत तक हासिल हो सकता है।

इस अध्ययन के मुताबिक वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तुरंत बड़े पैमाने पर निवेश बढ़ाने की जरूरत है। खासकर नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को कम से कम दोगुना करना होगा।

इसके साथ ही बिजली ग्रिड और ऊर्जा भंडारण (स्टोरेज) पर खर्च लगभग 73 प्रतिशत तक बढ़ाना जरूरी है। आईआईटी मद्रास का यह शोध एक प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसमें वैज्ञानिकों ने पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के आधार पर यह विश्लेषण किया है।

शोध में यह स्वीकार किया गया है कि वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में प्रगति तो हुई है, लेकिन यह प्रगति अभी भी आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त नहीं है। आईआईटी के शोधकर्ताओं का स्पष्ट कहना है कि तकनीक उपलब्ध है, लेकिन दुनियाभर में अभी भी उस गति और स्तर पर निवेश नहीं हो रहा है, जितनी आवश्यकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्यों और उसके लिए की जा रही वास्तविक कार्रवाई के बीच का अंतर अभी भी काफी बड़ा है। शोधकर्ताओं के मुताबिक वर्तमान वृद्धि दर लगभग 5.48 फीसदी प्रति वर्ष है। इसके अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा 50 को प्रतिशत हिस्सेदारी तक पहुंचने में 2047 से 2053 तक का समय लगेगा।

वहीं अगर यह वृद्धि दर दोगुनी यानी लगभग 10.96 प्रतिशत हो जाए तो ऐसे में यह लक्ष्य 2035 से 2037 के बीच हासिल किया जा सकता है। हालांकि सबसे धीमे परिदृश्य में यह लक्ष्य 2074 तक भी नहीं मिल पाएगा, या सदी के अंत तक भी संभव नहीं होगा।

रिसर्च बताती है कि पिछले एक दशक में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 128 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 3869.7 गीगावाट तक पहुंच गई है।

# भारत-स्वीडन एफओसी: नवाचार, सुरक्षा और निवेश पर जोर, 8वें दौर में बनी व्यापक सहमति

**नई दिल्ली ।** भारत और स्वीडन ने गुरुवार को नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) का आठवां दौर आयोजित किया। दोनों देशों ने इस बैठक में राजनीतिक जुड़ाव, व्यापार व निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, नवाचार, स्थिरता और लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए सहयोग बढ़ाने पर पूरी सहमति जताई।

दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और स्वीडन के विदेश मामलों के राज्य सचिव डैग हार्टेलियस ने बैठक की सह-अध्यक्षता की।

एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में कहा, 'आज नई दिल्ली में 8वीं भारत-स्वीडन विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) बैठक हुई। सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने विदेश मामलों के राज्य सचिव डैग हार्टेलियस के साथ एफओसी की सह-अध्यक्षता की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और राजनीतिक जुड़ाव, व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवाचार, स्थिरता और पीपल-टू-पीपल कनेक्ट के क्षेत्रों में इसे और मजबूत करने पर सहमति जताई।

विदेश विभाग के अनुसार, 'उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाल ही में संपन्न भारत-ईयू एफटीए आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों में एक नया अध्याय है और यह भारत-स्वीडन व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी संबंधों को गहरा करने में मदद करेगा। दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। बुधवार को, विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में हार्टेलियस से मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग तथा भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की।

एक्स पोस्ट में, जयशंकर ने लिखा, 'विदेश मामलों के स्वीडिश राज्य सचिव डैग हार्टेलियस से मिलकर अच्छा लगा। हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के बारे में बात की।

फरवरी में, स्वीडन की उप प्रधानमंत्री एब्बा बुश नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल होने के लिए भारत आई थीं। भारत यात्रा के दौरान, बुश ने 18 फरवरी को केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की थी।

## भारत-भूटान के बीच बिजली व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अहम समझौते

**नई दिल्ली।** इंडिया और भूटान ने द्विपक्षीय बिजली व्यापार को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, ये समझौते पुनात्सांगछू-II जलविद्युत परियोजना के टैरिफ प्रोटोकॉल और रिएक्टिव पावर एक्सचेंज के लिए रिएक्टिव एनर्जी अकाउंटिंग की कार्यप्रणाली से जुड़े हैं। ये समझौते भारत के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री जेम शेरिंग के बीच थिम्फू में हुई बैठक के दौरान साइन किए गए।

1020 मेगावाट की पुनात्सांगछू-II जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने 11 नवंबर 2025 को संयुक्त रूप से किया था। इस परियोजना से 19 सितंबर 2025 से भारत को अतिरिक्त बिजली निर्यात की जा रही है। टैरिफ प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर से दोनों देशों के बीच जलविद्युत सहयोग को और मजबूती मिलेगी। दूसरा समझौता रिएक्टिव पावर एक्सचेंज के लिए तकनीकी ढांचा तैयार करता है, जिससे ग्रिड की स्थिरता बढ़ेगी, बिजली आदान-प्रदान की दक्षता सुधरेगी और सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाया जा सकेगा। चार दिवसीय भूटान दौरे पर पहुंचे मनोहर लाल खट्टर ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से भी मुलाकात की।

## एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप: 4 गोल्ड मेडल के साथ पहले स्थान पर रही भारतीय महिला टीम

**उलानबटार ।** भारतीय महिला टीम ने एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने कुल 10 मेडल जीतकर मेडल चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। इस प्रदर्शन से टीम ने महाद्वीपीय स्तर पर अपनी बादशाहत साबित कर दी है।

हेड कोच सैंटियागो नीवा की देखरेख में महिला टीम की हर सदस्य मेडल लेकर घर लौटी, जिससे महाद्वीपीय प्रतियोगिता में उनकी धाक जम गई। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट अजय सिंह की मौजूदगी में मीनाक्षी (48 किलोग्राम) ने दिन की शुरुआत की।

उन्होंने मंगोलिया की नोमुंडारी एनख-अमगालन को 5-0 से हराकर दिन का पहला गोल्ड मेडल जीता।

प्रीति (54 किलोग्राम) ने भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। प्रीति ने तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो 2020 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट चीनी ताइपे की हुआंग शियाओ-वेन को सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

प्रिया (60 किलोग्राम) ने फाइनल में उत्तर कोरिया की वॉन उन-ग्योंग को 3-0 से हराकर भारत के गोल्ड मेडल की संख्या में इजाफा किया। अरुंधति (70 किलोग्राम) ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। उन्होंने कजाकिस्तान की बकित सेइडिश को 4-1 से हराकर अपनी कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता। भारत ने अपने मेडल की संख्या में दो सिल्वर मेडल और जोड़े। जैस्मीन (57 किलोग्राम) एक शानदार अभियान के बाद रनरअप रहीं, जबकि अल्फिया पठान (80+ किलोग्राम) ने भी अपने फाइनल मुकाबले में मिली हार के बाद सिल्वर मेडल हासिल किया। इस संस्करण में किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा 16 मेडल पक्के करने के बाद भारत शुक्रवार को टूर्नामेंट का शानदार समापन करने की उम्मीद करेगा। भारत के दो पुरुष बॉक्सर शुक्रवार को अपना फाइनल मुकाबला खेलने उतरेंगे।

मंगलवार को विश्वनाथ सुरेश (50 किलोग्राम) ने पुरुषों के वर्ग में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने सेमीफाइनल में जॉर्डन के हुथैफा एशिश को सर्वसम्मत 5-0 के स्कोर से हराया था।

वहीं, सचिन (60 किलोग्राम) अपने सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के सकदा रुआमथम के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत हासिल करते हुए फाइनल का टिकट कटाया है। उज्बेकिस्तान के जावोखिर अब्दुरखिमोव से 1-4 से हारकर आकाश टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुके हैं। वहीं, लोकेश और नरेंद्र का भी सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो चुका है।

# पाकिस्तान में तेल कंपनियों का संकट नहीं हो रहा खत्म, सरकार ने रोक रखी है राशि

**नई दिल्ली ।** अमेरिका और ईरान के बीच एक महीने से ज्यादा समय तक जारी रहे संघर्ष का असर क्रूड ऑयल की सप्लाई पर पड़ा। इस बीच पाकिस्तान की मीडिया के अनुसार, देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां गंभीर नकदी संकट का सामना कर रही हैं। करीब 107 अरब रुपए तक के प्राइस डिफरेंस क्लेम अब भी लंबित हैं। इसकी वजह से कंपनियों पर वित्तीय दबाव बढ़ता जा रहा है।

उद्योग से जुड़े लोगों ने ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी पर आरोप लगाया है कि वह बकाया भुगतान करने के बजाय बार-बार दस्तावेज की आवश्यकताओं में बदलाव कर रही है, जिससे भुगतान प्रक्रिया और अधिक उलझती जा रही है। इंडस्ट्री के अनुमान बताते हैं कि मार्च के बीच में फाइल किया गया लगभग 27 बिलियन रुपए का पहला क्लेम सिर्फ थोड़ा ही सेटल हुआ था, जबकि 70-80 बिलियन रुपए के बाद के क्लेम अभी भी पूरी तरह से बिना पेमेंट के हैं। कराची के एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, कुल मिलाकर इस नुकसान की वजह से कंपनियां बहुत कम मार्जिन पर काम कर रही हैं और कैश फ्लो बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

अधिकारियों का कहना है कि असली समस्या पारदर्शिता की नहीं, बल्कि अनिश्चितता की है। उनका आरोप है कि हर बार जब ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) नियमों का पालन करने की कोशिश करती हैं, तो अथॉरिटी नई दस्तावेजी मांगें सामने रख देती है।

मांगों में इनवॉइस-स्तर पर मिलान से लेकर बार-बार सीईओ, सीएफओ और ऑडिटर सर्टिफिकेशन तक शामिल हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया बार-बार शुरू से करनी पड़ती है। सोमवार रात तक एक नया संशोधित फॉर्मेट भी जारी किया गया, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं था कि आगे बदलाव किए जाएंगे या नहीं, जिससे अनिश्चितता बनी हुई है।

इंडस्ट्री के एक सीनियर सोर्स ने कहा, 'हर बार जब इंडस्ट्री पालन करने की तैयारी करती है, तो एक नई जरूरत आ जाती है। कोई फिनिशिंग लाइन नजर नहीं आती है। अगर रेगुलेटरी अथॉरिटी फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के साथ टैक्स रिकंसिलिएशन तक पेमेंट का 10 फीसदी रोकने के प्रस्ताव पर आगे बढ़ती है, तो हालात और खराब हो सकते हैं। इस कदम से 7.4 बिलियन रुपए और दो महीने तक अटक सकते हैं। प्राइस डिफरेंशियल क्लेम उस स्थिति में पैदा होते हैं, जब सरकार ईंधन की कीमतें उसकी खरीद लागत से कम तय कर देती है। ऐसे में इस अंतर की भरपाई कंपनियों को की जानी होती है। भुगतान में देरी होने पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को इस अंतर को पूरा करने के लिए उधार लेना पड़ता है।

# जम्मू-कश्मीर में 100 दिन के एंटी-ड्रग अभियान की तैयारियों की समीक्षा

**जम्मू ।** जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत 100 दिन के विशेष एंटी-ड्रग अभियान की तैयारियों की समीक्षा की।

अधिकारियों के अनुसार, उपराज्यपाल ने इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें अभियान की रूपरेखा और तैयारियों का जायजा लिया गया। इस अभियान का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश से नशे की समस्या को खत्म करना है, जिसके तहत बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

उपराज्यपाल 11 अप्रैल को जम्मू के एमए स्टेडियम से एक विशाल 'पदयात्रा' को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद मई के पहले सप्ताह में श्रीनगर में भी इसी तरह का बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए छात्रों और युवाओं, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट्स एवं गाइड्स, स्वयंसेवी संगठनों, सिविल सोसायटी, राजनीतिक दलों और आम जनता की अधिकतम भागीदारी पर जोर दिया।

मनोज सिन्हा ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर में नशे का प्रसार एक बड़े अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र का हिस्सा है, जिसका मकसद युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाना है। इस खतरे से लड़ने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा।

उन्होंने नशा तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार और सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा, 'निर्दोष को छूना नहीं और दोषियों को छोड़ना नहीं हमारी नीति है। नशे के असली पीड़ितों की पहचान कर उनके पुनर्वास के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए।

बैठक में 'नशा मुक्त अभियान' के तहत विभागवार गतिविधियों के कैलेंडर और योजनाओं पर भी चर्चा हुई। प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यूटी और डिविजन स्तर पर समितियों का गठन पहले ही किया जा चुका है।

## नोएडा में फर्जी कॉल सेंटर का भांडाफोड़, 16 साइबर ठग गिरफ्तार

**नोएडा ।** गौतमबुद्धनगर पुलिस को साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने सेक्टर-16 नोएडा में संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह इंटरनेट पर पेड विज्ञापन चलाकर विदेशी नागरिकों को अपने जाल में फंसाता था और उन्हें हैकिंग व डेटा चोरी का डर दिखाकर ठगी करता था।

पुलिस के अनुसार, 9 अप्रैल 2026 को लोकल इंटेलिजेंस और तकनीकी जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की गई। आरोपियों के पास से 4 लैपटॉप, 15 डेस्कटॉप, 15 मॉनिटर, 16 मोबाइल फोन, 16 माइक-हेडफोन, 2 राउटर और 1 मॉडम बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से संगठित तरीके से साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा था।

पूछताछ में पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर पेड विज्ञापन चलाते थे, जिनमें टोल-फ्री नंबर दिए जाते थे। इन विज्ञापनों को देखकर विदेशी नागरिक जब कॉल करते थे, तो कॉल सीधे उनके सिस्टम में इंस्टॉल कॉलिंग सॉफ्टवेयर पर पहुंचती थी। इसके बाद आरोपी खुद को टेक्निकल सपोर्ट एजेंट बताकर पीड़ितों को यह विश्वास दिलाते थे कि उनका कंप्यूटर हैक हो गया है। इसके बाद आरोपी

## संपादकीय

# युद्ध के मुहाने से लौटी दुनिया

**महेन्द्र तिवारी**

*दुनिया कभी-कभी ऐसे मोड़ों पर आ खड़ी होती है, जहाँ एक निर्णय पूरी सभ्यता के भविष्य को बदल सकता है। हाल के घटनाक्रम में यही स्थिति तब बनी जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया। वातावरण इतना तनावपूर्ण था कि किसी भी क्षण युद्ध का विस्तार एक बड़े विनाश में बदल सकता था। अमेरिका की सेना और उसके रक्षा तंत्र पूरी तरह तैयार थे और संकेत का इंतजार कर रहे थे कि कब हमला शुरू किया जाए। दूसरी ओर ईरान भी अपनी रक्षा और जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार बैठा था। यह केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया था, बल्कि पूरे क्षेत्र और विश्व व्यवस्था के लिए एक गंभीर संकट बन चुका था। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए बड़े पैमाने पर हमले की चेतावनी दे दी थी। यदि यह हमला होता, तो ईरान के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँच सकता था। इसके परिणामस्वरूप ईरान की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया आती, जो पूरे मध्यपूर्व को युद्ध की आग में झोंक सकती थी। इस पूरे घटनाक्रम में आम लोगों की स्थिति सबसे अधिक भयावह थी। ईरान के भीतर लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की तलाश में निकलने लगे थे, जबकि खाड़ी क्षेत्र के देश भी संभावित हमलों से बचने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच कूटनीतिक प्रयास भी तेजी से चल रहे थे। कई देशों ने इस संकट को टालने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य था कि किसी तरह दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी रहे और युद्ध टल सके। ईरान की ओर से एक प्रस्ताव सामने आया, जिसमें कई शर्तें रखी गई थीं। शुरू में इस प्रस्ताव को स्वीकार्य नहीं माना गया, लेकिन बातचीत की प्रक्रिया जारी रही। धीरे-धीरे यह स्पष्ट होने लगा कि दोनों पक्ष युद्ध से बचना चाहते हैं, भले ही सार्वजनिक रूप से वे कठोर रुख अपनाए हुए हों। इस पूरे घटनाक्रम की सबसे दिलचस्प बात यह रही कि निर्णय लेने की प्रक्रिया बेहद अनिश्चित और उलझी हुई थी। अमेरिका के भीतर भी यह स्पष्ट नहीं था कि अंतिम निर्णय क्या होगा। स्वयं उसके नेतृत्व के करीबी लोगों को भी यह अंदाजा नहीं था कि अगला कदम क्या होगा। एक ओर कठोर बयान दिए जा रहे थे, तो दूसरी ओर बातचीत के रास्ते खुले रखे जा रहे थे। यह द्वंद्व इस बात को दर्शाता है कि आधुनिक राजनीति में शक्ति और कूटनीति दोनों साथ-साथ चलते हैं। ईरान के भीतर भी निर्णय लेने की प्रक्रिया जटिल थी। वहाँ की सत्ता संरचना में अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व के हाथ में होता है। इस कारण अंतिम सहमति मिलने में समय लगा। लेकिन जब अंततः समझौते की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत मिला, तो बातचीत ने तेजी पकड़ ली। बताया जाता है कि यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि इसमें सैन्य नेतृत्व और अन्य शक्तिशाली संस्थाओं को भी सहमत करना पड़ा। इसके बावजूद यह कदम उठाया गया, जो इस बात का संकेत है कि युद्ध की कीमत दोनों पक्ष समझ रहे थे। अंततः जो समझौता सामने आया, वह स्थायी शांति नहीं बल्कि अस्थायी विराम था। दोनों पक्षों ने कुछ समय के लिए संघर्ष रोकने पर सहमति जताई। इस समझौते के तहत समुद्री मार्ग को फिर से खोलने और आगे की बातचीत जारी रखने का रास्ता बनाया गया। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इस मार्ग से विश्व का बड़ा हिस्सा तेल आपूर्ति पर निर्भर करता है। यदि यह बंद रहता, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ता। हालाँकि यह समझौता होने के बाद भी स्थिति पूरी तरह शांत नहीं हुई। कई जगहों पर संघर्ष जारी रहने की खबरें सामने आईं और इस बात को लेकर भी मतभेद रहे कि समझौते की शर्तें क्या हैं और उनका पालन कैसे किया जाएगा। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल एक अस्थायी राहत है, न कि स्थायी समाधान। दोनों पक्षों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर अभी भी गहरे मतभेद हैं, जैसे परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध और क्षेत्रीय प्रभाव। इस पूरे घटनाक्रम से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि कूटनीति से भी लड़े जाते हैं। कई बार पर्दे के पीछे होने वाली बातचीत ही युद्ध को टाल देती है। इस मामले में भी अंतिम क्षणों में हुई बातचीत ने एक बड़े विनाश को रोक दिया। यदि यह बातचीत विफल हो जाती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस संकट में कई देशों ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह दर्शाता है कि आज की दुनिया में कोई भी बड़ा संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव वैश्विक होता है और उसे सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक होता है। इसी सहयोग ने इस बार भी युद्ध को टालने में मदद की। फिर भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह शांति स्थायी होगी। इतिहास बताता है कि अस्थायी समझौते अक्सर स्थायी समाधान में बदलने में सफल नहीं होते। जब तक मूल कारणों का समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष की संभावना बनी रहती है। इस मामले में भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान अभी बाकी है। यदि इन पर सहमति नहीं बनती, तो भविष्य में फिर से तनाव बढ़ सकता है। अंत में यह कहा जा सकता है कि यह घटना केवल एक राजनीतिक या सैन्य घटनाक्रम नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए एक चेतावनी भी है। यह दिखाती है कि दुनिया कितनी तेजी से विनाश के करीब पहुँच सकती है और किस तरह अंतिम क्षणों में लिया गया एक निर्णय सब कुछ बदल सकता है। यह भी स्पष्ट होता है कि शांति केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवाद और समझ से संभव है।इस पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी गंभीर क्यों न हों, यदि बातचीत के रास्ते खुले रहें तो विनाश को टाला जा सकता है।*

# जिसने युद्ध की ज्वाला देखी नहीं, वही युद्ध के बारे में सोच सकता है

**वीरेंद्र बहादुर सिंह**

1867 में जर्मनी के बर्लिन शहर में ओटो वॉन बिस्मार्क ने एक भाषण में कहा था, 'जिसने युद्धभूमि में मरते हुए सैनिकों की आंखों में झांका होगा, वह युद्ध शुरू करने से पहले बहुत सोचेगा।'

और सचमुच, एक समय था जब घोड़े पर चारों ओर तलवार चलाते या जोश में भाला फेंकते हुए युद्धवीरों का महिमामंडन होता था। विश्वविजेता सिकंदर हो या स्वीडन के राजा गुस्ताव, ऐसी तस्वीरें हम देखते हैं, जिनमें वे घोड़े पर सवार होकर हथियारों के साथ रणभूमि में तेजी से धावा बोलते हैं। इसके बाद मनुष्य को मानवता को नष्ट करने वाला महान हथियार बंदूक मिली, और उसके परिणामस्वरूप निहत्थे लोगों पर बंदूक के बल पर श्वेत लोगों ने अश्वेतों पर गुलामी का कोड़ा चलाया।

एडॉल्फ हिटलर ने साठ लाख यहूदियों को गैस चैंबर में घोंटकर मार डाला। आज वही यहूदियों का देश इजराइल गाज़ा पट्टी पर विनाश फैला रहा है। फिर युद्ध के हथियार बदले और हिरोशिमा तथा नागासाकी पर हुई बमबारी ने मानवजाति को हिला कर रख दिया। वहां एक शिलालेख रखा गया कि 'मानवजाति फिर कभी ऐसी मूर्खता नहीं करेगी।' लेकिन मानव समाज के कुछ समूह अपने स्वार्थ के लिए बारबार ऐसी मूर्खता करते रहे हैं और आज तो ड्रोन, बम और मिसाइलों के द्वारा चारों ओर विनाश हो रहा है।

एक समय ऐसे युद्ध के दृश्यों में राजा या सेनापति के शौर्य को दर्शाने वाली छवि प्रकट होती थी। कभी रणभूमि में आमने-सामने लड़ते सैनिकों के दृश्य चित्रों में दिखाई देते थे। एक युग में महाभारत हो या फिर होमर, वर्जिल और शेक्सपीयर की रचनाएं, उनमें युद्ध के वर्णनों में समर्थ राजाओं या असाधारण सेनापतियों की वीरता की बातें सुनने को मिलती थीं, और रचनाकारों ने भी युद्धों का मनोहारी वर्णन करते हुए काव्य, नाटक या महाकाव्य की रचना की।

हिंदी साहित्यकार जयशंकर प्रसाद ने 'स्कंदगुप्त' में युद्ध का महिमामंडन करते हुए कहा है, 'क्या युद्ध एक गान नहीं है? रुद्र का शंखनाद, भैरवी का तांडव नृत्य, शस्त्रों के वाद्यों के साथ मिलकर भैरवी संगीत की सृष्टि होती है। जीवन के अंतिम दृश्य को जानते हुए भी उसे अपनी आंखों से देखना, जीवन के रहस्य के चरम सौंदर्य की नग्न और भयानक वास्तविकता का अनुभव केवल सच्चे वीर हृदय को होता है। विनाशकारी महामाया प्रकृति का यह निरंतर संगीत है, इसे सुनने के लिए हृदय में साहस और बल एकत्र करो। अत्याचार के श्मशान में ही मंगल, शिव का सत्य सुंदर संगीत का आयोजन होता है। 'युद्ध का ऐसा वर्णन एक ओर रख दें और दूसरी ओर उसकी वास्तविकता पर विचार करें, तो समझ में आता है कि युद्ध एक बर्बरता है। दुनिया में जिस चीज को स्थापित करने में सौ वर्षों से अधिक समय लगता है, उसे नष्ट करने के लिए युद्ध को केवल कुछ सप्ताह ही चाहिए। हमारे महाकाव्यों में युद्ध का वर्णन मिलता है, लेकिन सच्चाई यह है कि जिसने युद्ध की ज्वाला देखी नहीं, वही उसे दिव्य कह सकता है।

युद्ध की इस आग में राजाओं और सेनापतियों के साथ-साथ सैनिकों का भी विनाश होता है। यहां वीर सेनापतियों की पराक्रम गाथाएं वर्णित होती थीं, लेकिन जब सैनिकों की बात आती थी, तो केवल लाशों का ढेर कहकर उनका उल्लेख किया जाता था। मनुष्य जब किसी चीज को छीनने का प्रयास करता है, तब वह युद्ध का सहारा लेता है। किसी वस्तु की प्राप्ति की उसकी लालसा ही युद्ध का कारण बनती है।

ऐसे समय में शासक ऐसे वचन कहते हैं कि युद्ध में मरोगे तो स्वर्ग मिलेगा और जीतोगे तो पृथ्वी पर भोग और यश मिलेगा। इसलिए कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग, यश और भोग, तीनों मनुष्य की इच्छाओं के रूप हैं और इसलिए युद्ध करने वाले को इस अर्थ में कभी असफलता नहीं मिलती।

विश्व के इतिहास में युद्ध की घटनाओं के अनेक वर्णन मिलते हैं, लेकिन सबसे करुण वर्णन हमारे महाभारत में मिलता है। महाभारत का यह वर्णन पाठक को युद्धभूमि की पीड़ा, वेदना, करुणा, संहार, आघात और लाचारी का सजीव अनुभव कराता है। यदि मानवजाति को यह वर्णन समझ में आ जाए, तो शायद वह कभी युद्ध करने का विचार न करे। महाभारत में भीषण संहार के बाद कुछ भी शेष नहीं बचा था।

धर्म की रक्षा के नाम पर लड़े गए कुरुक्षेत्र में किसी भी पक्ष ने धर्म का पालन नहीं किया। स्नेह-संबंधों से जुड़े स्वजनों ने एक-दूसरे को क्रूर प्रहारों से मार डाला। अनेक स्त्रियों के माथे का सिंदूर मिट गया और अनेक को अपने प्रियजनों के कटे हुए अंगों को रक्तरंजित रणभूमि में ढूँढ़ने के लिए पागलों की तरह भटकना पड़ा।

युद्ध कौरव-पांडवों के बीच लड़ा गया, लेकिन उसका सबसे घातक प्रहार स्त्रियों पर पड़ा। बिना किसी दोष या इच्छा के उन्हें और उनके बच्चों को यह विनाश सहना पड़ा। गांधारी के हृदय में उठती इस पीड़ा को शांत करने के लिए महर्षि व्यास उन्हें दिव्य दृष्टि देते हैं, जिससे वह अतीत को वर्तमान की तरह देख सके। धर्मपरायण, सत्यनिष्ठ और तपस्विनी गांधारी उस दिव्य दृष्टि से कुरुक्षेत्र का दृश्य देखती हैं और कहती हैं, 'देखो, कमलनयन माधव, देखो।' और युद्धभूमि के हृदय विदारक दृश्य का वर्णन करती हैं। इस महाविनाश की स्थिति से स्पष्ट होता है कि मनुष्य जब पागल हो जाता है, तभी वह युद्ध को आमंत्रित करता है।

युद्ध का सबसे गहरा आघात स्त्री-हृदय पर पड़ता है, यहां उसका करुण क्रंदन दिखाई देता है। इस असीम पीड़ा को देखकर लगता है कि जब मानवता अपना विवेक खो देती है, तभी युद्ध जन्म लेता है।

यदि हम विश्व के धर्मग्रंथों को देखें, तो चीन के ताओ धर्म के प्रवर्तक लाओत्से ने 'दाओ दे जिंग' नामक ग्रंथ में कहा है कि, 'शस्त्र अपशकुन हैं, वे विनाश लाते हैं। उनका उपयोग करने वाले को उसका प्रतिफल अवश्य भुगतना पड़ता है। जहां सेना डेरा डालती है, वहां कांटेदार झाड़ियां उगती हैं। बड़े युद्धों के बाद देश वर्षों तक अकाल से पीड़ित रहता है। सच्चा साधक विवशता में ही शस्त्र उठाता है और विजय से प्रसन्न नहीं होता। जो हत्या से प्रसन्न होता है, उसकी कोई कामना कभी पूरी नहीं होती।'

समय के साथ युद्ध की छवि बदली है। पहले चित्रों में राजा, सेनापति या देवता दिखते थे, लेकिन अब ध्यान सामान्य सैनिक पर गया है। आज का कलाकार सैनिक की आंखों में छिपी पीड़ा को खोजता है।

अब तो ध्यान और आगे बढ़कर आम इंसान की बदहाली पर टिक गया है। युद्ध की कीमत कौन चुकाता है, यह दिखाया जा रहा है। लाखों बच्चे शरणार्थी बनकर अभावों में जीते हैं। बीमारी, भूख और हिंसा से रोज़ जूझते हैं। उनकी आंखों में झांककर कोई भी युद्ध की क्रूर सच्चाई समझ सकता है।

दुनिया उस समय दहल उठी थी, जब समुद्र किनारे एक छोटे बच्चे एलन का शव मिला था। उसका परिवार जान बचाने के लिए समुद्र पार कर रहा था, लेकिन नाव पलट गई और उसकी मृत्यु हो गई। यह दृश्य युद्ध की भयावहता का प्रतीक बन गया।

सृजनकर्ताओं की संवेदना अब युद्धग्रस्त आम आदमी तक पहुंच रही है। आशा है कि युद्ध से स्वार्थ साधने वाले नेताओं के हृदय में भी इससे कुछ संवेदना जागे।

प्रसंगकथा

अमेरिका की उलटी गंगा: हे प्रभु जरा लिंकन का दिल दे

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने रास्ते में एक सूअर को कीचड़ में फंसा देखा। वह जितना बाहर निकलने की कोशिश करता, उतना ही धँसता जाता और दर्द से चिल्लाता। लिंकन से यह दृश्य देखा नहीं गया। वह तुरंत कीचड़ में कूद पड़े और उसे बाहर निकाल लिया। फिर उसी हालत में सभा में पहुंचे।

लोगों ने कारण पूछा, तो उन्होंने पूरी बात बताई।

# गैर पेंशनभोगियों के प्रति असंवेदनशीलता!

**गोवर्द्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू'**

गैर-पेंशनभोगी वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, और उनके जीवनयापन की कठिनाइयाँ भी बढ़ती जा रही हैं। इनके लिए आवास का किराया, दैनिक खर्च और बचत पर निर्भरता आर्थिक बोझ बन चुकी है। सरकार द्वारा 12 लाख तक की आय पर कर छूट दी गई है, लेकिन इसका लाभ इन्हें नहीं मिल रहा। इस कारण ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि यदि ये अपनी बचत में से कुछ बेचते हैं तो बचत की छीजत के साथ उस पर होने वाले लाभ पर कर देना पड़ता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और दयनीय हो रही है। इनमें से अधिकतर न तो राजनेताओं तक अपनी बात पहुँचा सकते हैं, न ही प्रदर्शन कर सकते हैं। सरकार से यही आग्रह रहेगा कि वह इन वरिष्ठ कर्मठ नागरिकों की समस्या को समझे और उनके लिए कर राहत की व्यवस्था करे।

हम वरिष्ठों को तीन श्रेणी है - पहली श्रेणी में वो वरिष्ठ आते हैं जिन्हें अच्छी-खासी पेन्शन मिलती है . दूसरी श्रेणी में वे वरिष्ठ हैं जिन्हें नाममात्र की पेन्शन मिलती है जबकि तीसरी श्रेणी में वे वरिष्ठ हैं जिन्हें पेन्शन नहीं मिलती। और इन तीसरी श्रेणी वालों की तादाद दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

हम गैर-पेन्शनभोगी लोग जब मिलते हैं तब विशेषकर दूसरी व तीसरी श्रेणी वालों के ललाट पर, बात व्यवहार में चिन्ता स्पष्ट झलकती है। उसका मुख्य कारण है आज तक हर बार बजट में इन श्रेणी वाले वरिष्ठों के प्रति सरकार का उपेक्षित व्यवहार।

गत बार की तरह इसबार भी बजट में सरकार ने बारह लाख आय पर टैक्स छूट की जो सीमा तय की है उसमें ये दूसरी व तीसरी श्रेणी वाले नहीं आते। इनकी यदि आय टोटल बारह लाख है तो उसमें जो अल्पावधि हो या दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ होगा तो वे कर मुक्त नहीं माने जायेंगे ।जबकि इनको तो अपने बचत में से घर चलाने के लिये शेयर या म्युचुअल फण्ड़ वगैरह में से कुछ न कुछ बेचना पड़ता ही है और हर बार की तरह इस बार भी बजट अनुसार उस पर होने वाली आय पर टैक्स चुकाना पड़ेगा। इस तरह इन श्रेणी वालों को दोहरी मार से काफी नुकसान हो चुका है और ऐसे ही चलता रहा तो प्रभु जानें आगे क्या होगा।

दूसरी व तीसरी श्रेणी वालों को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। इस श्रेणी में बहुतायत को रहने के लिये फ्लैट का भाड़ा चुकाने के अलावा जीविका चलाने के लिये बचत में से जुगाड़ करना पड़ता है। और जैसा आप सभी जानते ही हैं इसलिये महँगाई के बारे में कुछ भी जताने की आवश्यकता नहीं है। इससे स्पष्ट है कि इन श्रेणी वाले वरिष्ठों की बचत में जो छीजत होती रहती है वह आत्मा को चुभती है, जिससे दिन-प्रतिदिन इनकी चिन्ता में इजाफा ही होता है।

आवश्यकता इस बात की है कि सरकार इन दूसरी व तीसरी श्रेणी वालों का दर्द व समस्या को समझें। इन्हें भी सभी स्तोत्रों से प्राप्त बारह लाख आय पर टैक्स छूट राहत प्रदान करे। ध्यान रखें ये दूसरी व तीसरी श्रेणी वाले सब तरह से अशक्त हैं। इनकी पहुँच भी बड़े-बड़े राजनेताओं तक नहीं है। इसके अलावा अपनी माँगों के लिये ये सड़क पर भी नहीं उतर सकते क्योंकि इनमें न तो ताकत है और न ही इनके पास साधन। इनमें से अधिकांश तो सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर दूसरों को परेशानी में डालने को उचित भी नहीं मानते क्योंकि जनता का तो कोई दोष है ही नहीं तो फिर जनता को परेशान क्यों किया जाय। दूसरी व तीसरी श्रेणी वाले तो सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिये पत्र लिखा जाना चाहिए । लेकिन ध्यान रखें हम आर्थिक युग में रह रहे हैं, अतः बहुत कम अखबार वाले वरिष्ठों की आवाज को जगह देते हैं।

हम सभी का मानना है की व्यवस्था से लड़ने की बजाय सुधार के लिये जितना प्रयत्नशील हो सकें, प्रयत्न करते रहें। सात वर्ष की उम्र से पिताजी ने व्यवहारिक पढ़ाई रोजाना बैंक ले जाकर शुरू करायी जो आज तक चालू है अर्थात आज भी अपने अनुभव वृद्धि करने की चेष्टा चल रही है।

## बोध कथा

# शांति-धीरज महत्वपूर्ण

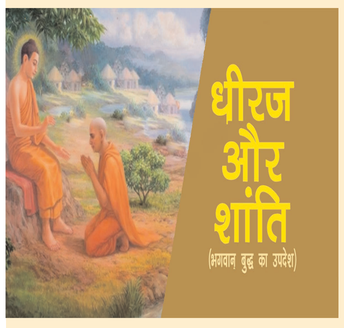


*नए विचारों का जन्म प्रकृति के बीच एकांत और शांति के द्वारा ही संभव है, कुछ पल एकांत में रहे। एक बार महात्मा बुद्ध अपने शिष्य आनंद के साथ कहीं जा रहे थे। राह में काफी चलने के बाद दोपहर में एक वृक्ष तले विश्राम को रुक गए और उन्हें प्यास लगी। आनंद पास स्थित पहाड़ी झरने पर पानी लेने गया लेकिन झरने में अभी-अभी कुछ पशु दौड़ कर निकले थे। जिससे उसका पानी गंदा हो गया। पशुओं की भागदौड़ से झरने में कीचड़ ही कीचड़ और सड़े पत्ते बाहर उभर कर आ गए थे। गंदा पानी होने के कारण आनंद पानी बिना पीए ही लौट आए। उसने महात्मा से कहा कि झरने का पानी निर्मल नहीं है। मैं पीछे लौटकर नदी से पानी ले आता हूं , लेकिन नदी बहुत दूर थी तो बुद्ध ने उसे झरने का पानी ही लाने को वापस लौटा दिया। आनंद थोड़ी देर में फिर खाली लौट आया। पानी अब भी गंदा था। पर बुद्ध ने उसे इस बार भी वापस लौटा दिया। कुछ देर बाद जब तीसरी बार आनंद झरने के पास पहुंचा तो देखकर चकित हो गया। झरना अब बिल्कुल निर्मल और शांत हो गया था। कीचड़ बैठ गया था और जल बिल्कुल निर्मल हो गया था। महात्मा बुद्ध ने उसे समझाया कि यही स्थिति हमारे मन की भी है। जीवन की दौड़ - भाग मन को भी छिन्न कर देती है। मथ देती है पर कोई यदि शांति और धीरज से उसे बैठा देखता रहे तो कीचड़ अपने आप नीचे बैठ जाता है और सहज निर्मलता का आगमन हो जाता है। हमें अपनी जिंदगी में भागदौड़ के बीच रोजाना कुछ पल अपने लिए भी निकालना चाहिए। इन पलों में शांति से एकांत में बैठकर अपनी समीक्षा करना चाहिए। विचारों की गति देखना चाहिए कि क्या मैं सही दिशा में जा रहा हूं। क्यों जीवन में बिना लक्ष्य के ही हम भागे चले जा रहे हैं। जीवन को समझना है तो एकांत और शांति में जाना होगा।*

## तीर तेवर

सागर कुमार

## व्यंग्य केसरी

# मिलना विमोचनप्रिय जी से

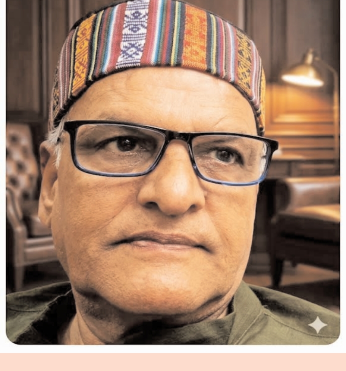

**गिरीश पंकज**

उस दिन विमोचनप्रिय जी रास्ते में मिल गए। मुझे देख कर बेशर्म के फूल की तरह खिल गए । कहने लगे ' 'कल मेरी किताब का विमोचन है ।आपको आना है''। मैंने पूछा, ' 'पिछले ही महीने आपने किसी किताब का विमोचन करवाया था!'

वह मुस्कुराते हुए बोले, ' वह किताब नहीं थी । मेरी पांडुलिपि थी, जिसे बड़ी चालाकी के साथ किताब का रूप देखकर विमोचन करवा लिया था। और सौ प्रतियों का ऑर्डर भी एडवांस में झटक लिया था। किसी से कहिएगा नहीं, यह अंदर के बात है। अब नेताओं को क्या पता कि वह पाण्डुलिपि है या किताब।

वह अपनी चालाकी पर मगन होकर मुंडी हिला रहे थे। मैंने कहा, 'आपकी इस अद्भुत प्रतिभा को मैं नमन करता हूं । कल किस किताब का विमोचन है?

वे बोले, 'किताब का तो नहीं,कुछ कोरे पन्नों का विमोचन करवा रहा हूँ क्योंकि इन्हीं कोरे पन्नों पर मेरी किताब छपेगी।'

मैंने चौंकते हुए पूछा, 'कोरे कागज का विमोचन? यह तो अपने आप में अनोखा प्रयोग है !

उन्होंने बत्तीसी बाहर निकालते हुए कहा, ' जी, मैं हमेशा ऐसे ही अनोखे काम करता हूं, इसीलिए तो समाज और साहित्य में मेरी अपनी एक विशेष पहचान है। अब तक मैंने इतने विमोचन करवाए हैं कि मेरा नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी आ सकता है । मज़े की बात यह है कि मैंने किताबें कम लिखी, विमोचन ज्यादा करवाएं हैं। यह अपने आप में रिकॉर्ड है । मेरी तो इक्का-दुक्का किताबें हैं। किताब क्या, लोगों की रचनाओं का संकलन है। यह एक नई धंधेबाजी है, जिसमें मैं माहिर हो चुका हूँ। लेखकों से पैसे लो और उनकी रचनाओं का संकलन करके किताब तैयार कर लो। उसके बाद कभी मंत्री, कभी मुख्यमंत्री, कभी राज्यपाल , हर चौखट पर यहां मत्था टेक कर विमोचन करवाता रहता हूं। साधारणतः लोग मंत्रियों के यहां जाने से कतराते हैं, तो मैं उनका हौसला बढ़ाता हूँ। कुछ मंत्रियों से मेरी जबरदस्त सेटिंग है । वे बन्दे भी मेरी तरह विमोचनप्रिय हैं। सब ने मुझसे बोल कर रखा है कि तुम यहां आओ । विमोचन करवाओ। आने वाले अतिथियों का नाश्ता हमारी ओर से रहेगा। तो मंत्री के बंगले में विमोचन हो जाता है । उनके हाथों की खुजली भी दूर हो जाती है। सबको फोकट में जलपान करवा देता हूं और उधर लेखक से जलपान के पैसे झटक देता हूँ।'' इतना बोल कर वे मुस्कुराए और मुझे आँख मारी।

मैंने हाथ जोड़ते हुए कहा, 'धन्य हैं आप और आपका फंडा। आए दिन अखबारों में विमोचन के साथ आपकी तस्वीर दिखती रहती है। हर बार आप किसी-न-किसी वीआईपी के साथ नजर आते हैं । ऐसी अलौकिक प्रतिभा आपने कैसे विकसित कर ली?'

अपनी तारीफ सुनकर अपनी छाती को कुछ चौड़ी करते हुए बोले, 'मेरे गुरु चिरकुट लाल जी बहुत पहले इसी तरह का खेल किया करते थे। अब वे बेचारे बहुत बूढ़े हो गए हैं । कहीं आना-जाना नहीं करते, लेकिन मुझे उन्होंने चर्चा में बने रहने की यह ट्रिक बता दी है। आपको भी अपनी किसी किताब का विमोचन करवाना है, तो मुझे बता दीजिए । किसी मंत्री के बंगले पर जलपान के साथ भव्य विमोचन कार्यक्रम रखवा दूंगा।'

मैंने अब चेहरे को कुछ गंभीर बनाते हुए कहा, 'किसी मंत्री के बंगले पर जाकर उसके 'कर-कीच' (कर कमल का उल्टा) से विमोचन करवाने से अच्छा होगा, मैं लिखना ही छोड़ दूँ। इस जन्म में मुझसे ऐसे कर्म नहीं होंगे बंधु! यह सब आपको ही मुबारक ।'

मेरी बात को धुएं में उड़ाने वाले अंदाज में ग्रहण करते हुए वे बोले, 'तो फिर आप कल कोरे कागज के विमोचन समारोह में आ रहे है न!

मैंने हाथ जोड़ते हुए कहा, 'आप अभी निकलिए! कल की कल देखेंगे।

विमोचनप्रिय भुनभुनाते हुए आगे बढ़ गए।

# पांच सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का

**मुंबई ।** लगातार पांच सत्रों की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 931.25 अंक या 1.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,631.65 और निफ्टी 222.25 अंक या 0.93 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,775.10 पर था।

बाजार में गिरावट का नेतृत्व बैंकिंग स्टॉक्स ने किया। सूचकांकों में निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर था। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.41 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 1.27 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 1.19 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 0.75 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.56 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 1.25 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 1.13 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 0.82 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.71 प्रतिशत और निफ्टी फार्मा 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा गेनर्स थे। इंडिगो, एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक,आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.25 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 56,978.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.95 अंक या 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 16,566 पर बंद हुआ।

एसबीआई सिक्योरिटीज के टेक्निकल और डेरिवेटिव्स हेड सुदीप शाह ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार में सत्र के दौरान ऊपरी स्तरों से मुनाफावसूली देखने को मिली।

इसके कारण निफ्टी 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,775 पर बंद हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी के लिए 23,880 से लेकर 23,900 का जोन रुकावट का स्तर है। अगर निफ्टी इस स्तर से ऊपर निकलता है तो छोटी अवधि में 24,050 और फिर 24,200 के स्तर भी देखने को मिलते हैं। गिरावट की स्थिति में 23,630 और 23,600 सपोर्ट का काम करेंगे।

# भारत के ई-रिटेल सेक्टर का आकार करीब 65 अरब डॉलर हुआ, 2030 तक सालाना 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

**नई दिल्ली ।** भारत के ऑनलाइन रिटेल मार्केट का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी) 2025 में बढ़कर 65-66 अरब डॉलर पर पहुंच गया है और यह सालाना आधार पर करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 2030 तक 170-180 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

बेन एंड कंपनी और फ्लिपकार्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ई-रिटेल के जीएमवी में मूल्य के हिसाब से 2025 में 19-21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर आर्थिक परिस्थितियों और उपभोक्ता भावना के कारण पूरे वर्ष तेजी बनी रही।

2025 में निजी उपभोग में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण जीएसटी में कटौती, आयकर में राहत, मुद्रास्फीति में कमी और ब्याज दरों में गिरावट थी।

इस गति के चलते दूसरी छमाही में 22-24 प्रतिशत और 2026 की पहली तिमाही में अनुमानित 23-25 ??प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो उपभोग और विवेकाधीन खर्च में रिकवरी को दर्शाती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि क्विक-कॉमर्स (30 मिनट से कम समय में डिलीवरी) पिछले दो वर्षों में सालाना दोगुनी हो गई है, जो 2025 में 10-11 अरब डॉलर के जीएमवी तक पहुंच गया है और 2030 तक इसके 65-70 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

हालांकि, 2030 तक ई-रिटेल बाजार में पारंपरिक ई-रिटेल की हिस्सेदारी 60-65 प्रतिशत के साथ बनी रहेगी।

भारत एक महत्वपूर्ण वैश्विक उपभोग केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो अगले पांच वर्षों में होने वाले उपभोग में वृद्धि के प्रत्येक 8 डॉलर में से 1 डॉलर का योगदान देने के लिए तैयार है।विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र के तेजी से विस्तार और भौगोलिक पहुंच में वृद्धि के कारण पिछले पांच वर्षों में खरीदारों की संख्या दोगुनी से अधिक होकर 2025 तक 290-300 मिलियन हो गई है।

जेन जेड ने ई-रिटेल खरीदारों में 40-45 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व किया और 2025 में ई-रिटेल ऑर्डर में लगभग आधा योगदान दिया।

# मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने बनाया रिकॉर्ड, वित्त वर्ष 2026 में की 19,363 यूनिट्स की अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री

**नई दिल्ली।** जर्मनी की लग्जरी कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने गुरुवार को बताया कि उसने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 19,363 यूनिट्स की अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की है, जो पिछले वित्त वर्ष के 18,928 यूनिट्स के मुकाबले 2.29 प्रतिशत अधिक है। इस वृद्धि के पीछे टॉप-एंड और कोर लग्जरी सेगमेंट की मजबूत मांग रही।

कंपनी ने जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भी 7.45 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जिसमें 5,131 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 4,775 यूनिट्स बिके थे।

जर्मन लग्जरी कार निर्माता कंपनी ने कहा कि उसकी बेहतर प्रदर्शन की वजह मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो, नेटवर्क अपग्रेड और बेहतर ग्राहक अनुभव रहा।

कंपनी के उच्च श्रेणी के लग्जरी सेगमेंट में सबसे ज्यादा वृद्धि देखी गई, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 में 16 प्रतिशत और मार्च तिमाही में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसमें एस-क्लास, मर्सिडीज-मेबैक रेंज, ईक्यूएस एसयूवी और एएमजी जैसे मॉडल शामिल हैं।

खास बात यह है कि इस सेगमेंट का कंपनी की कुल बिक्री में 27 प्रतिशत योगदान रहा। इन मॉडलों के लिए फिलहाल 4 महीने से लेकर 1 साल तक का वेटिंग पीरियड चल रहा है, खासकर एएमजी जी 63 जैसे मॉडल के लिए। कंपनी का 'कोर' सेगमेंट, जिसमें सी-क्लास, ई-क्लास एलडब्ल्यूबी सेडान और जीएलसी व जीएलई एसयूवी शामिल हैं, ने भी बिक्री में अहम योगदान दिया।

लॉन्ग-व्हीलबेस ई-क्लास भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली लग्जरी कार बनी रही, और इसकी मांग लगातार मजबूत बनी हुई है।

हालांकि, एंट्री लग्जरी सेगमेंट में 18 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली, जिसका कारण कम कीमत वाले विकल्पों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाजार में मिलने वाले ऑफर्स रहे।

कंपनी ने कहा कि वह वॉल्यूम बढ़ाने की बजाय ब्रांड की लंबी अवधि की रणनीति के अनुसार फीचर-रिच प्रोडक्ट्स पर ध्यान दे रही है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है, और वित्त वर्ष 2025-26 में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों का टॉप-एंड लग्जरी सेगमेंट में 20 प्रतिशत योगदान रहा। 1.4 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 85 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसमें ईक्यूएस एसयूवी और ईक्यूएस मेबैक एसयूवी जैसे मॉडल शामिल हैं।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया 24 अप्रैल को सीएलए इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च करने जा रही है, जो देश में उसकी नई सॉफ्टवेयर-डिफाइंड गाड़ियों की शुरुआत होगी।

नेटवर्क विस्तार की बात करें तो कंपनी 2026 में 'गो टू कस्टमर' रणनीति के तहत 20 से ज्यादा नए लग्जरी आउटलेट खोलने की योजना बना रही है।

# मध्य पूर्व संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट

**मुंबई ।** पिछले दिन की जबरदस्त तेजी के बाद कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते गुरुवार को कमोडिटी बाजार में दबाव देखने को मिला और इस बीच मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने में 1,100 रुपए से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, वहीं चांदी में करीब 4,700 रुपए की गिरावट आई।

एमसीएक्स पर 5 जून की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र के 1,51,776 रुपए के बंद भाव से 1,129 रुपए की गिरावट के साथ 1,50,647 रुपए पर खुला। वहीं खबर लिखे जाने तक (सुबह 11.13 बजे के करीब) यह 416 रुपए यानी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,51,360 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया।

वहीं, 5 मई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र के 2,39,918 रुपए के बंद भाव से 4,068 रुपए गिरकर 2,35,850 रुपए पर खुली। खबर लिखे जाने तक यह 2,968 रुपए यानी 1.24 प्रतिशत गिरकर 2,36,950 रुपए पर कारोबार करती नजर आई।

इस बीच, ब्रेंट क्रूड वायदा में सुबह के समय 3.31 प्रतिशत की तेजी आई और यह 97.89 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। हालांकि खबर लिखे जाने तक यह 2.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 96.74 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड पिछले बंद भाव से 3 प्रतिशत बढ़कर 97.4 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

कमोडिटी बाजार में यह गिरावट ईरान द्वारा अमेरिका पर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाने के बाद आई है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी आने से सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का वायदा भाव (5 जून) 3,688 रुपए यानी 2.7 प्रतिशत उछलकर 1,54,934 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्राडे हाई तक पहुंच गया। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव (5 मई) 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर 2,46,376 रुपए प्रति किलो के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, एमसीएक्स गोल्ड ने हल्के गैप-डाउन के साथ शुरुआत की और फिलहाल 1,50,500-1,51,500 रुपए के दायरे में ट्रेड कर रहा है। निचले स्तरों पर खरीदारी में सुधार दिख रहा है, हालांकि तेजी की गति अभी धीमी है और इसकी पुष्टि जरूरी है।

अगर कीमत 1,52,000 के ऊपर टिकती है, तो तेजी दोबारा मजबूत हो सकती है और भाव 1,53,000-1,55,000 रुपए तक जा सकते हैं। वहीं, अगर 1,50,000 रुपए के नीचे मजबूत ब्रेक आता है, तो गिरावट बढ़कर 1,48,000-1,47,000 रुपए तक जा सकती है। फिलहाल रुख हल्का सकारात्मक है, लेकिन ट्रेंड मजबूत बने रहने के लिए अहम रेजिस्टेंस के ऊपर ब्रेकआउट जरूरी है।

# 1.1 अरब डॉलर वैल्यूएशन से डिस्ट्रेस सेल तक, जनिए कैसे ढहा शॉपक्लूज का साम्राज्य

**नई दिल्ली।** कभी देश की प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों में शुमार शॉपक्लूज का नाम अब उन कुछ चुनिंदा स्टार्टअप्स में शामिल है, जिनके वैल्यूएशन अर्श से फर्श पर आ गए हैं।

गुरुग्राम मुख्यालय वाली कंपनी शॉपक्लूज की 2016 में वैल्यूएशन करीब 1.1 अरब डॉलर के करीब थी, लेकिन कारोबारी चुनौतियों के चलते सिंगापुर की कंपनी क्यूओओ10 ने इसका 2019 में मात्र 70-100 मिलियन डॉलर में अधिग्रहण कर लिया, जो कि इसके पहले के वैल्यूएशन से 90 प्रतिशत कम था।

'ऑनलाइन चांदनी चौक' के रूप में स्थापित शॉपक्लूज ने टियर-II और टियर-III शहरों में कीमत के प्रति संवेदनशील उपभोक्ताओं को लक्षित करके शुरुआती सफलता हासिल की, जहां उसने ग्राहकों को बिना ब्रांड वाले और कम लागत के सामान उपलब्ध कराए गए।

इस रणनीति ने शॉपक्लूज को उस समय तेजी से विस्तार करने में मदद की, जब अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे बड़े प्रतिद्वंद्वी मुख्य रूप से महानगरों पर ध्यान केंद्रित कर रही थीं।हालांकि, शॉपक्लूज का यह मॉडल तब ध्वस्त हो गया है, जब दोनों दिग्गजों कंपनियों ने बेहतर लॉजिस्टिक्स, अधिक छूट और ग्राहकों के मजबूत विश्वास के साथ छोटे शहरों में आक्रामक रूप से विस्तार किया।

जैसे-जैसे प्रतिस्पर्धा तेज होती गई, शॉपक्लूज अपना मार्केट शेयर खोने लगा। साथ ही, इसके असंगठित विक्रेताओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जल्द ही गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो गईं। बाद में प्लेटफॉर्म की छवि नकली और निम्न-गुणवत्ता वाले उत्पादों की बन गई, जिसके कारण वापसी की दर बहुत अधिक (अनुमानित 30-40 प्रतिशत) हो गई और इससे उपभोक्ताओं का विश्वास कम हो गया। दूसरी तरफ प्रतिद्वंद्वी कंपनियों विश्वसनीयता और सेवा में भारी निवेश किया।

कंपनी की मुश्किलें आंतरिक उथल-पुथल से और बढ़ गईं। सह-संस्थापक संदीप अग्रवाल ने अमेरिका में इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों के बाद पद छोड़ दिया था, जिसके बाद राधिका अग्रवाल और संजय सेठी को कंपनी का नेतृत्व संभालना पड़ा।

# भारत हर वैश्विक संकट से और भी मजबूत होकर उभरा है: शक्तिकांत दास

**नई दिल्ली।** भारत ने वैश्विक संकटों के दौरान लगातार मजबूत लचीलापन (रेजिलिएंस) दिखाया है और सिर्फ उनसे उबरने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर बार खुद को और मजबूत बनाकर उभरा है। यह बात प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कही।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एआईएमए नेशनल लीडरशिप कॉन्क्लेव में बोलते हुए शक्तिकांत दास ने कहा कि कठिन समय में भारत की यात्रा यह दिखाती है कि देश चुनौतियों के बावजूद लगातार आगे बढ़ता रहा है।

उन्होंने कहा, 'हर संकट के दौरान देश ने सिर्फ मुश्किलों को झेला ही नहीं, बल्कि हर बार पहले से ज्यादा मजबूत बनकर बाहर निकला है। उन्होंने बताया कि इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता और तनाव से गुजर रही है, जहां भू-राजनीतिक तनाव, सप्लाई चेन में रुकावट और अलग-अलग क्षेत्रों में असमान विकास देखने को मिल रहा है।

दास ने कहा, 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में जोखिम फिलहाल नीचे की ओर ज्यादा झुके हुए हैं।' ऐसे माहौल में उन्होंने भारत के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि देश ने वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर्ज की, जबकि पिछले पांच वर्षों में औसत वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है।

उन्होंने कहा कि भारत की ताकत सिर्फ संकट झेलने में नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों में खुद को बदलने और बेहतर बनाने में है। दास के मुताबिक, मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता, लगातार नीति फैसले, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और मजबूत घरेलू मांग जैसे कारकों ने इस मजबूती को बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

महंगाई को नियंत्रित रखने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बढ़ती कीमतों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है।

उन्होंने कहा कि कम महंगाई से लोगों की खरीदने की क्षमता बढ़ती है और इससे पूरी अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलती है।

उन्होंने यह भी बताया कि संकट के दौरान भारत ने संतुलित नीतियां अपनाईं, जहां जरूरत पड़ने पर राजकोषीय और मौद्रिक कदम उठाए गए।

# टैक्स-फ्री निवेश से मोटी कमाई का मौका! पीपीएफ से लेकर ईएलएसएस तक ये स्कीम्स हो सकती हैं बेहतरीन विकल्प

**नई दिल्ली ।** अगर आप भी निवेश के ऐसे विकल्प ढूंढ रहे हैं, जहां रिटर्न पर किसी भी तरह का टैक्स न देना पड़े, तो देश में कुछ ऐसे खास स्कीम्स मौजूद हैं, जिनमें निवेश करके आप बिना टैक्स के मोटा पैसा बना सकते हैं। आमतौर पर इक्विटी, गोल्ड, प्रॉपर्टी या अन्य निवेश साधनों पर मैच्योरिटी के समय टैक्स देना पड़ता है, लेकिन कुछ ऐसे विकल्प भी हैं जो ईईई (एक्जेम्प्ट-एक्जेम्प्ट-एक्जेम्प्ट) कैटेगरी में आते हैं। यानी निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी - तीनों ही स्तर पर टैक्स से पूरी छूट मिलती है।

जानकारों के मुताबिक, सबसे लोकप्रिय विकल्पों में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना, कुछ लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी और इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) शामिल हैं, जो निवेशकों को टैक्स बचाने के साथ सुरक्षित रिटर्न का मौका देते हैं।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ लंबे समय के निवेश के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें सालाना न्यूनतम 500 रुपए और अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में 15 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जिसे आगे 5-5 साल के ब्लॉक में बढ़ाया जा सकता है। पीपीएफ पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह टैक्स-फ्री होता है और वर्तमान में इस पर 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। खास बात यह है कि इसमें जमा राशि कोर्ट के आदेश से भी सुरक्षित रहती है।

वहीं, सुकन्या समृद्धि योजना खास तौर पर बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए शुरू की गई है। इस योजना में 10 साल तक की बच्ची के नाम पर खाता खोला जा सकता है। इसमें 250 रुपए से लेकर 1.5 लाख रुपए तक सालाना निवेश किया जा सकता है।

इस पर फिलहाल 8.2 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिल रहा है। 18 साल की उम्र में उच्च शिक्षा के लिए 50 प्रतिशत तक निकासी की सुविधा मिलती है और 21 साल में खाता मैच्योर होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) भी उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प है, जो टैक्स बचाने के साथ इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं। इसमें 3 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जो सबसे कम है। हालांकि इसमें मिलने वाला रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है। 1.25 लाख रुपए तक का मुनाफा टैक्स-फ्री होता है, लेकिन इससे ज्यादा लाभ पर 12.5 प्रतिशत लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगता है। लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी भी टैक्स छूट के लिहाज से एक अच्छा विकल्प हैं, लेकिन इनमें कुछ शर्तें लागू होती हैं। पॉलिसी पर मिलने वाला भुगतान तभी टैक्स-फ्री होता है, जब प्रीमियम और सम एश्योर्ड का अनुपात तय सीमा के भीतर हो। इसके अलावा, नई शर्तों के तहत प्रीमियम की कुल सीमा भी तय की गई है।

## वो 5 अंतरराष्ट्रीय हस्तियां जिनके जाने से दुनिया थोड़ी और खामोश हो गई

**नई दिल्ली।** साल 2025 जाते-जाते अपने पीछे कई ऐसे सबक, घटनाएं और मोड़ छोड़ जाएगा, जिनके साथ हम 2026 में कदम रखेंगे। 2025 में कुछ ऐसी हस्तियां दुनिया से विदा हुई जिन्होंने विज्ञान, साहित्य, मानवाधिकार, प्रकृति-संरक्षण और वैश्विक सोच को बदलने में अपनी पूरी जिंदगी होम कर दी। ये वो शख्सियतें थीं जिन्होंने दुनिया को अपने ज्ञान से चौंकाया। किसी ने चिंपाजियों की खूबियां बताई थीं, किसी ने हाथियों की भाव भंगिमाओं का अध्ययन किया था, कोई लाखों लोगों की आवाज बना तो एक ऐसी शख्सियत भी थे जिन्होंने इमारतों के जरिए कविता गढ़ी!

सबसे बड़ा झटका तब लगा जब अक्टूबर में प्रसिद्ध पर्यावरणविद और प्राइमेटोलॉजिस्ट जेन गुडॉल इस दुनिया से विदा हो गईं। चिंपांजी के व्यवहार और भावनाओं पर उनके अद्वितीय शोध ने दुनिया को नई दिशा दी। घने जंगलों में रहने वाला चिंपांजी केवल औजार बनाना ही नहीं जानता बल्कि उसके बखूबी इस्तेमाल में भी माहिर है—इससे पहला परिचय कराने वाली गुडॉल ही थीं। ताउम्र प्राइमेट्स की भाव भंगिमाओं को समझने और पर्यावरण से आम इंसान को प्यार करने का सबक सिखाया। गुडॉल का 1 अक्टूबर 2025 को देहांत हो गया। इतिहास और राजनीति को सरल भाषा में समझाने वाली आवाज बहराम मोशिरी भी 10 नवंबर को दुनिया से रुखसत हो गए। उनके जाने से ईरानी प्रवासी समाज ने एक बेहद प्रभावशाली व्यक्तित्व खो दिया। मोशिरी की पहचान सिर्फ एक इतिहासकार की नहीं, बल्कि एक ऐसे कम्युनिकेटर की थी, जिसने जटिल विषयों को आम इंसान तक पहुंचाकर संवाद को मजबूत किया।

यूरोप में अभिव्यक्ति-स्वतंत्रता का एक मजबूत स्तंभ मानी जाने वाली नार्वे की लेखिका हेगे न्यूथ 30 नवंबर को मात्र 59 साल में दुनिया को अलविदा कह गईं। वह अपने समाज में खुलकर बोलने, लिखने और विचारों की आजादी की हिमायती थीं। उनकी उपस्थिति उन देशों के लिए एक प्रतीक थी जो लोकतंत्र की बुनियादी आवाज को जिंदा रखना चाहते हैं।

5 दिसंबर को आधुनिक वास्तुकला के जादूगर फ्रैंक गेहरी भी दुनिया को अलविदा कह गए। उनकी इमारतें कभी चमत्कृत करती थीं तो कभी कविता सरीखी बहती सी महसूस होती थीं। यह बताती थीं कि रचनात्मकता की कोई हद नहीं होती। गगनहाइम म्यूजियम और डिज्नी कॉन्सर्ट हॉल जैसे चमत्कार सिर्फ संरचनाएं नहीं, बल्कि वह साहस थे जो बताते हैं कि कला और विज्ञान जब मिलते हैं, तो ईंट-पत्थर भी बोल उठते हैं।

# शरीर के चक्रों और न्यूरॉन्स को एक्टिव करता है 'ओम', जानें इसके पीछे का विज्ञान

**नई दिल्ली।** सनातन धर्म में 'ओम' का बेहद महत्व है। किसी भी मंत्र का जाप हो या ध्यान लगाना, इसका उच्चारण सिर्फ आध्यात्मिक महत्व नहीं रखता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। 'ओम' का उच्चारण शरीर के सातों चक्र को सक्रिय करता है, न्यूरॉन्स को जागृत करता है और पूरे तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

वैज्ञानिक अध्ययनों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय से अब यह साबित हो रहा है कि 'ओम' की ध्वनि कंपन (वाइब्रेशन) तनाव कम करने, मन शांत करने और शारीरिक स्वास्थ्य सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

'ओम' को प्राचीन भारतीय ज्ञान में 'जागृति की ध्वनि' या 'प्रथम ध्वनि' कहा जाता है। इसे ब्रह्मांड की मूल आवाज माना जाता है। 'अ+उ+म' के मिलने से बना यह शब्द तीन अक्षरों वाला नहीं, बल्कि ढाई अक्षरों वाला 'ओंकार' या 'प्रणव' है, जिसमें पूरे ब्रह्मांड का सार समाया हुआ है।

'ओम' का जाप ध्वनि कंपन पर आधारित है। जब 'ओम' का लंबा और गहरा उच्चारण करते हैं, तो यह शरीर में विशेष प्रकार के वाइब्रेशन पैदा करता है। ये कंपन

नर्वस सिस्टम, चक्रों और मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को सक्रिय करते हैं। इससे मन शांत होता है, एकाग्रता बढ़ती है और शरीर में स्थिरता का अनुभव होता है।

शरीर में सात चक्र होते हैं, जिनमें मूलाधार चक्र रीढ़ के आधार पर, स्वाधिष्ठान चक्र नाभि के नीचे, मणिपुर चक्र नाभि के ऊपर, और अनाहत चक्र हृदय क्षेत्र में होते हैं। वहीं, विशुद्ध चक्र गले में, आज्ञा चक्र भौंहों के बीच, और सहस्त्रार चक्र सिर के ऊपर स्थित होते हैं। ओम के उच्चारण से ये चक्र एक्टिव होते हैं।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन में 'ओम' के जाप के प्रभाव को वैज्ञानिक तरीके से जांचा गया। इस शोध में योग करने वाले और कुछ योग न करने वाले लोगों को शामिल किया गया। दोनों समूहों से 5 मिनट तक 'ओम' का जाप करवाया गया और उनकी हार्ट रेट वेरिएबिलिटी को मापा गया। परिणामों से पता चला कि 'ओम' का जाप ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर डालता है। यह तंत्र दिल की धड़कन और सांस लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। अध्ययन में दोनों समूहों में तनाव कम होने और शरीर के संतुलन में सुधार देखा गया।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, सुबह के समय 'ओम' का जाप करने से दिल और फेफड़े स्वस्थ रहते हैं। धीरे-धीरे सांस लेते हुए 'ओम' का उच्चारण और फिर सांस छोड़ने की प्रक्रिया वेगस नर्व को मजबूत करती है। वेगस नर्व दिल, फेफड़ों और पाचन तंत्र को नियंत्रित करती है। जब यह नर्व सक्रिय होती है तो तनाव कम होता है, सांस लेने की क्षमता बढ़ती है और पूरा शरीर जागृत एवं संतुलित महसूस होता है। 'ओम' का कंपन इस नर्व को उत्तेजित करता है, जिससे शरीर में शांति और स्थिरता बढ़ती है। 'ओम' की ध्वनि शरीर के सात मुख्य चक्रों को सक्रिय करने के साथ ही विशेष रूप से मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को उत्तेजित करती है, जिससे एकाग्रता, याददाश्त और मानसिक स्पष्टता बढ़ती है। नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और नींद की समस्या भी कम होती है। अब सवाल है कि ओम का जाप कैसे करें? तो इसके लिए सुबह खाली पेट या ध्यान के समय धीरे-धीरे गहरी सांस लें, 'ओम' का लंबा उच्चारण करें, और फिर धीरे से सांस छोड़ें। जितना लंबा और गहरा जाप करेंगे, उतना ही अधिक लाभ मिलेगा। 'ओम' सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का सरल और प्रभावी तरीका है। नियमित अभ्यास से चक्र सक्रिय होते हैं, न्यूरॉन्स जागृत होते हैं, और जीवन में शांति व संतुलन बढ़ता है।

## क्या आप भी पीते हैं सादा दूध, जानें गर्मियों में कैसे बढ़ाए दूध के औषधीय गुण

**नई दिल्ली।** सर्दियों में दूध पीने की सलाह तो हर कोई देता है, लेकिन गर्मियों में अक्सर लोग दूध छोड़कर लस्सी या छाछ पर शिफ्ट हो जाते हैं, जो सही नहीं माना जाता।

रात में गुनगुना दूध पीना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। भारतीय परंपरा में दूध को सदियों से 'पूर्ण आहार' का दर्जा दिया गया है, वहीं आयुर्वेद में इसे केवल पोषण नहीं, बल्कि एक प्रभावी औषधि भी माना जाता है, हालांकि इसका सही समय और सही तरीका जानना बेहद जरूरी है।

दूध न सिर्फ शरीर को ऊर्जा और पोषण देता है, बल्कि मन को भी शांत करता है। अगर इसे सही तरीके से लिया जाए, तो यह कई बीमारियों से बचाव में मददगार हो

सकता है। आमतौर पर लोग सादा दूध पीते हैं, लेकिन इसमें कुछ औषधीय चीजें मिलाने से इसके फायदे और बढ़ जाते हैं।

हल्दी वाला दूध: इसे गर्मियों में भी सीमित मात्रा में लिया जा सकता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है। इस मौसम में सिर्फ एक चुटकी हल्दी ही पर्याप्त होती है।

केसर वाला दूध: अगर महिलाओं में प्रजनन क्षमता कम है तो केसर का दूध गर्भाशय को मजबूती देने का काम करता है। इससे त्वचा और बाल भी खिल उठते हैं। अश्वगंधा वाला दूध: अश्वगंधा को आयुर्वेद में त्रिदोष को संतुलित करने की औषधि माना गया है। अगर शरीर में कमजोरी और हड्डियों में दर्द की समस्या बनी रहती है तो अश्वगंधा दूध फायदेमंद रहेगा। यह पुरुषों की कमजोरी को भी दूर करने में मदद करता है।

जायफल वाला दूध: यह दूध उन लोगों के लिए दवा की तरह काम करेगा, जिन्हें हर बदलते मौसम के साथ संक्रमण घेर लेता है। मौसम बदलते ही खांसी-जुकाम हो जाता है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखता है और सर्दी और जुकाम से भी राहत देता है। दालचीनी वाला दूध: मधुमेह के रोगियों के लिए दालचीनी का दूध शुगर को नियंत्रित करने में लाभकारी है। यह दूध शुगर को नियंत्रित कर मस्तिष्क को भी शांत रखने में मदद करता है, जिससे नींद न आने की समस्या कम होती है।

## मटके में छिपा सेहत का भी राज, गर्मियों में वरदान से कम नहीं मिट्टी के बर्तन

**नई दिल्ली।** गर्मी, लू और उमस के इस मौसम में ठंडे पानी की तलब हर किसी को सताने लगी है। ज्यादातर लोग राहत के लिए फ्रिज का ठंडा पानी पीते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का कहना है कि कई बार इससे गला खराब हो जाता है या पेट संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में मिट्टी से बने मटका या घड़े का पानी स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

स्वाद और ठंडक के साथ मटके का पानी सेहत को भी कई महत्वपूर्ण फायदे भी देता है। मिट्टी के घड़े में रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है और इसके गुण बरकरार रहते हैं। आयुर्वेद में इसे अमृत के समान माना गया है।

आधुनिक डॉक्टर भी मटके के पानी को फ्रिज के पानी से बेहतर बताते हैं। मटके के पानी में मिट्टी की हल्की खुशबू आती है, जो पीने में बहुत अच्छा लगता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह पानी गले से

लेकर आंतों तक के लिए फायदेमंद है। बीमार व्यक्ति भी इसे बिना किसी चिंता के पी सकते हैं। मिट्टी के कारण इसमें प्राकृतिक पोषक तत्व मिल जाते हैं, जो शरीर के लिए लाभकारी होते हैं। मटके में रखे पानी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि मिट्टी पानी की अशुद्धियों को सोख लेती है। इससे शरीर में जमा विषैले तत्व निकलते हैं और इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। फ्रिज का पानी अक्सर गले में खराश, घमौरी या अन्य समस्याएं पैदा कर सकता है, जबकि मटके का पानी इन सब से बचाता है।

आयुष मंत्रालय भी सुबह गुनगुना पानी पीने की सलाह देता है। बेहतर है कि इसे मिट्टी या तांबे के बर्तन में रखकर पीया जाए। इससे पाचन तंत्र सक्रिय रहता है और शरीर से हानिकारक पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं। गर्मियों में हाइड्रेटेड रहने का यह सबसे सस्ता, सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।

मटके के पानी में मिनरल्स की मात्रा बढ़ जाती है, जबकि फ्रिज के पानी में ये कम हो जाते हैं। मिट्टी के क्षारीय गुण शरीर के पीएच लेवल को संतुलित रखते हैं। इससे पाचन क्रिया सुधरती है, इम्युनिटी बढ़ती है और शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। मटके का पानी पूरी तरह प्राकृतिक और केमिकल मुक्त होता है। गर्मी के मौसम में रोजाना इसका सेवन करने से शरीर स्वस्थ और तरोताजा रहता है।

## दर्द, तन्हाई और प्रेम... मीना कुमारी अभिनेत्री ही नहीं, साहित्यिक जगत के लिए 'नाज' भी...

**मुंबई।** हिंदी सिनेमा की 'ट्रेजेडी क्वीन' का जिक्र हो तो बेहिसाब खूबसूरत और अभिनय में पारंगत अदाकारा मीना कुमारी का जिक्र जरूरी है। वह सिर्फ प्रतिभाशाली अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक गहरी संवेदनशील उर्दू कवयित्री भी थीं। उन्होंने 'नाज' उपनाम से कई कविताएं लिखीं, जिनमें जीवन की तन्हाई, दर्द, प्रेम की लालसा, अकेलापन और भावनात्मक संघर्ष साफ झलकते हैं।

मीना कुमारी की कविताएं फिल्मी चमक-दमक से परे उनकी आत्मा को उजागर करती हैं। उनके अंदर की छिपी कवयित्री को आज की पीढ़ी भी चाव के साथ पढ़ती है। 'मीना कुमारी द पोएट: ए लाइफ बियॉन्ड सिनेमा' लेखक नूरुल हसन अनुवादित व रोली बुक्स द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में मीना कुमारी की चुनिंदा उर्दू कविताओं का अंग्रेजी अनुवाद शामिल है। किताब में ऐसी कविताएं हैं, जिनमें दिवंगत अभिनेत्री ने प्यार, अकेलापन, इच्छाएं, भ्रम, सपनों की खिड़की, मौन और मासूमियत जैसे विषयों को बड़ी मार्मिकता से व्यक्त किया है।

दिवंगत संगीतकार नौशाद अली ने मीना कुमारी की लेखनी को लेकर बताया था, 'उनकी कविताओं में उनकी पीड़ा स्पष्ट रूप से झलकती थी।

जीवन भर के दर्द को लेकर वह इतनी हताश हो गईं कि शराब और कविता उनका सहारा बन गई। उन्होंने खुद कहा था कि 'विश्वासघात की भावना से लड़ने के लिए मैं शराब पीने और कविता लिखने लगी थी।

मीना कुमारी की कविताएं मार्मिक, सरल और बातचीत जैसी हैं। इनमें अद्भुत तात्कालिकता है, जो पाठक को तुरंत अपनी गिरफ्त में ले लेती है।

लेखक नूरुल हसन कहते हैं, 'बहुत कम लोग जानते हैं कि मीना कुमारी की कलम में भी कमाल की कला थी। उनकी कविताएं फिल्मों में दिखने वाले व्यक्तित्व से कहीं ज्यादा संवेदनशील और आत्म-जागरूक हैं।

1972 में उनकी मृत्यु के तुरंत बाद गुलजार ने 'हिंद पॉकेट बुक्स' के जरिए उनकी कविताओं का संग्रह प्रकाशित करवाया था। हसन बताते हैं कि उन्हें हावड़ा रेलवे स्टेशन पर संयोग से यह पतली सी किताब मिली थी, जिसे उन्होंने बार-बार पढ़ा। उनकी कविताओं में व्यक्तिगत अनुभव और दार्शनिक गहराई दोनों हैं। 'द डंब चाइल्ड', 'खाली दुकान' और 'आखिरी ख्वाहिश' जैसी कविताएं बेहद हृदयविदारक हैं।

कविता मीना कुमारी के लिए सार्वजनिक छवि से दूर हटकर खुद को व्यक्त करने का माध्यम थी। उनकी रचनाएं फिल्म इंडस्ट्री और अपनी आंतरिक दुनिया दोनों को दर्ज करती हैं। मीना कुमारी की कविताएं डायरी के अंशों की तरह लगती हैं। इनमें अकेलेपन और अपूर्ण प्रेम की पीड़ा बार-बार उभरती है। 'जिंदगी सिर्फ मोहब्बत से नहीं चलती नाज...' जैसी पंक्तियां उनके वैवाहिक जीवन और व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाती हैं।

'आखिरी ख्वाहिश' में उन्होंने लिखा: 'आज रात, यह अकेलापन, दिल की धड़कनों की ये आवाज, यह विचित्र सन्नाटा, गजलों की यह मौन प्रस्तुति, डूबते तारे, यह आखिरी कंपन, प्रेम का... मृत्यु की यह सर्वव्यापी सिम्फनी, एक पल के लिए आइए, मेरी बंद आंखों में प्रेम के सपने सजाओ।

## वैश्विक प्रयास धीमे, नवजात मृत्युदर चिंता का विषयः यूएन रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक हालिया रिपोर्ट नवजात मृत्युदर की दुखद तस्वीर पेश करती है। ये कहती है कि नवजात मौतों को कम करने की वैश्विक मुहिम अब धीमी पड़ती जा रही है, जिससे लाखों बच्चों की जान पर खतरा बना हुआ है। यह रिपोर्ट 17 मार्च 2026 को जारी की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में करीब 23 लाख नवजातों की मौत हुई (एक अनुमान के अनुसार स्थिति अब भी बदली नहीं है)। ये वे बच्चे हैं जो मात्र 28 दिन या उससे कम के होते हैं। पिछले दो दशकों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौतों में कमी आई थी, लेकिन नवजातों के मामले में यह गिरावट उतनी तेज नहीं रही। यही वजह है कि अब कुल बाल मृत्यु दर में नवजातों की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि नवजात

मृत्यु दर को कम करना एक जटिल चुनौती है, क्योंकि इसमें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, समय पर देखभाल और संसाधनों की उपलब्धता जैसे कई कारक शामिल होते हैं। खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्थिति ज्यादा गंभीर है, जहां स्वास्थ्य ढांचा पहले से ही कमजोर है।

अफ्रीकी देशों में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं, जहां हर साल लगभग 11 लाख नवजात अपनी जान गंवा देते हैं। मौतों के पीछे प्रमुख कारणों में समय से पहले जन्म, प्रसव संबंधी जटिलताएं और संक्रमण शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में मौत रोकी जा सकती है, अगर गर्भावस्था और जन्म के समय उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय फंडिंग में कमी आई है। साथ ही कई देशों में राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव के चलते मातृ और शिशु स्वास्थ्य को उतना महत्व नहीं मिल पा रहा है। कोविड-19 महामारी और वैश्विक आर्थिक दबाव ने भी स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त असर डाला, जिससे प्रगति और धीमी हो गई।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नवजातों की जान बचाने के लिए बड़े और जटिल उपायों की जरूरत नहीं है, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना ही सबसे प्रभावी कदम हो सकता है। इसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी में सुरक्षित प्रसव, जन्म के तुरंत बाद शिशु की देखभाल और संक्रमण से बचाव के उपाय शामिल हैं।

रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठातीं, तो 2030 तक शिशु मृत्यु दर घटाने के वैश्विक लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो सकता है।

## ऑस्कर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड इनके नाम, 8 बार नामांकित लेकिन कभी नहीं जीता

**नई दिल्ली।** दुनिया ने पीटर ओ'टूल को 14 दिसंबर 2013 को खो दिया। हॉलीवुड का वो अभिनेता जिसने अभिनय को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि उसे सांस की तरह जिया। लॉरेंस ऑफ अरेबिया जैसी महान फिल्मों से दुनिया भर में पहचाने जाने वाले ओ'टूल का जीवन उतना ही नाटकीय था जितना उनके किरदार।

आयरलैंड में जन्मे पीटर का शुरुआती जीवन गरीबी, उथल-पुथल और अनिश्चितताओं से भरा था। थिएटर के मंच से हॉलीवुड तक का सफर आसान नहीं था, लेकिन उनमें एक आग थी। कला के लिए पागलपन जैसी ललक स्पष्ट दिखती थी। यही उन्हें भीड़ से अलग कर देती थी। वे जब कैमरे के सामने

आते, तो लगता कि किरदार उनके भीतर की किसी दूसरी दुनिया से बाहर आ रहा है। उनके अभिनय में ऐसा तेज था कि दर्शक उनकी आंखों में छुपा दर्द, गुस्सा, रोमांच और बेचैनी सब महसूस कर लेते थे।

लेकिन जितनी रोशनी परदे पर थी, उतनी ही तन्हाई उनके निजी जीवन में थी। शराब ने उनके स्वास्थ्य को छलनी कर दिया, रिश्तों ने उन्हें टूटने से बचाने की कोशिश की लेकिन वे खुद से लगातार लड़ते रहे। उनके अंदर एक कलाकार था जो हर दिन दुनिया से आगे निकल जाना चाहता था, और एक इंसान था जो धीरे-धीरे अपनी ही परछाइयों में खोता जा रहा था। यही विरोधाभास पीटर ओ'टूल को इतना असाधारण बनाता है। वे आठ बार ऑस्कर के लिए नामांकित हुए, लेकिन एक बार भी जीत नहीं पाए। फिर भी हॉलीवुड ने एक अनोखा सम्मान दिया—ऑनरेरी एकेडमी अवॉर्ड (मानद ऑस्कर अवॉर्ड)—क्योंकि ओ'टूल ने वह हासिल किया था जो ट्रॉफियां नहीं माप सकतीं और वह है दर्शकों के दिलों में बसने का हुनर। उन्होंने यह पुरस्कार अनमने भाव से स्वीकार किया, क्योंकि उन्हें लगता था कि अभी भी उनके भीतर बहुत कुछ बाकी है, कि उनका सफर अभी खत्म नहीं हुआ। यह जिद, यह जज्बा, यही उन्हें प्रेरक बनाता है।

अंतिम दिनों में वे अस्पताल के कमरे में थे, जहां रोशनी की जगह खामोशी का साया था। लेकिन दुनिया जानती थी कि यह वही आदमी है जिसने कैमरे की हर रोशनी को अपने अंदर जज्ब कर लिया था। 14 दिसंबर को जब उनका दिल धड़कना बंद हुआ, तो हॉलीवुड ने सिर्फ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक दौर खो दिया—वह दौर जब कला दिल की गहराइयों से निकलती थी, और अभिनेता किरदारों की आत्मा बन जाते थे। पीटर ओ'टूल की कहानी इसलिए दुखद है क्योंकि यह उस प्रतिभा की कहानी है जो अपनी ही आग में धीरे-धीरे जलती गई। वे चले गए, पर पर्दे पर उनकी आंखें आज भी चमकती हैं, जैसे कह रही हों—असली कलाकार कभी पूरी तरह विदा नहीं होते।

# 'उड़ने की आशा' में कल्याणी खोलेगी रोशनी के अतीत का राज, तन्वी शेवाली बोलीं- अब कहानी में आएगा बड़ा ट्विस्ट

**मुंबई।** टीवी की दुनिया में इन दिनों कहानी और किरदारों के ट्विस्ट दर्शकों को बांधे रखने का सबसे बड़ा जरिया बन चुके हैं। इसी कड़ी में 'उड़ने की आशा' अब एक बड़े मोड़ की तरफ बढ़ रहा है, जहां कहानी का सबसे अहम राज सामने आने वाला है। इस खुलासे से न सिर्फ कहानी की दिशा बदलेगी बल्कि किरदारों के रिश्तों पर भी गहरा असर पड़ेगा। शो में रोशनी का किरदार निभा रहीं तन्वी शेवाले ने इस आने वाले ट्विस्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने कहा, ''कहानी में जो खुलासा होने वाला है, वह मेरे किरदार के लिए बेहद अहम है। रोशनी अब तक अपने अतीत के कुछ हिस्सों को छुपाकर रखती आई है और परिवार के सामने सिर्फ वही दिखाया है, जो वह दिखाना चाहती थी। लेकिन अब धीरे-धीरे सच सामने आने लगा है, जिससे उसकी बनाई हुई दुनिया हिल सकती है।''

कहानी में 'कल्याणी' नाम एक बड़ा रहस्य बनकर सामने आ रहा है। तन्वी के मुताबिक, यह नाम रोशनी के पूरे अतीत से जुड़ा हुआ है। जैसे-जैसे इस नाम के पीछे की सच्चाई सामने आएगी, वैसे-वैसे रोशनी की जिंदगी में कई मुश्किलें खड़ी होंगी। उसे अपने अतीत का सामना करना पड़ेगा, जिससे बचने की वह लंबे समय से कोशिश कर रही थी। तन्वी ने कहा, ''रोशनी एक जटिल किरदार है, जो बाहर से जितनी सरल दिखती है, अंदर से उतनी ही उलझी हुई है। वह दुनिया को जो दिखाती है, वह पूरी सच्चाई नहीं होती। अब जब 'कल्याणी' से जुड़ा सच सामने आएगा, तो उसके रिश्तों और फैसलों पर गहरा असर पड़ेगा। खासकर परिवार के साथ उसका रिश्ता पूरी तरह बदल सकता है।''

आने वाले एपिसोड में दर्शकों को कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। कहानी में रोशनी के सामने ऐसे सवाल खड़े होंगे, जिनके बारे में उन्होंने सोचा भी नहीं था। तन्वी का कहना है कि यह मोड़ उनके किरदार के लिए एक नई शुरुआत जैसा होगा, लेकिन यह शुरुआत आसान नहीं होगी। उसे अपने हर फैसले के परिणाम का सामना करना पड़ेगा।

दिलचस्प बात यह है कि इस ट्विस्ट को लेकर खुद तन्वी भी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ''मैं भी जानना चाहती हूं कि आगे कहानी किस दिशा में जाएगी और मेरे किरदार का सफर किस तरह बदल जाएगा। यह खुलासा न सिर्फ रोशनी के लिए बल्कि पूरे परिवार के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

# 'परितोष त्रिपाठी आपके शब्द जज्बातों की आवाज हैं', 16 साल पुरानी दोस्ती पर अक्षरा सिंह ने जताया प्यार

**मुंबई।** मनोरंजन की दुनिया में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जो समय के साथ और भी गहरे हो जाते हैं। ऐसे ही एक खूबसूरत रिश्ते की झलक भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की। उन्होंने अपने पुराने दोस्त और मशहूर कमीडियन-अभिनेता परितोष त्रिपाठी के लिए एक इमोशनल पोस्ट साझा किया।

अक्षरा सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह परितोष त्रिपाठी के शो कवि सम्मेलन के मंच पर नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने गोल्डन कलर की साड़ी पहनी हुई है और बेहद सादगी के साथ कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ अपनी 16 साल पुरानी दोस्ती का जिक्र करते हुए प्यारा सा कैप्शन भी लिखा।

अक्षरा ने लिखा, ''यह सिर्फ एक मंच पर सजा हुआ कार्यक्रम नहीं है, बल्कि हमारी दोस्ती का एक हिस्सा है, जो अब लोगों के सामने आ रहा है। जो कहानियां कभी कागज पर लिखी जाती थीं, आज वही कहानियां मंच और पर्दे पर जीवंत हो रही हैं। यह शो कभी हंसी देता है, तो कभी आंखों को नम भी कर देता है, इसमें भावनाओं का पूरा सफर छिपा हुआ है।

अक्षरा सिंह ने परितोष त्रिपाठी की तारीफ करते हुए उन्हें जज्बातों की आवाज बताया। उन्होंने लिखा, ''आपके शब्द उन भावनाओं को भी बयां कर देते हैं, जिन्हें लोग अक्सर कह नहीं पाते। आपकी कला सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के दिलों को भी छूती है। अक्षरा ने कैप्शन में आगे लिखा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि शो का हर शब्द दर्शकों के दिलों में जगह बनाएगा। मैं आपके लिए दिल से दुआ करती हूं कि आपके हर अल्फाज पर तालियां बजे और हर एहसास लोगों तक पहुंचे। आखिर में अक्षरा सिंह ने अपने फैंस और दर्शकों से अपील की कि वे इस शो को जरूर देखें।

# राघव चड्ढा ने संजय दत्त को बताया बेहतरीन इंसान, मुलाकात की तस्वीर शेयर कर की तारीफ

**नई दिल्ली।** राजनीति और फिल्मी दुनिया का मेल जब भी देखने को मिलता है, वह लोगों के लिए खास दिलचस्पी का विषय बन जाता है। इस कड़ी में आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त के साथ अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा।

खास बात यह है कि यह मुलाकात ऐसे समय में सामने आई है, जब फिल्म 'धुरंधर' और उसकी सीक्वल 'धुरंधर: द रिवेंज' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में तीन तस्वीरें साझा की। पहली तस्वीर में वह और संजय दत्त कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। इस फोटो में संजय दत्त ने राघव के कंधे पर हाथ रखा हुआ है। दूसरी तस्वीर में राघव चड्ढा, संजय दत्त का हाथ थामकर उनका स्वागत करते दिख रहे हैं। इस दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान साफ नजर आ रही है। तीसरी तस्वीर में दोनों बोनफायर के सामने कुर्सियों पर बैठकर बातचीत करते नजर आ रहे हैं।

# अविका गौर भी हुईं समय रैना की फैन, स्टैंडअप कमीडियन के नए ट्रेंड की तारीफ की

**मुंबई।** मशहूर स्टैंडअप कमीडियन समय रैना ने लंबे ब्रेक के बाद शो 'स्टिल अलाइव' के साथ यूट्यूब पर वापसी की। इसके 1 घंटे 21 मिनट के वीडियो में उन्होंने 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद समेत कई मुद्दों पर खुलकर बात की।

इसी के साथ ही उन्होंने अपने पिता के प्रति गहरे प्यार और समर्थन की कहानी भी शेयर की। उन्होंने शो के दौरान बताया था कि जब लेटेंट विवाद में वे फंसे हुए थे और बुरी तरह से परेशान थे, तब उनके पिता ने उनका समर्थन किया।

शो के दौरान समय ने सभी को समझाते हुए कहा कि लड़कों को अक्सर अपने पिता के सामने खुलने में दिक्कत होती है। वे अपने पिता से मन की बात तो दूर, खुलकर बोल नहीं पाते हैं।

समय ने सभी से पिता के साथ एक भावनात्मक संबंध बनाने और इस चुप्पी को तोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने अपने प्रशंसकों से अपील की कि वे अपने पिता से प्यार जताएं, भले ही यह शुरू में अजीब लगे।

समय ने कहा, 'चुप्पी तोड़ो और अपने पिता को बताओ कि तुम उन्हें कितना प्यार करते हो।

समय की इस भावनात्मक अपील ने सोशल मीडिया पर एक नया ट्रेंड शुरू कर दिया है। अब लड़के अपने पिता को अपने मन की बात कहते हुए वीडियो बना रहे हैं। ये वीडियो पोस्ट करके वे समय रैना को टैग भी कर रहे हैं। धीरे-धीरे यह ट्रेंड काफी लोकप्रिय हो रहा है। इस पर अभिनेत्री अविका गौर ने भी रिएक्ट किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक लड़के का वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने पिता को थैंक्यू कह रहा है। अविका ने समय का समर्थन करते हुए लिखा, 'क्या ट्रेंड शुरू किया यार तुमने।

बता दें कि 'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री अविका गौर ने समय के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के एपिसोड 9 में भाग लिया था। इस शो के दौरान उन्होंने अपने पुराने शो 'बालिका वधू' की यादों और अपने करियर से जुड़ी बातों को साझा किया था।

# रणवीर सिंह की कामयाबी पर दीपिका ने साधी चुप्पी, अब सुजैन बर्नर्ट ने सोशल मीडिया पर जताई नाराजगी

**मुंबई।** आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज होने के बाद हर तरफ से सुर्खियां बटोर रही है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही है और रणवीर के अभिनय की भी हर तरफ तारीफ हो रही है लेकिन दीपिका ने फिल्म की सफलता पर कोई पोस्ट नहीं की।

अब इस विवाद में जर्मन मूल की भारतीय अभिनेत्री सुजैन बर्नर्ट भी शामिल हो गई। उन्होंने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का

पोस्टर शेयर किया और दीपिका को संबोधित करते हुए लिखा, 'प्रिय दीपिका, यह कोई शेखी नहीं है। हम अभी भी इंतजार कर रहे हैं कि आप अपने पति की कब खुलकर तारीफ करेंगी। मुझे समझ नहीं आता कि आप ऐसा क्यों नहीं कर रही हैं। फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज'।

बता दें कि यह बहस उस समय तेज हो गई थी, जब फिल्म की रिलीज के बाद दीपिका सोशल मीडिया पर फिल्म या रणवीर की सफलता को लेकर कोई पोस्ट नहीं कर रही थीं।

दीपिका पादुकोण ने आखिरकार इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने बताया कि उन्होंने फिल्म दूसरों से पहले ही देख ली थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पोल चल रहा था जिसमें पूछा गया था कि दीपिका की चुप्पी 'ज्यादा सोचने वाली' है या 'जानबूझकर अनदेखी करने वाली।

हाल ही में, दीपिका ने मुंबई में अपने पति रणवीर सिंह के साथ एक कॉन्सर्ट में हिस्सा लिया था। यह देख लोग सोशल मीडिया पर सवाल उठाने लगे कि अगर वह इवेंट्स में शामिल हो सकती हैं तो फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग में क्यों नहीं गईं। सोशल मीडिया पर उनके इस व्यवहार पर कई यूजर्स ने सवाल उठाए।

# महिला आरक्षण विधेयक पर बोलीं प्रीति झंगियानी, महिलाओं की भागीदारी से देश में आएंगे सकारात्मक बदलाव

**मुंबई।** मोहब्बतें, उदयपुर फाइल्स और आवारा पागल दीवाना में काम कर चुकी अभिनेत्री प्रीति झंगियानी फिल्मी पर्दे से खुद का स्पोर्ट फेडरेशन चला रही हैं।

अब उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सरकार का धन्यवाद दिया है। उनका कहना है कि महिलाओं की भागीदारी से देश में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

महिला आरक्षण विधेयक पर प्रीति झंगियानी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'आखिरकार महिला आरक्षण विधेयक पास हो रहा है। मुझे लगता है कि इसके लिए सभी ने 27 से अधिक सालों का लंबा इंतजार किया है, क्योंकि पहली बार साल 1996 में यह बिल लाया गया था। यह सिर्फ एक राजनीतिक ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक कदम भी है। इस बिल के बाद ऐसा लग रहा है कि दोनों हाथों को आजादी मिल गई है और महिलाओं को अब टेबल पर बैठकर अपने फैसले और राय रखने का हक मिल गया है। ये बिल उन महिलाओं के

लिए बड़ा मूमेंट हैं, जिन्होंने इसके लिए लड़ाई लड़ी है और लंबा इंतजार भी किया है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'बिल आने के बाद भारत के विकास पर व्यापक असर देखने को मिलेगा, क्योंकि जिन देशों में महिलाओं की भागीदारी राजनीति और बिजनेस में ज्यादा है, वहां के देश बाकी देशों की तुलना में तेजी से तरक्की कर रहे हैं। वहां बच्चियों की शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य पर बात हो रही है। हमारे यहां ग्राम पंचायत में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से भी सकारात्मक परिवर्तन आए हैं और उसका असर सड़क से लेकर ग्रामीण शिक्षा पर देखने को मिल रहा है। इसके लिए हमारी सरकार का दिल से शुक्रिया, क्योंकि हमारे देश में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी और अब वो हो रहा है।

भविष्य में राजनीति से जुड़ने के सवाल पर प्रीति कहती हैं कि वो पहले ही बिना राजनीति में आए समाज के लिए काफी कुछ कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं कुछ एनजीओ चलाती हूं और पिछड़े गांवों से खेल में भविष्य बनाने आए खिलाड़ियों की भी मदद करती हूं, लेकिन अगर कोई राजनीतिक पार्टी मेरे पास आती है तो मैं इस बारे में जरूर सोचूंगी, क्योंकि मेरे लिए पहले मेरा देश है।

# महिला आरक्षण विधेयक का प्रवीण डबास ने किया स्वागत, कहा- महिलाएं बेहतरीन लीडर

**मुंबई।** 'दिल्लगी', 'तपिश' और 'खोसला का घोसला' जैसी फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता प्रवीण डबास ने महिला आरक्षण विधेयक पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अभिनेता केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं लेकिन इसके साथ ही वे आरक्षण के खिलाफ हैं। अभिनेता का मानना है कि देश में हर तरह का आरक्षण खत्म कर देना चाहिए।

महिला आरक्षण विधेयक पर अभिनेता प्रवीण डबास ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, 'मैं इस बिल को दो तरीकों से देखता हूं। हमें हमेशा महिलाओं को आगे रखना चाहिए क्योंकि देश के विकास में महिलाओं की बराबर की भागीदारी होनी चाहिए, लेकिन मैं आरक्षण के खिलाफ हूं। मुझे लगता है कि महिलाएं पहले ही खुद में पूर्ण हैं और उन्हें किसी के भी सहारे की जरूरत नहीं है। मैं यह सिर्फ महिलाओं के लिए ही नहीं बल्कि उन सब के लिए बोल रहा हूं, जिन्हें आरक्षण प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि जिन परेशानियों की वजह से देश में आरक्षण की जरूरत पड़ी थी, मुझे लगता है कि अब वो पूरा हो चुका है। भारत अब इतना सशक्त हो गया है कि हर कोई अपने बलबूते पर नौकरी पा सकता है, राजनीति में आ सकता है और देश के विकास में भूमिका भी निभा सकता है, लेकिन अगर हम आरक्षण को हटाते हैं तो बहुत सारे लोग हैं, जो इसको लेकर राजनीति करेंगे। यही बड़ा कारण है कि देश में फिलहाल की स्थिति में आरक्षण को हटा पाना मुश्किल है। जब तक कास्ट सिस्टम है।

# भारत और बांग्लादेश ने रक्षा संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर की चर्चा, रिश्तों को नई दिशा देने की कोशिश

**वॉशिंगटन।** बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने ढाका में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. ए.के.एम. शमसुल इस्लाम से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-बांग्लादेश के संबंधों को लगातार बेहतर बनाने की अहमियत पर जोर दिया।

बैठक के दौरान दोनों अधिकारियों ने भारत और बांग्लादेश के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग की समीक्षा की।

इसमें द्विपक्षीय परामर्श तंत्र, प्रशिक्षण आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण पहल और दोनों देशों के रक्षा संस्थानों के बीच सहयोग जैसे पहलुओं पर चर्चा की गई। साथ ही, रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर भी विचार किया गया।

भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि दोनों पक्षों ने भारत-बांग्लादेश संबंधों को निरंतर मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान साझा बलिदानों से बने अटूट रिश्तों को भी दोहराया।

दोनों पक्षों ने अपने व्यापक द्विपक्षीय संबंधों के एक अहम हिस्से के रूप में रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही, साझा सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति बनी।

भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश सरकार के साथ आपसी हित और पारस्परिक लाभ के आधार पर बहुआयामी सहयोग को और आगे बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

इसी बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश के अपने समकक्ष खलीलुर रहमान और उनके प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं को मजबूत करने पर चर्चा की, साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'आज दोपहर बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान और उनके प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी कर खुशी हुई। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और सशक्त बनाने पर चर्चा की और क्षेत्रीय व वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार साझा किए। हम आपसी संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए।

खलीलुर रहमान मंगलवार को एक 'गुडविल विजिट' पर नई दिल्ली पहुंचे। ढाका ने जोर दिया कि भविष्य में दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्रों को और ज्यादा प्रोडक्टिव और सतत विकास के स्तर तक ले जाने के लिए यह एक 'महत्वपूर्ण नींव' बनने की उम्मीद है।

यह यात्रा इसलिए अहम है क्योंकि फरवरी में बीएनपी की सरकार बनने के बाद किसी बांग्लादेशी मंत्री का यह पहला भारत दौरा है। इससे भारत और बांग्लादेश के संबंधों में बदलाव का संकेत मिलता है।

मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के 18 महीने के कार्यकाल के दौरान हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते हिंसक हमलों और भारत विरोधी बयानों के कारण दोनों देशों के संबधों में तनाव आ गया था।

# यूरोपीय देशों ने लेबनान में इजरायली हमलों को बताया गलत, सीजफायर के भविष्य पर उठे सवाल

**नई दिल्ली।** लेबनान में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले की यूरोपीय देशों ने आलोचना की है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि ये सीजफायर नियमों का 'अपमान' है तो ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर ने इसे पूरी तरह से गलत बताया।

ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने हिज्बुल्लाह को हथियार रखने की नसीहत देते हुए इजरायली कार्रवाई को भी गैर जरूरी बताया है।

ईयू की शीर्ष राजनयिक काजा कलास ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हुआ सीजफायर समझौता लेबनान तक भी लागू होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान समर्थित लेबनानी आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह को अपने हथियार डाल देने चाहिए।

एक्स पोस्ट में लिखा, 'हिज्बुल्लाह ने लेबनान को युद्ध में घसीटा, लेकिन खुद की रक्षा करने के इजरायल के अधिकार से इस तरह की भारी तबाही मचाने को सही नहीं ठहराया जा सकता।' उन्होंने कहा कि इससे अमेरिका-ईरान सीजफायर पर भारी दबाव पड़ रहा है। ईरान के साथ हुआ यह समझौता लेबनान तक भी लागू होना चाहिए।

उन्होंने इजरायल के 'आत्मरक्षा' दावे पर सवाल उठाते हुए कहा, 'बुधवार रात इजरायल के हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए, जिससे यह तर्क देना मुश्किल हो जाता है कि इस तरह की सख्त कार्रवाइयां 'आत्मरक्षा' के दायरे में आती हैं।

वहीं, फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरो ने लेबनान पर हो रहे हमले को स्वीकार करने योग्य नहीं माना। उन्होंने कहा है कि इससे अमेरिका-ईरान के बीच हुआ अस्थायी सीजफायर कमजोर पड़ रहा है।

ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने भी इजरायली हमलों को तर्कसंगत नहीं माना और लेबनान को सीजफायर में शामिल करने की मांग उठाई।

# म्यांमार में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लगाया 'एक पेड़ मां के नाम

**यंगून (म्यांमार)।** विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने म्यांमार यात्रा के दूसरे दिन स्ट्रेटजिक कम्युनिटी के प्रमुख प्रतिनिधियों से मुलाकात और बात की।

उन्होंने म्यांमार इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (एमआईएसआईएस), सेंटर फॉर पीस एंड रिकंसिलिएशन (सीपीआर), रखाइन लिटरेचर एंड कल्चरल एसोसिएशन (आरएलसीए) और म्यांमार-इंडिया फ्रेंडशिप एसोसिएशन (एमआईएफए) के अहम पदाधिकारियों से मुलाकात की। इसके अलावा वो यंगून विश्वविद्यालय और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों से मिले और अहम मसलों पर गंभीर मंत्रणा की।

उन्होंने एक्स पर खुद इस मुलाकात से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत यंगून स्थित 'इंडिया हाउस' में एक पौधा लगाया। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पर्यावरणीय स्थिरता और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य के संकल्प का परिचायक बताया।

इसके अलावा सिंह भारतीय प्रवासी समुदाय द्वारा आयोजित रंगारंग कार्यक्रम के भी साक्षी बने। उन्होंने कुछ तस्वीरें पोस्ट कर बताया कि यंगून में एक जीवंत सामुदायिक स्वागत समारोह में शामिल हुआ, जिसमें 300 से अधिक मेहमान थे; इनमें भारतीय प्रवासी और म्यांमार में 'भारत के मित्र' शामिल थे।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के स्थापना दिवस अवसर पर, म्यांमार के साथ सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में इसके कार्यों को प्रमुख बताया।

भारतीय प्रवासियों के बहुमूल्य योगदान की सराहना की, जिसमें भारत के साथ उनके अटूट संबंध भी शामिल हैं। साथ ही, प्रवासियों के लिए चलाई जा रही विभिन्न पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें पीआईओ/ओसीआई योजनाएं, छात्रवृत्तियां और भारत सरकार (जीओआई) की केआईपी योजना शामिल हैं।

अपनी चार दिवसीय यात्रा पर कीर्ति वर्धन सिंह बुधवार को म्यांमार पहुंचे। यह दौरा म्यांमार सरकार (जीओएम) के निमंत्रण पर हो रहा है और इसे भारत-म्यांमार संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# इस्लामाबाद में सन्नाटा, बातचीत की आहट! लेकिन भरोसे पर सवाल बरकरार

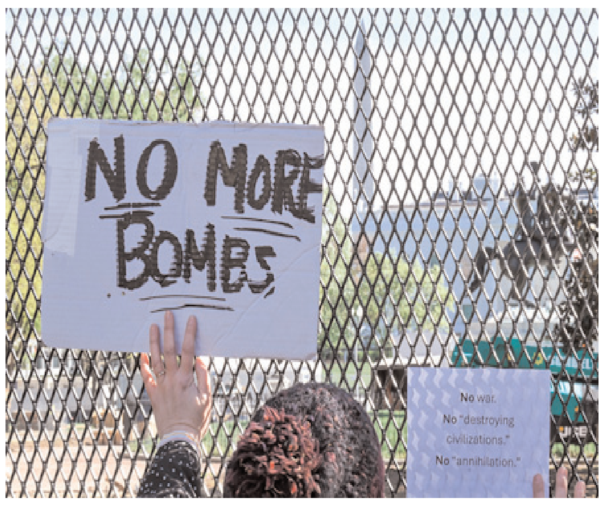


**नई दिल्ली।** 'ईरान की सभ्यता को पूरी तरह से खत्म करने' की डेडलाइन से कुछ घंटे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी मध्यस्थता का जिक्र करते हुए सीजफायर का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ये संघर्ष विराम अगले 2 हफ्तों तक जारी रहेगा।

इसके बाद लगा कि हालात सामान्य होंगे। पूरी दुनिया ने प्रसन्नता जाहिर की। पाकिस्तान फूला नहीं समाया, लेकिन इसके बाद इजरायल की ओर से जो किया गया और अमेरिका की ओर से जो कहा गया, उसने वर्तमान स्थिति के भरोसे को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से लेकर अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बयान में ऐसा बहुत कुछ था जो ईरान सीजफायर के भविष्य पर सवाल खड़े करता है। इजरायल का लेबनान पर हमला, एक ही दिन में सैकड़ों को मारने का दावा और फिर खुद ट्रंप का कहना कि हिज्बुल्लाह को लेकर समझौते में कोई जिक्र नहीं है, इस समझौते पर सवाल खड़े करता है। हालांकि पाकिस्तान का कहना था कि हिज्बुल्लाह इसका अंग था।

इस सबके बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों एक असामान्य खामोशी में डूबी हुई है। सड़कों पर सामान्य चहल-पहल की जगह सुरक्षा बलों की मौजूदगी ने ले ली है और कई इलाकों में आवागमन सीमित कर दिया गया है। वजह है ईरान के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का आगमन, जो एक बेहद संवेदनशील और अहम कूटनीतिक वार्ता के लिए यहां पहुंचने वाला है।

एक अस्थायी संघर्षविराम के बाद शुरू हो रही इस वार्ता से उम्मीद तो है, लेकिन उसके सफल होने को लेकर संशय भी उतना ही गहरा है। पाकिस्तान ने इस प्रक्रिया में मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए दोनों पक्षों को बातचीत की मेज तक लाने में अहम भूमिका निभाई है, जिसे उसकी कूटनीतिक सक्रियता के तौर पर देखा जा रहा है। शहर में लागू सुरक्षा इंतजाम इस बात का संकेत हैं कि इस वार्ता को कितना संवेदनशील माना जा रहा है। खासकर डिप्लोमैटिक एन्क्लेव और सरकारी परिसरों के आसपास कड़ी निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन किसी भी संभावित खतरे या विरोध को रोकने के लिए पूरी तरह सतर्क है।

# अमेरिका में जाति विवाद : हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने किया अदालत का रुख

**वाशिंगटन।** हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने एक अमेरिकी अपीलीय अदालत का दरवाजा खटखटाया है। संगठन ने दलील दी कि कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी ने जाति के भेदभाव को गलत तरीके से हिंदू धर्म से जोड़ा है और भारतीय व दक्षिण एशियाई समुदायों को टारगेट किया है।

6 अप्रैल को नौवीं सर्किट अपील न्यायालय में दाखिल जवाबी याचिका में हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने अनुरोध किया कि निचली अदालत की ओर से उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दे पर विचार ही नहीं किया।

संगठन का आरोप है कि कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) की कार्रवाई स्पष्ट और अप्रत्यक्ष रूप से 'जाति' को हिंदू धर्म और भारतीय या दक्षिण एशियाई मूल के लोगों से जोड़ती है, जिससे एक अल्पसंख्यक समुदाय को अलग से निशाना बनाया जा रहा है।

यह मामला उस शिकायत से जुड़ा है, जो सीआरडी ने सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज की थी, जिसमें जाति-आधारित भेदभाव के आरोप लगाए गए थे।

नियामक ने सार्वजनिक रूप से कहा कि उसने 'सिस्को सिस्टम्स व उसके पूर्व प्रबंधकों पर जाति के आधार पर भेदभाव का केस किया है।' यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के अनुसार, कैलिफोर्निया के नागरिक अधिकार विभाग ने अपनी इस थ्योरी पर जोर कि सिस्को को अपने दक्षिण एशियाई भारतीय कर्मचारियों में होने वाले जाति के भेदभाव को रोकना चाहिए था। संगठन ने बताया कि एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द बार-बार इस्तेमाल किया गया है।

संगठन का दावा है कि नागरिक अधिकार विभाग की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित थी। उसने विभाग के उस पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि 'भारत की जाति व्यवस्था' एक 'कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम' है। हालांकि, कैलिफोर्निया के नागरिक अधिकार विभाग ने बाद में इस वाक्यांश को हटा दिया और कहा कि मामला अब अप्रासंगिक हो गया है। वहीं, संगठन का कहना है कि मूल समस्या अब भी बनी हुई है। फाउंडेशन ने कहा, ''हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम' शब्द हटाने से यह बात नहीं बदलती कि सीआरडी सिर्फ कंपनी के भारतीय, दक्षिण एशियाई और हिंदू कर्मचारियों पर 'जाति' पॉलिसी लागू करने की कोशिश कर रहा है। 'संगठन की सीनियर लीगल डायरेक्टर निधि शाह ने चेतावनी दी कि इसका असर एक केस से कहीं ज्यादा है। शाह ने कहा, 'हिंदू अमेरिकी, भारतीय अमेरिकी व दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय चिंतित हैं। शाह ने आगे कहा, 'नागरिक अधिकार विभाग अपनी प्रवर्तन शक्तियों का इस्तेमाल उन अल्पसंख्यक समूहों को अलग करने की कोशिश कर रहा है, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर है। कैलिफोर्निया के लोग ध्यान दे रहे हैं। कैलिफोर्निया के लोग, नियोक्ता और व्यवसाय इस पर ध्यान दे रहे हैं।

# मंदी के बाद बांग्लादेश की ग्रोथ में तेजी आने की उम्मीद

**वाशिंगटन।** वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में मंदी के दौर के बाद धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है, जिसे घरेलू मांग में सुधार और स्थिर होती स्थितियों से मदद मिलेगी।

वर्ल्ड बैंक के ताजा आकलन के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रोथ 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो आर्थिक गतिविधियों पर पहले की राजनीतिक अशांति और बाहरी दबावों के असर को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था 2024 के आखिर में राजनीतिक अस्थिरता से जुड़ी बाधाओं से उबर रही है, जिसने निवेश, निर्यात और कुल आर्थिक गति पर बुरा असर डाला था।

अनुमान है कि जैसे-जैसे स्थितियां स्थिर होंगी, निजी खपत (प्राइवेट कंजम्प्शन) के वृद्धि का मुख्य आधार बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, अनिश्चितता और वित्तीय क्षेत्र की सीमाओं के कारण निवेश की गति धीमी रह सकती है, जिससे सुधार क्रमिक रहेगा।

निर्यात से भी वृद्धि में योगदान मिलने की संभावना है, लेकिन यह प्रमुख चालक नहीं होगा। बांग्लादेश का मुख्य निर्यात क्षेत्र यानी रेडीमेड गारमेंट्स वैश्विक टैरिफ में वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण दबाव में है।

मुद्रास्फीति अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, मुद्रा के अवमूल्यन, आपूर्ति में व्यवधान और खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण महंगाई उच्च स्तर बनी हुई है, जिससे क्रय शक्ति और आर्थिक सुधार प्रभावित हो रहा है। महंगाई को काबू में रखने के लिए मौद्रिक नीति सख्त बनी हुई है और ब्याज दरें ऊंचे स्तर पर हैं। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि इससे ऋण ग्रोथ सीमित हुई है और निजी निवेश पर बुरा असर पड़ा है।

बैंकिंग क्षेत्र भी दबाव में है, जहां गैर-निष्पादित ऋण (एनपीएल) का उच्च स्तर उधार देने की क्षमता और निवेशकों के विश्वास को प्रभावित कर रहा है। बाहरी दबाव भी बने हुए हैं। वैश्विक ऊर्जा की ऊंची कीमतों और आयात पर निर्भरता से चालू खाता और राजकोषीय संतुलन पर दबाव पड़ने की उम्मीद है, जिससे व्यापक आर्थिक चुनौतियां और बढ़ेंगी। इन रुकावटों के बावजूद वर्ल्ड बैंक ने कहा कि अगर सुधार लागू किए जाते हैं और राजनीतिक स्थिरता बनी रहती है, तो मध्यम अवधि में ग्रोथ के मजबूत होने की उम्मीद है।

वर्ल्ड बैंक के अलग-अलग अनुमानों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 में बांग्लादेश की ग्रोथ बढ़कर लगभग 4.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 6.1 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, क्योंकि महंगाई कम होगी और निवेश में तेजी आएगी।

# आईडीएफ का दावा- हिज्बुल्लाह महासचिव नईम कासिम की मौत

**बेरूत।** इजरायली सेना का गुरुवार को भी लेबनान पर हमला जारी है। सीजफायर ऐलान के बाद इजरायल ने देश के विभिन्न इलाकों पर एयर स्ट्राइक की। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के अनुसार, इसमें 254 लोगों की मौत हो गई जबकि हवाई हमले में 1,165 लोग घायल हुए। देश में राष्ट्रीय शोक का ऐलान कर दिया गया है।

इजरायल डिफेंस फोर्सेस ने गुरुवार को दावा किया कि उसके हमले में हिज्बुल्लाह महासचिव नईम कासिम और उनके सलाहकार अली यूसुफ अर्शी की मौत हो गई। इजराइली सेना (आईडीएफ) के मुताबिक, यह कार्रवाई लेबनान में जारी सैन्य ऑपरेशन के तहत की गई।

आईडीएफ ने कहा कि सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर नईम कासिम को निशाना बनाया गया। कथित तौर पर वो हिज्बुल्लाह के प्रमुख नेताओं में से एक थे और संगठन संचालन में अहम भूमिका निभाते थे। उनके निजी सचिव और सलाहकार हर्शी पर कासिम की सुरक्षा और दफ्तर के प्रबंधन की जिम्मेदारी थी। अल जजीरा के अनुसार पूर्व में लेबनान के कस्बे अल-शेख और मेइफादौन के अलावा दक्षिण में कुनिन और अली अल-ताहिर हाइट्स पर इजरायल के हमले जारी हैं। इजरायली सेना का कहना है कि यह हमला 2 मार्च से शुरू किए गए उनके नए सैन्य ऑपरेशन के बाद लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था। सेना के मुताबिक, इसमें हिज्बुल्लाह के 100 से ज्यादा कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों पर निशाना साधा गया।

उसके कई ठिकानों, हथियार भंडार और लॉन्चिंग साइट्स पर हमला किया गया। इसके साथ ही दक्षिणी लेबनान में हथियारों की आवाजाही रोकने के लिए कई अहम क्रॉसिंग पॉइंट्स पर भी हमले किए गए।

वहीं, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की ही तरह कहा है कि लेबनान अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम का हिस्सा नहीं है।

जबकि मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान ने कहा कि लेबनान को भी इसमें शामिल किया गया है।

# अजित पवार के बेटे पार्थ पवार बने राज्यसभा सांसद, उपराष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

**नई दिल्ली।** पार्थ पवार गुरुवार को आधिकारिक रूप से राज्यसभा के सदस्य बन गए हैं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को संसद भवन में पार्थ अजित पवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। एनसीपी के पार्थ पवार महाराष्ट्र से निर्वाचित होकर राज्यसभा पहुंचे हैं।

गौरतलब है कि पार्थ पवार महाराष्ट्र के एक प्रमुख राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। वे दिवंगत अजित पवार के पुत्र हैं और शरद पवार के पोते हैं। अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे। इसी साल एक विमान दुर्घटना में अजित पवार का निधन हो गया था, जिसके बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। अजित पवार के निधन के कुछ ही समय बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्य की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई।

उन्होंने पति के निधन के कुछ दिनों बाद ही महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली और इसके साथ ही पार्टी की जिम्मेदारियां भी संभालीं। इससे पहले सुनेत्रा पवार राज्यसभा की सदस्य थीं, लेकिन बाद में उन्होंने उस पद से इस्तीफा दे दिया ताकि वे राज्य सरकार में अपनी नई भूमिका निभा सकें। सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के कारण राज्यसभा की जो सीट खाली हुई, उसी सीट पर पार्थ पवार को निर्वाचित किया गया। यह दिल्ली में उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। गुरुवार को हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में पार्थ पवार ने संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। इसके साथ ही, वे देश के उच्च सदन का हिस्सा बन गए हैं, और अब वे राष्ट्रीय स्तर पर कानून निर्माण और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी भागीदारी निभाएंगे। शपथ ग्रहण के दौरान उपराष्ट्रपति के अलावा नेता सदन और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश व अन्य व्यक्ति मौजूद रहे। गौरतलब है कि इससे कुछ दिन पहले 6 अप्रैल को पार्थ के दादा व अजीत पवार के चाचा शरद पवार ने राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली थी।

# महिला आरक्षण विधेयक पीएम मोदी के संकल्प को दर्शाता है: पद्म पुरस्कार विजेता

**नई दिल्ली ।** पद्म पुरस्कार से सम्मानित शशि सोनी और भीमाव्वा डोड्डाबलाप्पा शिल्लेक्याथारा ने गुरुवार को महिला आरक्षण विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित यह कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताकत और प्रतिबद्धता को दर्शाता है, और उन्होंने देश भर की महिलाओं से आगे आने तथा राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सोनी ने आईएएनएस से ??बात करते हुए कहा कि यह बिल, विधायिकाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है, एक ऐतिहासिक पल है और महिलाओं के लिए संसद में सार्थक योगदान देने के नए रास्ते खोलता है। इस कानून को संसद में लाने का श्रेय प्रधानमंत्री को देते हुए उन्होंने कहा कि यह निर्णायक नेतृत्व और महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के इरादे को दर्शाता है। भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने महिलाओं से आत्मविश्वास के साथ आगे आने और विकास में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं में नेतृत्व करने की ताकत और क्षमता है। उन्हें अपनी सोच को मजबूत करना चाहिए, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए और सार्वजनिक जीवन में सच्चाई और गरिमा को बनाए रखना चाहिए।

संसद में महिलाओं की भूमिका पर बोलते हुए सोनी ने संतुलन बनाए रखने और देश की छवि को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए महिला प्रतिनिधियों को व्यवधानों के बजाय रचनात्मक बहस और राष्ट्र-निर्माण पर ध्यान देना चाहिए।

बढ़ी हुई भागीदारी की परिवर्तनकारी क्षमता को लेकर उन्होंने कहा कि विधायिकाओं में महिलाओं की अधिक उपस्थिति विचारों को व्यक्त करने और नीतियां बनाने के लिए एक मजबूत मंच होगी।

## संक्षिप्त खबर

# यूपी : 'सीएम युवा' पहल से आत्मनिर्भर बन रहे युवा, 10 हजार से अधिक इनोवेटिव उद्यम हुए स्थापित

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में सीएम युवा योजना के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इनोवेशन आधारित स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, जिससे हजारों युवाओं को न केवल रोजगार मिल रहा है बल्कि वे खुद रोजगार सृजनकर्ता भी बन रहे हैं।

सीएम युवा योजना के माध्यम से प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक इनोवेटिव उद्यम स्थापित किए जा चुके हैं, जो यह दर्शाता है कि युवाओं में उद्यमिता को लेकर आत्मविश्वास तेजी से बढ़ा है। खास बात यह है कि युवा पारंपरिक व्यवसायों से आगे बढ़कर नए और आधुनिक क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं।

सीएम युवा के नोडल अधिकारी और ज्वाइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला के अनुसार, 'सीएम युवा' जैसी योजनाओं के माध्यम से न केवल रोजगार के अवसर बढ़े हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश अब आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम युवा के माध्यम से अब तक स्थापित कुल उद्यमों में 10 प्रतिशत इनोवेटिव मॉडल पर आधारित उद्यम हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मौजूदा वित्तीय वर्ष में इसे 25 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अगर सेक्टरवार आंकड़ों पर नजर डालें तो, फूड और रेस्टोरेंट व्यवसाय युवाओं की पहली पसंद बनकर उभरा है, जहां सर्वाधिक 763 उद्यम स्थापित हुए हैं। इसके अलावा कंप्यूटर ट्रेनिंग (370), पैथोलॉजी सैंपलिंग (260), फास्ट फूड (253), फ्रेंचाइजी आधारित मॉडल (253) और ऑनलाइन टीचिंग (189) जैसे क्षेत्रों में भी युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। वहीं, जिम (170), मोबाइल आईटी एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म (120), ट्रैवल एंड टूरिज्म (117) और क्लाउड किचन (117) जैसे उभरते क्षेत्रों में भी स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहे हैं। जनपदवार प्रदर्शन की बात करें तो राजधानी लखनऊ 287 उद्यमों के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद आजमगढ़ (286), हरदोई (262), जौनपुर (लगभग 250), अंबेडकर नगर (241), कानपुर (236), वाराणसी (229), रायबरेली (225), बरेली (208) और फिरोजाबाद (197) जैसे जनपद इनोवेटिव मॉडल अपनाने में अग्रणी बनकर उभरे हैं। योगी सरकार की इस पहल ने प्रदेश में स्टार्टअप संस्

इस पूरे स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में बैंकों की भूमिका भी बेहद अहम रही है। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने सर्वाधिक 2,133 इनोवेटिव मॉडलों को ऋण उपलब्ध कराया है।

# कोलकाता में ईडी की बड़ी कार्रवाई, जमीन हड़पने और फर्जीवाड़े के मामले में 7 ठिकानों पर छापे

**कोलकाता ।** ईडी के कोलकाता जोनल ऑफिस ने 28 मार्च को जमीन हड़पने और फर्जीवाड़े से जुड़े एक मामले में शहर के 7 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई अमित गांगुली और उसके सहयोगियों के खिलाफ पीएमएलए 2002 के तहत की गई। छापेमारी के दौरान ईडी को कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। इसके अलावा पीएमएलए की धारा 17(1ए) के तहत कई बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया गया है।

ईडी ने यह जांच पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। इन मामलों में धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल, साजिश और धमकी जैसे आरोप शामिल हैं।

जांच में सामने आया कि अमित गांगुली और उसके साथी लोगों को धोखा देकर कीमती जमीनों पर कब्जा कर रहे थे। ये लोग फर्जी एग्रीमेंट, पावर ऑफ अटॉर्नी, सेल डीड और अन्य दस्तावेज बनाकर जमीन पर गलत तरीके से मालिकाना हक दिखाते थे। इसके बाद ये फर्जी कागजात अदालत में पेश कर लोगों को गुमराह करते थे और सरकारी रिकॉर्ड में जमीन अपने नाम कराने की कोशिश करते थे।

इतना ही नहीं, आरोपियों ने इन फर्जी तरीके से हासिल की गई जमीनों पर रियल एस्टेट प्रोजेक्ट बनाकर फ्लैट भी बेचे, जिससे उन्होंने अवैध कमाई (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) की। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी एक तय तरीके से काम करते थे। पहले फर्जी दस्तावेज तैयार करते, फिर कोर्ट में केस डालकर आदेश लेते और बाद में सरकारी रिकॉर्ड में बदलाव कराकर कब्जा वैध दिखाने की कोशिश करते थे।

पुलिस ने अमित गांगुली और उसके साथियों के खिलाफ 20 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की हैं, जिनमें ज्यादातर मामले साउथ 24 परगना जिले से जुड़े हैं।

इन मामलों में कीमती जमीनों पर अवैध कब्जा, फर्जी डेवलपमेंट एग्रीमेंट, पावर ऑफ अटॉर्नी का गलत इस्तेमाल और विवादित जमीनों पर तीसरे पक्ष को अधिकार देने जैसे आरोप शामिल हैं।

ईडी इस पूरे मामले में आगे भी जांच कर रही है।

# मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीद शुरू, किसानों ने किया स्वागत

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में गुरुवार से गेहूं खरीदी का सिलसिला शुरू हो गया है। राज्य में इस बार तय समर्थन मूल्य 2585 पर राज्य सरकार की ओर से 40 रूपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह राज्य में 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी हो रही है। खरीदी की शुरुआत के मौके पर उपार्जन स्थलों पर किसानों का स्वागत किया गया।

राज्य में उपार्जन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए 19 लाख चार हजार 644 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। गेहूं उपार्जन के लिए इस वर्ष प्रदेश में कुल 3627 उपार्जन केंद्र बनाये गये हैं। बीते उपार्जन वर्ष 2025-26 में 15 लाख 44 हजार 55 किसानों ने गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन कराया था। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गेहूं खरीदी के दौरान सरकार की ओर से की गई व्यवस्थाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था है।

गेहूँ की प्रति क्विंटल कीमत को वर्तमान स्तर तक लाना बड़ी चुनौती थी, हम इसे 2700 रूपये प्रति क्विंटल तक ले जाएंगे।

किसानों को उनकी फसल का सही दाम दिलवाना हमारी प्रतिबद्धता है। हम जनता की सेवा करना चाहते हैं, इसी उद्देश्य से उपार्जन केंद्रों पर गेहूँ खरीदी की बेहतर व्यवस्था की गई है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य के उपार्जन केंद्रों पर हेल्प डेस्क स्थापित हैं, जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम से संपूर्ण व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। उपार्जन केंद्रों पर पंपलेट और होर्डिंग के द्वारा भी किसानों को व्यवस्था के संबंध में जानकारियां दी गई हैं। राज्य में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उपार्जन केन्द्रों पर आने वाले किसानों को उनके कल्याण तथा हित से जुड़ी शासन की योजनाओं से भी अवगत कराया जा रहा है।

उपार्जन केन्द्रों पर सुबह से ही किसानों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। आज पहुंचने वाले छोटे और सीमांत किसान है, क्योंकि सरकार ने फैसला लिया है कि सबसे पहले छोटे और सीमांत किसानों की उपज की खरीदी की जाएगी। प्रदेश किसान मोर्चा पदाधिकारियों द्वारा प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर पहुंचकर किसानों का टीका, माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया।

इंदौर स्थित लक्ष्मीबाई नगर मंडी में गेहूं उपार्जन के प्रथम दिवस का शुभारंभ उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा मंडी में पहुंचे सभी किसान भाइयों का सम्मान किया गया ।

# जल संसाधन दिवस : संरक्षण ही घटते जल स्रोत का समाधान

**नई दिल्ली।** हर साल 10 अप्रैल को जल संसाधन दिवस मनाया जाता है। यह सिर्फ एक तारीख नहीं बल्कि हमें याद दिलाने का दिन है कि पानी के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। जल संरक्षण, इसके उचित प्रबंधन और प्राकृतिक जल स्रोतों को दूषित होने से बचाने के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ही जल संसाधन दिवस मनाया जाता है।

हम रोजमर्रा की जिंदगी में पानी का इस्तेमाल तो करते हैं लेकिन अक्सर उसकी अहमियत को नजरअंदाज कर देते हैं जो भविष्य के लिए संकट पैदा कर सकता है। भले ही पृथ्वी पर लगभग 71 प्रतिशत सतह पानी से ढकी हुई है लेकिन उसमें से केवल 3 प्रतिशत ही ऐसा मीठा पानी है जो इंसान पी सकता है या उपयोग कर सकता है। वहीं, अगर हम भारत की स्थिति देखें तो आंकड़े और गंभीर हो जाते हैं।

भारत का हिस्सा दुनिया के कुल भूभाग में सिर्फ 2.45 प्रतिशत है लेकिन हमारी आबादी दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत है। इसके बावजूद हमारे पास दुनिया के पानी का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या, जल स्रोतों का अत्यधिक दोहन और उनका असमान वितरण भारत में पानी की उपलब्धता को लगातार कम कर रहा है।

सतही जल जैसे नदियां, झीलें, तालाब और जलाशय, हमारे लिए मुख्य जल स्रोत हैं। मानसून और हिमालय की बर्फ के पिघलने से ये नदियां जीवनदान देती हैं। पूरे देश की नदियों में औसत वार्षिक प्रवाह लगभग 1,869 घन किलोमीटर है, लेकिन इसका सिर्फ 37 प्रतिशत ही हम प्रभावी रूप से इस्तेमाल कर पाते हैं।

केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की 2025 की रिपोर्ट बताती है कि देश में निरंतर और संचयी प्रयासों के परिणामस्वरूप भूजल की समग्र स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। सीजीडब्ल्यूबी के गतिशील भूजल संसाधन आकलन आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 2017 से 2025 के बीच 432 बीसीएम (अरब घन मीटर) से बढ़कर 448.52 बीसीएम हो गया है। इसी दौरान भूजल दोहन लगभग 247.22 अरब घन मीटर आंका गया है।

हमारे देश में पानी का सबसे बड़ा इस्तेमाल कृषि में होता है। सतही जल का 89 प्रतिशत और भूजल का 92 प्रतिशत कृषि के लिए जाता है।

औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा बहुत कम है। सतही जल का सिर्फ 2 प्रतिशत और भूजल का 5 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्र में इस्तेमाल होता है। घरों में पानी का इस्तेमाल सतही जल का लगभग 9 प्रतिशत है।

# ममता खुद की सीट नहीं बचा पाएंगी, सरकार कहां से बचाएंगी : गिरिराज सिंह

**पटना।** केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भवानीपुर से ममता बनर्जी चुनाव हारेंगी। जब वे खुद की सीट नहीं बचा पाएंगी तो सरकार बचाने की बात तो छोड़ दीजिए।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती थीं, इसलिए वे हर दिन एसआईआर के बारे में चिल्ला रही हैं। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी अब अपनी खुद की सीट भी नहीं बचा पाएंगी, सरकार बचाना तो दूर की बात है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पिछले 15 सालों में पश्चिम बंगाल को लूटा है, इसलिए अब गरीबी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बात करने से बच रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने जो कहा है, वह बिल्कुल सही है। सबका साथ, सबका विकास और जिन्होंने लूटा है, उनसे हिसाब लिया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मैं उन गुंडों को भी बता देना चाहता हूं, जो टीएमसी के गुंडे हैं और मतदाताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। किसी भी गलतफहमी में न रहें। इस बार बंगाल में भाजपा की ही सरकार बनेगी। जो कोई भी गुंडागर्दी करेगा, उसे जवाब देना होगा।

महिला आरक्षण बिल को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हर प्रमुख योजना में महिलाओं की भागीदारी और प्रगति को केंद्र में रखा गया है। अब समय है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी और सशक्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर देश के लोकतंत्र को और मजबूत बनाया जाए।

बताते चलें कि पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों पर दो चरण में 23 और 29 अप्रैल को मतदान कराए जाएंगे।

# मणिपुर: बम विस्फोट में दो बच्चों की मौत के बाद तीन कुकी उग्रवादी गिरफ्तार

**इम्फाल।** मणिपुर के बिश्नुपुर जिले में हुए घातक बम हमले में दो छोटे बच्चों की मौत और उनकी मां के घायल होने के एक दिन बाद, सुरक्षा बलों ने बुधवार को पड़ोसी चुराचांदपुर जिले में संयुक्त अभियान के दौरान यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आतंकवादियों की पहचान जंपाओ कुकी, ससंग और पाउलालेम वैफाई के रूप में की गई है। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी के सदस्यों से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया।

जब्त किए गए सामान में एक एके-47 राइफल मैगजीन के साथ और 25 राउंड की गोलियां, एक पिस्तौल दो मैगजीन और 15 राउंड के साथ, 20,100 रुपए नकद और 21.19 किलो कच्चे अफीम सहित दो नशीले पदार्थों के बोरे शामिल हैं।

इसी चुराचांदपुर जिले के मोल्फेई तंपाक इलाके में अतिरिक्त हथियार भी बरामद किए गए, जिनमें एक एमपी-9 ऑटोमैटिक राइफल, एक पिस्तौल मैगजीन के साथ, दो लेथोड ट्यूब, एक पंपी (स्थानीय रूप से बनाई गई तोप) और पांच 70 मिमी कारतूस शामिल हैं। मंगलवार की रात 1 बजे के करीब बिश्नुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी अवांग लेकाई गांव में कथित रूप से कुकी आतंकवादियों द्वारा एक घर में शक्तिशाली बम फेंका गया। विस्फोट में पांच साल के लड़के और उसकी पांच महीने की बहन की मौके पर ही मौत हो गई।

# महाराष्ट्र का 50 हजार साल पुराना लोनार झील, जहां रहस्यमयी ढंग से बदलता है पानी का रंग

**नई दिल्ली।** प्रकृति जितनी खूबसूरत है उतनी ही रहस्यों से भरी भी है। महाराष्ट्र में स्थित लोनार क्रेटर देश की धरती पर एक अनोखा प्राकृतिक चमत्कार है। यह क्रेटर लगभग 35 हजार से 50 हजार साल पहले किसी उल्कापिंड के टकराने से बना था। शुरू में इसे ज्वालामुखी क्रेटर समझा गया था लेकिन बाद में वैज्ञानिकों ने पुष्टि की कि यह उल्कापिंड की टक्कर से बना है।

यह दुनिया में बेसाल्ट चट्टानों पर बना एकमात्र इम्पैक्ट क्रेटर है, जो चंद्रमा और मंगल ग्रह के क्रेटरों का अध्ययन करने के लिए महत्वपूर्ण है। लोनार क्रेटर महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में लोनार गांव के पास स्थित है। यह दक्कन पठार के अंदर है, जहां 65 मिलियन साल पहले हुए विशाल ज्वालामुखीय विस्फोटों से बनी बेसाल्ट चट्टानें फैली हुई हैं। 1823 में ब्रिटिश अधिकारी सी.जे.ई. अलेक्जेंडर ने इसे पहचाना था। इसके बाद लंबे समय तक भ्रम बना रहा कि यह ज्वालामुखी क्रेटर है। 1970 के दशक में 'मास्केलिनाइट' नामक प्राकृतिक कांच की मौजूदगी ने साबित कर दिया कि यह उल्कापिंड की तेज टक्कर से बना है। लोनार क्रेटर न सिर्फ भूविज्ञान का रहस्य है बल्कि पर्यटन स्थल भी है। यहां घूमने वाले पर्यटक इस अनोखी झील और क्रेटर की सुंदरता का आनंद लेते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि लोनार ब्रह्मांड की टक्करों और पृथ्वी के इतिहास को समझने में मदद कर सकता है, जिसे लेकर तमाम स्पेस एजेंसी काम भी कर रही हैं।

मास्केलिनाइट केवल तेज गति की टक्करों में ही बनता है। क्रेटर का व्यास औसतन लगभग 1,830 मीटर यानी लगभग 1.8 किलोमीटर है और यह करीब 150 मीटर गहरा है। इसका किनारा आसपास की जमीन से लगभग 20 मीटर ऊंचा उठा हुआ है। क्रेटर के अंदर एक झील बनी हुई है, जो नमकीन और क्षारीय है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के उपग्रह ने साल 2004 में इसकी तस्वीर ली थी, जिसमें झील हरी-नीली दिखाई देती है और चारों ओर वनस्पति, खेत और बस्तियां साफ नजर आती हैं। लोनार क्रेटर का सबसे रोचक रहस्य इसकी झील का रंग बदलना है। जून 2020 में झील का रंग अचानक हरे से गुलाबी या लाल हो गया।

वैज्ञानिकों ने सैंपल लिए और पाया कि यह हेलोआर्किया जैसे नमकीन पानी में रहने वाले सूक्ष्म जीवों के कारण हुआ। गर्म और सूखे मौसम में पानी का स्तर कम होने से खारापन बढ़ गया, जिससे ये जीव बढ़ जाते हैं और गुलाबी रंग पैदा करने लगते हैं। ऑस्ट्रेलिया की लेक हिलियर या ईरान की लेक उर्मिया में भी ऐसा होता है। हालांकि, लोनार झील का रंग हमेशा नहीं रहता बल्कि यह मौसम के अनुसार बदलता रहता है।

# गर्मियों में नारियल पानी और सब्जा सीड्स का कॉम्बिनेशन क्यों है सुपरड्रिंक, जानिए इसके फायदे

**नई दिल्ली ।** गर्मियों के मौसम में तेज धूप, ज्यादा पसीना और लगातार थकान शरीर को जल्दी कमजोर बना देते हैं। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती शरीर को हाइड्रेट रखने और ऊर्जा बनाए रखने की होती है। डॉक्टर मानते हैं कि इस मौसम में खानपान का सही चुनाव बेहद जरूरी है। प्राकृतिक पेय पदार्थ, खासकर वे जिनमें इलेक्ट्रोलाइट्स और पोषक तत्व भरपूर हों, शरीर को गर्मी से बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसी कड़ी में नारियल पानी और सब्जा सीड्स का मिश्रण एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है बल्कि कई तरह से स्वास्थ्य को भी फायदा पहुंचाता है। सबसे पहले बात करें शरीर में पानी की कमी की, तो गर्मियों में यह समस्या बहुत आम हो जाती है। ज्यादा पसीना आने से शरीर से जरूरी मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट्स बाहर निकल जाते हैं। नारियल पानी में पोटैशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को तेजी से पूरा करते हैं। जब इसमें सबजा सीड्स मिलाए जाते हैं, तो यह मिश्रण और ज्यादा प्रभावी हो जाता है। सब्जा सीड्स पानी को सोखकर जेल जैसा बनाते हैं, जो शरीर में लंबे समय तक हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करता है। यही कारण है कि इसे पीने से थकान और कमजोरी जल्दी दूर होती है।

पाचन तंत्र के लिए भी यह मिश्रण काफी फायदेमंद माना जाता है। वैज्ञानिक तौर पर देखा जाए तो सब्जा सीड्स में घुलनशील फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जो आंतों की सफाई और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। इससे कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याएं कम होती हैं। वहीं नारियल पानी पेट को ठंडक देता है और एसिडिटी को नियंत्रित करने में मदद करता है। दोनों का एक साथ सेवन करने से पेट हल्का महसूस होता है और खाना आसानी से पचता है। ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में भी यह कॉम्बिनेशन काफी असरदार है।

# लौंग से लेकर नमक के पानी तक, इन घरेलू उपायों से कम करें दांतों का दर्द

**नई दिल्ली।** दांत का दर्द एक ऐसी समस्या है, जो दिनभर के काम को प्रभावित करता है। कभी ठंडा-गरम खाने से झनझनाहट, तो कभी मसूड़ों में सूजन या सड़न के कारण तेज दर्द होने लगता है। आयुर्वेद में दांत दर्द को कम करने के कई प्राकृतिक और असरदार उपाय बताए गए हैं।

सबसे पहले बात करें लौंग की, तो यह दांत दर्द के लिए सबसे प्रभावी घरेलू उपायों में से एक है। लौंग में यूजेनॉल नामक तत्व पाया जाता है, जो प्राकृतिक दर्द निवारक और एंटीबैक्टीरियल होता है। जब इसे दांत के पास रखा जाता है या उसका तेल लगाया जाता है, तो यह नसों को हल्का सुन्न कर देता है और बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। यही कारण है कि लौंग का इस्तेमाल करने से तुरंत राहत महसूस होती है। हालांकि, इसका उपयोग सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में यह जलन पैदा कर सकता है।

नीम भी दांतों और मसूड़ों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण मुंह में मौजूद हानिकारक कीटाणुओं को खत्म करते हैं। जब नीम की दातुन से दांत साफ किए जाते हैं तो यह मसूड़ों को मजबूत बनाने का भी काम करता है। वैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो नीम मुंह के पीएच लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है, जिससे बैक्टीरिया का विकास कम होता है और दांत लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं।

हल्दी भी एक ऐसा प्राकृतिक पदार्थ है, जो सूजन और संक्रमण को कम करने में कारगर है। इसमें करक्यूमिन नामक तत्व पाया जाता है, जो एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक होता है। जब हल्दी को पानी या तेल के साथ मिलाकर दांतों पर लगाया जाता है तो यह मसूड़ों की सूजन को कम करता है और दर्द में राहत देता है। साथ ही यह घाव भरने की प्रक्रिया को भी तेज करता है, जिससे मसूड़े जल्दी ठीक होते हैं। मुलेठी को अक्सर गले की समस्या के लिए जाना जाता है, लेकिन यह दांतों के लिए भी उतने ही फायदेमंद हैं। इसमें मौजूद तत्व बैक्टीरिया से लड़ते हैं और दांतों की सड़न को रोकते हैं। जब मुलेठी का पाउडर इस्तेमाल किया जाता है तो यह दांतों की सतह पर जमा गंदगी को साफ करता है और मसूड़ों को आराम पहुंचाता है। यह एक तरह से प्राकृतिक क्लीनर की तरह काम करता है।

नमक के पानी से कुल्ला करना असरदार तरीका है। गुनगुने पानी में नमक मिलाकर गरारे करने से मुंह के बैक्टीरिया कम होते हैं और सूजन में राहत मिलती है।

# होर्मुज पर तनाव और युद्धविराम की आशंकाओं के चलते कच्चे तेल की कीमतों में आई 4 प्रतिशत तक की तेजी

**नई दिल्ली ।** वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गुरुवार को तेज उछाल देखने को मिला। पश्चिम एशिया से तेल सप्लाई पूरी तरह बहाल न होने की आशंका और अमेरिका-ईरान के बीच हुए दो हफ्ते के सीजफायर पर बने संदेह के चलते बाजार में चिंता बढ़ गई है, जिससे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रतिबंध जारी रहने की आशंका है।

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा सुबह के समय 3.31 प्रतिशत बढ़कर 97.89 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.2 प्रतिशत उछलकर 98.38 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था।

पिछले दिन यानी बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में 20 प्रतिशत तक गिरावट आई थी और यह 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया था, क्योंकि ऐसी उम्मीदें थीं कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर से तनाव कम होगा और होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट, जहां से इराक, सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसे देशों का तेल दुनिया भर में जाता है, इस पूरे विवाद का केंद्र बना हुआ है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजरायल के हमलों से तनाव और बढ़ गया है। वहीं कुवैत, बहरीन और यूएई में भी मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबरें सामने आई हैं।

बताया जा रहा है कि इन घटनाओं के बाद ईरान ने एक बार फिर होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है। शिपिंग कंपनियों का कहना है कि वे तब तक इस रास्ते से जहाज भेजने में हिचकिचा रही हैं, जब तक सीजफायर की शर्तें पूरी तरह साफ नहीं हो जातीं।

ईरान ने जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिखाने के लिए नक्शे जारी किए हैं और अपने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के साथ मिलकर सुरक्षित मार्ग तय किए हैं।

इस बीच, क्षेत्र के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी खतरा बना हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने सीजफायर के बाद पड़ोसी देशों में कुछ ठिकानों पर हमले किए, जिनमें सऊदी अरब की एक पाइपलाइन भी शामिल है।

इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी जहाज, विमान और सैन्य बल ईरान के आसपास तैनात रहेंगे।

शेयर बाजार की बात करें तो घरेलू बाजार में पिछले दिन की जबरदस्त तेजी के बाद फिर से गिरावट देखने को मिली। इस बीच खबर लिखे जाने तक सेंसेक्स में 0.72 प्रतिशत या 550 से ज्यादा अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 77,000 के करीब ट्रेड करता नजर आया, वहीं निफ्टी50 140 अंकों से ज्यादा यानी 0.50 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 23,800 के स्तर पर ट्रेड करता नजर आया।

# एक्सेसरीज से कहीं अधिकः कैस जेन जेड अपनी पहचान को धारण कर रहे हैं

**नई दिल्ली।** आज की पीढ़ी (जेन-जेड) ने अपने स्टाइल के जरिए किशोरावस्था को पूरी तरह से अपना लिया है, और यह उनके लिए बेहद व्यक्तिगत है। वे एक्सेसरीज को अपने साथ रखते हैं, जो उनकी आत्म-अभिव्यक्ति और पहचान का प्रतीक है।

इस पीढ़ी के लिए, जो कुछ भी वे साथ रखते हैं, वह उनके व्यक्तित्व का ही एक हिस्सा बन जाता है, अकसर बातचीत शुरू करने का जरिया बनता है और उन्हें समान विचारधारा वाले लोगों से जुड़ने में मदद करता है। जेन-जेड जो पहनते हैं, वह उनके महसूस करने, जीने और खुद को देखने के तरीके का प्रतिबिंब है।

लैबूबस जैसे ट्रेंड, चेरी की डंडियों से लेकर धनुष, दिल आदि जैसे प्यारे छोटे-छोटे स्मृति चिन्ह आजकल बैग चार्म के रूप में तेजी से इस्तेमाल हो रहे हैं। इन्हें अक्सर 'भावनात्मक सहारा देने वाले चार्म' कहा जाता है और ये आजकल खूब चलन में हैं।

ये एक्सेसरीज जहां लुक को पूरा करती हैं, वहीं रंगीन फोन केस, स्मार्ट रिंग और ट्रेंडी वायरलेस इयरफोन जैसी तकनीकी एक्सेसरीज युवाओं की सुबह की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं, जिससे वे अपने दिन की शुरुआत करते हैं। उनके लिए, ये एक्सेसरीज उनके व्यक्तित्व का विस्तार हैं, ठीक वैसे ही जैसे कपड़े, हेयरस्टाइल और गहने। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सबसे अच्छे कॉम्पैक्ट वायरलेस इयरफोन की तलाश अब केवल ध्वनि तक ही सीमित नहीं है, बल्कि डिज़ाइन, पोर्टेबिलिटी और रोजमर्रा के स्टाइल में इसकी सहजता पर भी निर्भर करती है।

इस पीढ़ी के लिए स्टाइल कई तत्वों का मिश्रण है। वे अपने कपड़ों से मेल खाने के लिए तकनीकी एक्सेसरीज का उपयोग करते हैं, अपने फोन केस को आकर्षक बनाते हैं और हर संभव तरीके से सबसे अलग दिखने की कोशिश करते हैं।

जेन जेड पीढ़ी के लिए ये अनोखे और रचनात्मक एक्सेसरीज बेहद ज़रूरी हैं, जो दर्शाते हैं कि एक छोटी सी चिंगारी ही काफी है।

# तनाव से राहत के साथ पाचन मजबूत करता है त्रिकोणासन, लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों के लिए फायदेमंद

**नई दिल्ली ।** आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग शारीरिक और मानसिक समस्याओं से तेजी से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में योग एक ऐसा सरल उपाय है, जो शरीर को न सिर्फ स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांति देता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के मुताबिक योग के कई आसनों में से त्रिकोणासन एक ऐसा आसन है, जो शरीर को संतुलित रखने में मदद करता है।

त्रिकोणासन का नियमित अभ्यास शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और शरीर के विभिन्न अंगों के बीच तालमेल को बेहतर बनाता है। यह आसन खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं।

इस आसन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर के संतुलन को बेहतर बनाता है। जब कोई व्यक्ति त्रिकोणासन करता है, तो उसे अपने शरीर को एक खास स्थिति में स्थिर रखना पड़ता है। इससे शरीर के अंदर संतुलन बनाए रखने की क्षमता बढ़ती है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। साथ ही यह आसन शरीर को लचीला बनाने में भी मदद करता है, जिससे रोजमर्रा के काम करने आसान हो जाते हैं। त्रिकोणासन शरीर में रक्त संचार को बेहतर करता है। जब शरीर अलग-अलग दिशाओं में खिंचता है, तो रक्त का प्रवाह बेहतर होता है और हर अंग तक ऑक्सीजन सही मात्रा में पहुंचती है। इससे शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान कम महसूस होती है। नियमित अभ्यास से त्वचा पर भी निखार आता है क्योंकि यह शरीर को अंदर से पोषण देता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी यह आसन बेहद लाभकारी है। इस आसन को करने से तनाव और चिंता धीरे-धीरे कम होने लगती है। यह दिमाग को शांत करता है और एकाग्रता बढ़ाने में मदद होता है, जिससे व्यक्ति अपने काम पर बेहतर ध्यान दे पाता है।

पाचन तंत्र को मजबूत करने में भी यह आसन मददगार है। शरीर को मोड़ने और खींचने की प्रक्रिया से पेट के अंग सक्रिय होते हैं, जिससे पाचन बेहतर होता है। जिन लोगों को गैस, अपच या पेट से जुड़ी समस्याएं रहती हैं, उनके लिए यह आसन फायदेमंद साबित हो सकता है।

त्रिकोणासन करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखें। अब एक पैर को बाहर की ओर घुमाएं और दूसरे पैर को हल्का अंदर रखें। दोनों हाथों को कंधे की सीध में फैलाएं। धीरे-धीरे शरीर को उस दिशा में झुकाएं जिस तरफ पैर मुड़ा है और उसी हाथ से पैर या टखने को छूने की कोशिश करें, जबकि दूसरा हाथ ऊपर की ओर सीधा रखें। ध्यान रखें कि शरीर संतुलित रहे। कुछ सेकंड इस स्थिति में रुकें, फिर धीरे-धीरे वापस सीधा हो जाएं और दूसरी तरफ से यही प्रक्रिया दोहराएं।

# कमर दर्द और रीढ़ की जकड़न से छुटकारा दिलाए चक्रासन योगासन

**नई दिल्ली।** आधुनिक जीवनशैली में देर तक कुर्सी पर बैठने से अक्सर रीढ़ की हड्डी प्रभावित होने लगती है। इससे कमर दर्द, उठने-बैठने में तकलीफ और मांसपेशियों में तनाव बढ़ जाता है। कई लोग घरेलू नुस्खों या थेरेपी से राहत पाने की कोशिश करते हैं, लेकिन समस्या जड़ से समाप्त नहीं होती हैं।

इन्हीं में से एक लोकप्रिय आसन है चक्रासन, जिसे व्हील पोज भी कहा जाता है और यह 'अष्टांग योग' की प्राइमरी सीरीज का ही एक हिस्सा है। इस योगासन को करने के लिए शरीर को पीछे की ओर झुकाया जाता है और शरीर एक पहिए का रूप धारण कर लेता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, चक्रासन (व्हील पोज) एक उन्नत योगासन है, जो रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन को बढ़ाता है और हृदय व फेफड़ों के लिए अत्यधिक लाभकारी है। यह आसन नसों, पाचन, श्वसन और अंत:स्रावी तंत्र को मजबूत करता है, तनाव कम करता है और संपूर्ण शरीर की मांसपेशियों को टोन करता है।

चक्रासन रीढ़ को लचीला बनाता है और कमर दर्द से राहत दिलाता है। यह आंखों की मांसपेशियों को मजबूत कर रोशनी बढ़ाने में मदद करता है। कब्ज और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करता है। यह मानसिक तनाव और चिंता को कम कर शांति देने में भी मददगार है। यह मांसपेशियों को मजबूत कर शरीर की सक्रियता बढ़ाता है।

इसके नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। हालांकि, शुरुआत में करने से थोड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अभ्यासकर्ता आसन को करने के लिए दीवार का सहारा ले सकते हैं।

चक्रासन न सिर्फ रीढ़ की मज़बूती बढ़ाता है, बल्कि पूरे शरीर को ऊर्जावान बनाता है। रोजाना 5-10 मिनट का अभ्यास कमर दर्द को काफी हद तक नियंत्रित कर सकता है। अगर कोई भी अभ्यासकर्ता बैठे रहने की वजह से जकड़न महसूस कर रहे हैं, तो उन्हें अपनी दिनचर्या में चक्रासन शामिल करें।

अगर पीठ, कलाई या गर्दन में गंभीर दर्द है, तो डॉक्टर या योग गुरु की सलाह लें। गर्भवती महिलाएं या हाई ब्लड प्रेशर वाले लोग बिना मार्गदर्शन के न करें।

# चैंपियंस लीगः पीएसजी ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराया

**पेरिस ।** पेरिस सेंट-जर्मन (पीएसजी) ने लिवरपूल एफसी को 2-0 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। पेरिस के पार्क डेस प्रिंसेस में खेले गए इस मुकाबले में मेजबान टीम पूरी तरह हावी नजर आई।

मैच की शुरुआत से ही पीएसजी ने आक्रामक अंदाज अपनाया। डेसिरे डोउए ने 11वें मिनट में बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। उनका यह शॉट डिफ्लेक्शन लेकर गोलकीपर के ऊपर से निकल गया।

पहले हाफ में पीएसजी लगातार मौके बनाता रहा। ख्विचा क्वारत्सखेलिया और उस्मान डेम्बेले ने कई खतरनाक हमले किए, लेकिन लिवरपूल के गोलकीपर जियोर्जी ममारदाश्विली ने कुछ बेहतरीन बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। इसके बावजूद लिवरपूल एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लगा सका। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख नहीं बदला। पीएसजी लगातार दूसरे गोल की तलाश में रहा। टीम को 65वें मिनट में सफलता मिली। जोआओ नेवेस के शानदार पास पर क्वारात्खेलिया ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

लिवरपूल की डिफेंस पर लगातार दबाव बना रहा और पीएसजी को पेनल्टी मिलने की स्थिति भी बनी, लेकिन वीएआर के फैसलों ने इंग्लिश टीम को राहत दी। अशरफ हकीमी और डेम्बेले ने अंत में और मौके बनाए, लेकिन स्कोरलाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ।

इस जीत के साथ पीएसजी ने पिछले सीजन की हार का बदला भी ले लिया है और अब वह दूसरे लेग के लिए एनफील्ड में 2-0 की मजबूत बढ़त के साथ उतरेगा।

# आईपीएल 2026: मुकुल चौधरी ने तूफानी बल्लेबाजी से पलटी हारी हुई बाजी, एलएसजी ने केकेआर को 3 विकेट से हराया

**कोलकाता।** आईपीएल 2026 में गुरुवार को ईडन गार्डन्स के मैदान पर सांसें रोक देने वाले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 3 विकेट से हराया। एलएसजी की तरफ से युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए हारी हुई बाजी को पलट दिया।

182 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को मिचेल मार्श और एडेन मार्करम ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 4.1 ओवर में 41 रन जोड़े। मार्श 11 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मार्करम अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और वह 15 गेंदों में 22 रन बनाने के बाद वैभव अरोड़ा का शिकार बने। वैभव ने तीन गेंदों के अंदर ही एलएसजी के दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

कप्तान ऋषभ पंत बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। निकोलस पूरन का निराशाजनक प्रदर्शन इस मुकाबले में भी जारी रहा और वह 15 गेंदों का सामना करने के बावजूद सिर्फ 13 रन ही बना सके। अब्दुल समद को अनुकूल रॉय ने सिर्फ 2 रनों के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। हालांकि, आयुष बदोनी एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। बदोनी ने 34 गेंदों में 54 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के लगाए।

अंत के ओवरों में एलएसजी के 21 वर्षीय बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 27 गेंदों में 54 रनों की नाबाद पारी खेलकर लखनऊ सुपर जायंट्स को यादगार जीत दिलाई। मुकुल ने अपनी इस पारी में 2 चौके और 7 छक्के लगाए। आखिरी ओवर में जीत के लिए एलएसजी को 14 रनों की जरूरत थी। वैभव अरोड़ा के इस ओवर में मुकुल ने 2 छक्के लगाते हुए केकेआर की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। गेंदबाजी में केकेआर की ओर से वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय ने दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, नरेन और कैमरून ग्रीन ने एक-एक विकेट निकाला।

इससे पहले, टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 181 रन लगाए। फिल एलन बल्ले से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 84 रनों की अहम साझेदारी निभाई। रहाणे ने 24 गेंदों में 41 रन बनाए, जबकि अंगकृष ने 33 गेंदों में 45 रन बनाए। रिंकू सिंह सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, इसके बाद कैमरून ग्रीन और रोवमैन पॉवेल ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों में 70 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। ग्रीन 24 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, पॉवेल ने 4 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 24 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए। गेंदबाजी में एलएसजी की ओर से दिग्वेश राठी, आवेश खान, प्रिंस यादव और सिद्धार्थ ने एक-एक विकेट निकाला। यह केकेआर की इस सीजन में तीसरी हार है। वहीं,लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2026 में दूसरी जीत दर्ज की है।

# भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं राशिद खान, खुद बताई वजह

**नई दिल्ली।** अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने भारत के खिलाफ जून में होने वाले एकमात्र टेस्ट में खेलने पर संदेह जताया है। उनका कहना है कि रेड-बॉल क्रिकेट उनकी लंबी करियर की संभावनाओं के लिए जोखिम भरा हो सकता है।

राशिद ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं पहले भी एक टेस्ट खेल चुका हूं। मैं बस आराम से खेलूंगा। मैं नहीं चाहता कि मेरी पीठ में कोई इंजरी हो। मैं 100 टेस्ट मैच नहीं खेल सकता। रेड-बॉल क्रिकेट थोड़ा मुश्किल है क्योंकि मेरे डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि इससे दूर रहो। फिर भी मैंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 67 ओवर फेंके, जिससे डॉक्टर हैरान रह गए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वनडे क्रिकेट मुझे पसंद है और मेरा ध्यान इस फॉर्मेट पर है। मैं इसमें लंबे समय तक खेल सकता हूं। रेड-बॉल क्रिकेट को लिमिटेड रखना पड़ेगा। साल में एक टेस्ट है तो मैं उसे खेल लूंगा, लेकिन उससे ज्यादा मैनेज करना मुश्किल होगा।

राशिद ने कहा कि अगर मैं टीम का हिस्सा हूं तो पूरे दिन गेंदबाजी करनी पड़ेगी। मुझे सावधानी बरतना है और खुद को वनडे विश्व कप के लिए तैयार करना है।

दिग्गज लेग स्पिनर के बयान से स्पष्ट हो गया है कि भविष्य में वह अपना फोकस वनडे और टेस्ट पर रखना चाहते हैं।

राशिद ने अब तक अफगानिस्तान के 12 टेस्ट में सिर्फ छह में हिस्सा लिया है और आखिरी बार जनवरी 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेला था। 2023 वनडे विश्व कप के बाद उनकी पीठ की सर्जरी ने रेड-बॉल क्रिकेट में उपलब्धता सीमित कर दी है। आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद अफगानिस्तान और भारत के बीच न्यू चंडीगढ़ में 6-10 जून तक एकमात्र टेस्ट खेला जाना है।

राशिद खान आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं। बुधवार अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में हुए ।

# लिलिमा मिंजः साधारण आदिवासी परिवार से निकलकर ओलंपिक में किया देश का प्रतिनिधित्व

**नई दिल्ली।** लिलिमा मिंज भारतीय महिला हॉकी टीम की एक शानदार खिलाड़ी रही हैं। मिडफील्डर के तौर पर टीम इंडिया के लिए उनका करियर बेहतरीन और उपलब्धियों से भरपूर रहा है।

लिलिमा का जन्म 10 अप्रैल 1994 को ओड़िशा के सुंदरगढ़ जिले में एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ था। ओड़िशा एक ऐसी जगह है जहां हॉकी का प्रभाव रहा है। दिलीप टिर्की जैसे दिग्गज खिलाड़ी यहां से निकले हैं और भारतीय हॉकी का बड़ा चेहरा बने हैं। टिर्की जैसे खिलाड़ियों से प्रभावित होकर लिलिमा ने हॉकी में करियर बनाने का सपना देखा।

वह एक साधारण आदिवासी परिवार से निकलकर ओलंपियन बनीं और 2010 से 2020 के बीच महिला हॉकी के उत्थान में अहम योगदान दिया।

स्थानीय जगहों पर खेलते हुए, उन्होंने हॉकी खिलाड़ी के रूप में अपनी प्रतिभा को निखारा और धीरे-धीरे जूनियर टीम में अपनी जगह बनाई। 2011 में, वह उस इंडियन जूनियर टीम का हिस्सा थीं जिसने बैंकॉक, थाईलैंड में लड़कियों की अंडर-18 एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। उनके बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए, इसी साल उन्हें सीनियर भारतीय टीम में खेलने का मौका मिला। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर 2011 से 2022 तक रहा। इस दौरान, भारतीय सीनियर टीम के लिए, उन्होंने 156 मैच खेले। भारत के लिए मिडफील्डर के रूप में खेलते हुए, वह विपक्षी टीम की रक्षा पंक्ति को तोड़ते हुए गेंद को गोल तक ले जाने की अपनी क्षमता के लिए जानी गईं।

लिलिमा मिंज के करियर के अहम और यादगार पड़ावों पर गौर करें तो 2014 एशियन गेम्स में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम की वह सदस्य रही थीं। रियो ओलंपिक 2016 के लिए

# चैंपियंस लीगः क्वार्टर फाइनल के पहले लेग में एटलेटिको मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-0 से हराया

**मैड्रिड।** एटलेटिको मैड्रिड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफसी बार्सिलोना को 2-0 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में बढ़त बना ली है। इस जीत के साथ एटलेटिको ने सेमीफाइनल में पहुंचने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है।

मैच की शुरुआत तेज रफ्तार और आक्रामक अंदाज में हुई। बार्सिलोना ने घरेलू मैदान कैंप नोउ पर शुरुआती दबदबा बनाया और कई मौके भी बनाए। मार्कस रैशफोर्ड ने शुरुआती मिनटों में दो बेहतरीन प्रयास किए, लेकिन एटलेटिको के गोलकीपर जुआन मुस्सो ने शानदार बचाव करते हुए टीम को पीछे नहीं होने दिया। दूसरी ओर, जूलियन अल्वारेज के शॉट को भी बार्सिलोना के गोलकीपर ने रोका।

बार्सिलोना को लगा कि उन्हें बढ़त मिल गई है जब लामिन यमल ने राशफोर्ड के लिए मौका बनाया, लेकिन ऑफसाइड के कारण गोल रद्द कर दिया गया।

मैच में अहम मोड़ 42वें मिनट में आया, जब पाउ क्यूबार्सी को वीआर रिव्यू के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। शुरुआत में रेफरी ने येलो कार्ड दिया था, लेकिन समीक्षा के बाद फैसला बदल गया। इस फैसले ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

हाफटाइम से ठीक पहले एटलेटिको ने बढ़त बना ली। अल्वारेज ने फ्री किक को गोल में बदलते हुए टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बार्सिलोना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अलेक्जेंडर सोर्लोथ ने 70वें मिनट में गोल कर एटलेटिको की बढ़त दोगुनी कर दी।

इसके बाद एटलेटिको ने मैच पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और अंत तक बढ़त को सुरक्षित रखा। इसके बाद सिमोन की टीम ने आखिरी पलों में आराम से जीत हासिल की, जबकि बार्सिलोना हार गया। अब दूसरे लेग में बार्सिलोना के सामने वापसी की बड़ी चुनौती होगी, जिससे एटलेटिको सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में आ गया।

# पैरा एशियन गेम्स को तरजीह, 'वर्ल्ड नंबर-1' खिलाड़ी शीतल देवी ने एलए28 पैरालंपिक्स पर फोकस टाला

**नई दिल्ली ।** वर्ल्ड आर्चरी पैरा चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी शीतल देवी फिलहाल एलए 2028 पैरालंपिक्स पर ध्यान नहीं दे रही हैं। उनकी निगाहें अभी वर्तमान पर ही टिकी हुई हैं। वह पैरालंपिक्स के बड़े लक्ष्य की ओर देखने से पहले, इस साल के आखिर में जापान में होने वाले पैरा एशियन गेम्स की ओर कदम-दर-कदम आगे बढ़ने पर फोकस कर रही हैं।

पिछले महीने, शीतल को वर्ल्ड आर्चरी अवार्ड्स में 'पैरा-आर्चर ऑफ द ईयर' का सम्मान मिला। शीतल ने यह सम्मान 2025 के शानदार सीजन के बाद हासिल किया था, जिसमें ग्वांगजू में वर्ल्ड टाइटल भी शामिल है।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शीतल ने कहा, 'मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचती, जैसे सीधे पैरालंपिक्स के बारे में सोचना।

मुझे एक-एक कदम करके आगे बढ़ना पसंद है। वर्ल्ड सीरीज में भी, मेरा फोकस बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर था। पैरालंपिक्स तो बाद में आएंगे। चूंकि, एशियन गेम्स पहले हो रहे हैं, इसलिए मेरा मुख्य फोकस अभी उन्हीं पर है।

शीतल ने वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। यह 2026 का पहला आउटडोर इंटरनेशनल इवेंट था। इस इवेंट में उनकी हमवतन पायल नाग ने फाइनल में 139-136 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

जब शीतल देवी से जापान में होने वाले पैरा एशियन गेम्स की तैयारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अब तक, ट्रेनिंग अच्छी चल रही है।

वहीं, कोच गौरव शर्मा ने कहा, 'तैयारियां अच्छी चल रही हैं। इस साल अब तक शीतल ने लगातार मुकाबले नहीं खेले हैं, लेकिन उनका प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। पहले या दूसरे स्थान पर आना तो खेल का ही एक हिस्सा है।

# बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिपः आयुष ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बाहर

**निंगबो ।** आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गुरुवार को यहां ताइपे के चिन यू जेन को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। आयुष ने 41 मिनट तक चले मैच में ताइपे के शटलर पर 21-16, 21-12 से आसान जीत दर्ज की।

आयुष ने अपने कैंपेन की शुरुआत चीन के ली शि फेंग पर शुरुआती राउंड में 21-13, 21-16 से शानदार जीत के साथ की। वह क्वार्टर फाइनल में इसी लय को बनाए रखना चाहेंगे, जब उनका सामना इंडोनेशिया के तीसरी सीड जोनाथन क्रिस्टी से होगा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और एचएस प्रणय अपने-अपने मुकाबले हारकर चैंपियनशिप से बाहर हो गए।

प्रणय, जो गुयेन है डांग पर सीधे गेम में 24-22, 21-12 से जीत के साथ दूसरे राउंड में आए थे, उन्हें हांगकांग की वेंग होंग यांग के हाथों 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में सिंधु को दो बार की एशियन चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी वांग जी यी से भी सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ अपना महिला एकल ओपनर 15-21, 21-11, 21-19 से जीतकर दूसरे राउंड में वापसी की थी। मिश्रित डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा, जब तनीषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी टोह ई वेई और चांग टेन जी की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 14-21 से हार गई।

बाद में, उन्नति हुड्डा, जिन्होंने पहले राउंड में थाईलैंड की दुनिया की 11 नंबर की खिलाड़ी सुपनिडा कटेथोंग को एक गेम से पीछे रहकर हराया था, अब दुनिया की 9 नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से भिड़ेंगी।

महिला डबल्स में, प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए पांचवीं सीड जापानी जोड़ी युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो से भिड़ेंगी।

# राहुल की चुनौती उनका खेल नहीं, निर्णय लेने की क्षमता हैः अंबाती रायुडू

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 में बुधवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में फैंस को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बल्लेबाज केएल राहुल की आक्रामक बल्लेबाजी देखने को मिली। राहुल ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 52 गेंदों पर 92 रनों की धमाकेदार पारी खेली। डीसी बेशक हार गई हो, लेकिन राहुल की शानदार पारी की तारीफ फैंस और आलोचक सभी ने की है।

पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने भी राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके शॉट चयन पर कभी सवाल नहीं रहा है।

रायुडू ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर बात करते हुए कहा, 'शुरू में वह कंजर्वेटिव था, उसे मौका मिल रहा था। लेकिन उसने इसे खूबसूरती से बदल दिया। और शायद डीसी साइड में यही उसका रोल है, यही उनकी रणनीति है कि उसे डीप बैटिंग करनी है।

उन्होंने कहा, 'राहुल का उस रात का अप्रोच सोचा-समझा लग रहा था। शुरू में ऑल-आउट होने के बजाय, उसने लक्ष्य को एंकर करने का फैसला किया, यह पक्का करते हुए कि दिल्ली कैपिटल्स लक्ष्य के करीब रहे। दूसरे एंड पर नियमित विकेट गिरने के बावजूद, उसने संयम बनाए रखा, अपनी पारी की गति बढ़ाते हुए मैच को करीब ले गया।

रायुडू ने बताया कि राहुल के लिए असली चुनौती स्किल में नहीं, बल्कि उनके निर्णय लेने की क्षमता में है। हम सब जानते हैं कि एक बार जब वह क्रीज पर आ जाता है, तो उसके पास किसी भी डिलीवरी पर बाउंड्री शॉट खेलने का गेम होता है। यह इतने वर्षों से राहुल की विशेषता रही है। यह बस उसका माइंडसेट है, वह इसे कैसे और कब करना चाहता है, इसी पर उसकी हमेशा से लड़ाई रही है। क्योंकि उसके पास स्पिनर्स, तेज गेंदबाजों के साथ-साथ हर लेंथ का सामना करने का खेल है। इसलिए चुनौती यह है कि वह किस रणनीति के साथ बल्लेबाजी करने आएगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा ) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415